फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 231 प्रभात जयपुर, गुरूवार 26 मार्च, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Tarot Is as Mesmerizing as the Decks Themselves

It was in the milieu of 17th and 18th century that occult writers first began to experiment with the idea that Tarot cards could be a key to greater wisdom

HUMAN IMPACTS ON BIOSPHERE

He Was More Than Noble

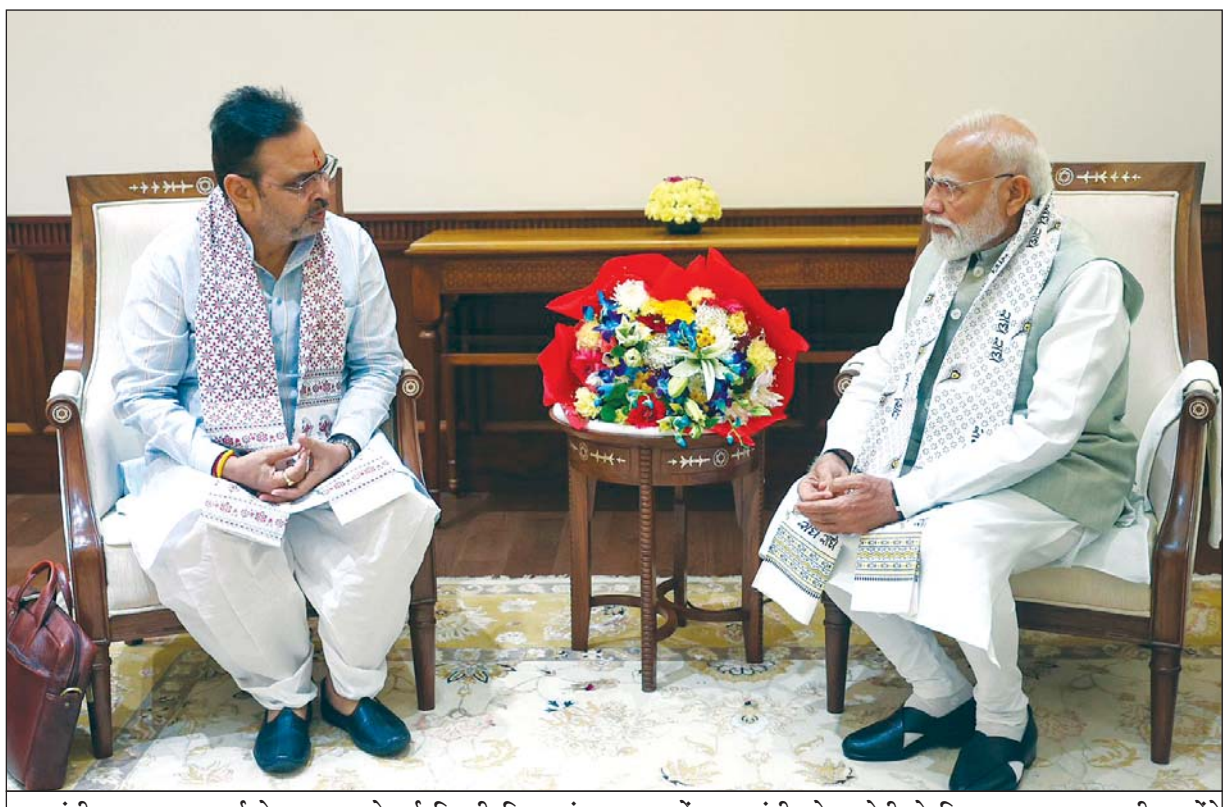

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री को नवरात्र पर्व की शुभकामना एवं बधाई दी तथा राजस्थान के शिल्पकार द्वारा चंदन की लकड़ी से निर्मित मां दुर्गा की मूर्ति भेंट की। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी से विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की योजनाओं और नीतियों के सफल क्रियान्वयन से आमजन लाभांवित हो रहे हैं। वहीं, राजस्थान विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां को छू रहा है।

'24, अकबर रोड से कई यादें जुड़ी हैं'

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मार्च। कांग्रेस के मुख्यालय 24, अकबर रोड (पार्टी मुख्यालय) और 5 रायसीना रोड (युवा कांग्रेस कार्यालय) को खाली करने के लिए एस्टेट निदेशालय द्वारा दिए गए नोटिस पर पार्टी नेताओं का गुस्सा और नैतिकता का दावा कुछ हद तक गलत लगता है, हालांकि यह कहा जा सकता है कि ये नोटिस ''बदले की राजनीति''

- केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा कांग्रेस को पूर्व मुख्यालय, 24 अकबर रोड को खाली करने के नोटिस पर वरिष्ठ पार्टी नेता बेहद भावुक हो रहे हैं, उनका कहना है, यहाँ से इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, नरसिम्हाराव और मनमोहन सिंह की यादें जुड़ी हुई हैं।

का प्रतीक हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे को अदालत में ले जाने का फैसला किया है, ताकि उसे जबरन बाहर न किया जा सके।

शहरी मामलों के मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय की 2006 की नीति के तहत, राजनीतिक दलों को नए कार्यालय बनाने के लिए जमीन दी जाती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री बनने की चाह ने कितना बदल दिया के.सी. वेणुगोपाल को

वेणुगोपाल केरल में अब घर-घर जा रहे हैं और उन रूष्ट कांग्रेस उम्मीदवारों को मनाने में जुटे हैं, जिन्हें कांग्रेस का टिकट नहीं मिला और जो बागी उम्मीदवार के रूप में खड़े होने की तैयारी में हैं

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मार्च। के. सी. वेणुगोपाल को पार्टी में एआईसीसी के संगठन महासचिव की तरह व्यवहार करने में छह साल लग गए, इस समय भी वे यह जिम्मेवारी तब निभा रहे है, जब इससे उनका खुद का स्वार्थ जुड़ा हुआ है, क्योंकि वे केरल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं।

केरल में विधानसभा चुनाव प्रचार पूरे जोरों पर हैं और के. सी. वेणुगोपाल इन दिनों केरल में सक्रिय हैं, जहां उनका कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। वे लगातार घर-घर जाकर उन कांग्रेस नेताओं से मिल रहे हैं, जिन्हें टिकट नहीं मिला या जो बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य इस बारगी प्रत्याशियों को शांत करना है, ताकि केरल चुनावों में पार्टी को कोई नुकसान न हो।

अब सवाल उठ रहा है कि संगठन महासचिव के रूप में वेणुगोपाल ने यही काम महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, बिहार या अन्य राज्यों में क्यों नहीं किया, जहां कांग्रेस बुरी तरह विधानसभा चुनाव हार गई।

- वेणुगोपाल केरल में पार्टी खेमेबाजी व अंतर विरोध को समेटने की कोशिश कर रहे हैं और वरिष्ठ नेताओं की आपसी रंजिश व मनमुटाव को समझाइश से बीच बचाव करके निपटाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।
- वेणुगोपाल के इन सभी प्रयत्नों का एक ही ध्येय है, आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो।
- पर, अहम् सवाल यह उठ रहा है कि ए.आई.सी.सी. में संगठन महासचिव वेणुगोपाल ने ये ही प्रयत्न महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली व बिहार में क्यों नहीं किए, जहाँ कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में हार का मुँह देखना पड़ा।
- शायद इन राज्यों में भी कांग्रेस की इतनी भारी हार नहीं होती, अगर संगठन महासचिव इन राज्यों में भी अपनी ''जॉब-प्रोफाइल'' के अनुरूप सक्रियता दिखाते।

क्या यह संगठन महासचिव के रूप में उनके कार्यक्षेत्र का हिस्सा नहीं था?

क्या इन राज्यों में गुटबाजी को सुलझाना उनकी जिम्मेदारी नहीं थी?

क्या नाराज वरिष्ठ नेताओं को मनाना उनका कर्तव्य नहीं था?

या फिर यह सुनिश्चित करना, कि कांग्रेस एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करे, उनकी भूमिका में शामिल नहीं था?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अपनी हार को समझौते का जामा पहनाने की कोशिश न करें'

ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के पन्द्रह सूत्री ''शांति प्रस्ताव'' की खिल्ली उड़ाई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मार्च। पश्चिम एशिया के युद्ध को समाप्त करने के लिए पंद्रह बिंदुओं की एक शांति योजना ईरान भेजी गई है, ताकि क्षेत्र में शत्रुता समाप्त हो सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि ईरान जल्द से जल्द शांति समझौते को अंतिम रूप देने के लिए उत्सुक है।

पाकिस्तान का कहना है कि उसने ट्रंप के पंद्रह बिंदुओं का एजेंडा ईरान तक पहुंचाया है, पर इज़रायल के अनुसार, ईरान द्वारा इसे स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है। ईरान ने युद्ध समाप्त करने के लिए मध्यस्थता के सभी प्रयासों को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि यह केवल ईरान की शर्तों पर होगा, अमेरिका की शर्तों पर नहीं।

पाकिस्तान ने युद्धरत पक्षों के बीच वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की है। तुर्की और मिस्र भी यह कह रहे हैं कि वे दोनों पक्षों के संपर्क में हैं और मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, ईरान ने कहा है कि जितनी अधिक बार यह गलत जानकारी दोहराई जाएगी कि ईरान शांति योजना के लिए विनती कर रहा है, उतना ही वह ऐसे प्रस्तावों के प्रति अधिक कठोर रुख अपनाएगा।

- ईरान ने यह भी कहा कि उसका अमेरिका से किसी भी तरह का सम्पर्क स्थापित नहीं हुआ है, साथ ही ईरान ने पुरजोर तरीके से दावा किया कि वह अमेरिका से किसी भी तरह की ''डील'' पर बातचीत नहीं करेगा।
- गौरतलब बात यह भी है कि अमेरिका के सैन्य सामान का काफी कुछ भंडार खत्म हो गया है, ईरान के साथ युद्ध में, और अमेरिका के युद्ध मामलों के सचिव (मंत्री) पीट हेगसेथ हथियारों के खत्म होते भण्डार को पुनः भरने के लिए हथियारों के प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।
- पर, विडम्बना यह है कि आधुनिक हथियारों के प्रोडक्शन के लिए सबसे ज्यादा जरूरत ''रेयर अर्थ मिनरल्स'' की होती है, जिसके लिए अमेरिका को चीन के सामने हाथ पसारने पड़ते हैं।
- ट्रंप को चीन पर यह निर्भरता कतई पसंद नहीं आ रही है और निर्भरता को खत्म करने के लिए निरंतर रास्ते ढूंढ रहे हैं। दूसरी ओर चीन ने अमेरिका को ''रेअर अर्थ मिनरल्स'' सप्लाई के बारे में अपने रवैये को और सख्त कर दिया है।

ट्रंप की शांति योजना में ईरान के परमाणु कार्यक्रम का पूर्ण खात्मा शामिल है, जिसमें यूरेनियम संवर्धन को छोड़ने का वचन, सभी परमाणु प्रतिष्ठानों को अन्तर्राष्ट्रीय निरीक्षण और आईईए (इंटरनैशनल एनर्जी एजेन्सी) द्वारा निगरानी के लिए खोलना, तथा आत्मरक्षा के सीमित उद्देश्यों को छोड़कर सभी मिसाइल उत्पादन और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान सिर्फ जेडी वैंस से बात करेगा

वॉशिंगटन, 25 मार्च। पश्चिम एशिया संकट के कूटनीतिक समाधान पर बातचीत चल रही है। इस बीच ईरान ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को साफ संकेत दिया है कि वह अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर के साथ दोबारा बातचीत

- अमेरिकन मीडिया संस्थान सीएनएन ने यह जानकारी दी और कहा इसकी वजह यह है कि वैंस शुरु से ही ईरान पर हमले के विरुद्ध है।

नहीं करना चाहता। इसके बजाय, तेहरान की प्राथमिकता अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत करने की है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया संस्थान सीएनएन ने दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का मानना है कि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर के साथ बातचीत विश्वास की कमी के कारण प्रभावी नहीं होगी। गौरतलब है कि अमेरिका के ईरान पर हमले से पहले स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर ही ईरानी सरकार के साथ बातचीत कर रहे थे और वह बातचीत विफल रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेडी वेंस युद्ध खत्म करने के समर्थक हैं और ऐसी रिपोर्ट्स आ चुकी हैं कि वेंस, ईरान पर हमले के पक्ष में नहीं थे। यही वजह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मॉल की बेसमैंट पार्किंग पर क्या यूडी टैक्स वसूल सकता है नगर निगम?

क्रिस्टल पाम के मालिकों ने नगर निगम द्वारा थमाए गए डिमांड नोटिस और यूडी टैक्स वसूली के नियम-कायदों को हाई कोर्ट में चुनौती दी

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 25 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट में जयपुर में 22 गोदाम सर्किल पर स्थित क्रिस्टल पाम मॉल के बेसमेंट में बनी पार्किंग का नगर निगम जयपुर द्वारा अरबरन डबलपमैंट (यूडी) टैक्स मांगे जाने को लेकर थमाए गए डिमांड नोटिस को मॉल के मालिक महिमा ग्रुप रियल एस्टेट प्रा. लि. ने चुनौती दी है। इस मामले में स्वायत्त शासन विभाग और नगर निगम के ज़ोन उपायुक्त को भी पक्षकार बनाया गया है।

इस मामले में कानूनी मुद्दा यह उठाया गया है कि मॉल की बेसमेंट पार्किंग, जो थर्ड पार्टी को संचालन के लिए दी जाती है, क्या वह कमर्शियल एक्टिविटी है और क्या उस पर यूडी टैक्स लागू किया जा सकता है?

मॉल मालिकों की ओर से नगर

- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि, मॉल्स में बेसमैंट पार्किंग आमजन की सुविधा के लिए होती है, यह कमर्शियल गतिविधि नहीं मानी जा सकती।
- वहीं, अदालत ने मॉल संचालकों को नगर निगम के कर निर्धारक अधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रखने को कहा है, अब इस प्रकरण में 27 मार्च को सुनवाई होगी।

निगम के उन नियम-कायदों को चुनौती दी गई है, जिनके जरिए जयपुर में बकाया यूडी टैक्स वसूला जा रहा है। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी. माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता फलक माथुर पैरवी के लिए पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि नगर निगम के सिविल लाइंस ज़ोन ऑफिस ने क्रिस्टल पाम मॉल की बेसमेंट पार्किंग को व्यवसायिक गतिविधि मानते हुए यूडी टैक्स चुकाने का नोटिस थमाया है। जिस नियम के अनुसार नगर निगम प्रशासन द्वारा यूडी टैक्स वसूला जा रहा है, उस नियम में इमारतों की बेसमेंट पार्किंग को ''कमर्शियल बिल्डिंग'' का हिस्सा नहीं माना गया है। इस पार्किंग की जगह पर व्यवसायिक गतिवधि नहीं होती, यह सुविधा क्षेत्र है, जो मॉल में आने वाले लोगों को पार्किंग की सुविधा मुहैया करवाने के लिए है।

उन्होंने कहा कि इस सुविधा क्षेत्र पर किसी व्यक्ति विशेष का मालिकाना हक नहीं होता, यह आमजन की पार्किंग सुविधा के लिए ही है। उन्होंने अदालत को बताया कि वे नगर निगम के कर निर्धारक को इस बारे में अपनी आपत्ति भी दर्ज करवा चुके हैं, लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई।

इस मामले में राजस्थान सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता जी.एस. गिल पैरवी के लिए पेश हुए थे। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि ऐसे ही मामले पर अदालत ने पूर्व में नगर निगम को आदेश दिए थे कि कर निर्धारण करने वाले ऑफिसर व्यापारियों की शिकायतों और आपत्तियों पर निष्पक्षता से उनका पक्ष सुनें। सभी तथ्यों को सुनने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है। -सुकरात

एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की सकारात्मक पहल

अमेरिका-इजरायल व ईरान के बीच युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की उपलब्धता की कमी का भ्रामक संदेश फैलाकर जिस तरह से देश और प्रदेश में प्रदर्शन और आमजन में भय का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है उसके बीच प्रदेश में किसी तरह का पैनीक हालात ना बने इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहल कर प्रदेशवासियों के बीच सकारात्मक संदेश दिया है। होता यह है कि जब देश में नकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास किया जाता है तो उसके पीछे जो ध्येय होता है व समाज के व्यापक हित में नहीं हो सकता। इसके साथ ही जनता भी समझदार होती है और नकारात्मक माहौल तैयार करने वाले तत्व जल्द ही बेनकाब हो जाते हैं। देश और प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी के प्रर्याप्त भण्डार उपलब्ध है और सरकार निरंतर आपूर्ति बनाये रखने के प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रोएक्टिव रोल निभाते हुए ना केवल हालात की समीक्षा की, अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिए अपितु प्रदेशवासियों को भी विश्वास दिलाने का सार्थक कदम उठाया जिससे इस तरह के मौकों का गलत लाभ उठाते हुए कालाबाजारी, जमाखोरी व इसी तरह के अन्य हथकण्डे अपनाने वालों पर सख्त कार्रवाई का संदेश दे दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि प्रदेश में किसी तरह की कोई कमी नहीं है इसलिए पैनीक होने की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही मुख्यसचिव वी. श्रीनिवास अपने अधिकारियों और जिलाधिकारियों से नियमित संवाद कायम कर व्यवस्था को चाकचोबंद किया जा रहा है। सबसे अधिक और महत्वपूर्ण कीसोशल मीडिया पर नजर रखने और भ्रांतियां फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दे दिए है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि युद्ध के हालात हमारी देन नहीं है। इसके साथ ही यह भी साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के अधिकांश देश एक-दूसरे पर निर्भर है। जहां तक कच्चे तेल, एलपीजी आदि की पूर्ति अधिकांश देशों द्वारा आयात करके ही की जाती है। हमारी भी बहुत कुछ स्थानीय मांग की पूर्ति आयात के माध्यम से ही होती है। ऐसे हालातों में भी केन्द्र सरकार की सराहना की जानी चाहिए कि हार्मुज जनडमरुमध्य के हालात आयात को प्रभावित करने के बावजूद कूटनीतिक प्रयासों से एलपीजी के मालवाहक जहाजों का आना शुरु हो चुका है। हांलाकि गैरजिम्मेदार लोगों ने एलपीजी के इन जहाजों को लेकर भी भ्रम फैलाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। वे यह भूल गए कि यह विश्वव्यापी संकट का दौर है और दुनिया का कोई भी देश इन हालातों से अछूता नहीं हैं। जिस तरह से आंदोलन-प्रदर्शन और व्यक्तव्यों के माध्यम से लोगों में कृत्रिम कमी का माहौल बनाया जा रहा है और कालाबाजारी व जमाखोरों को अवसर दिलाया जा रहा है उसे किसी भी हालत में उचित नहीं कहा जा सकता है। बल्कि ऐसा लगता है कि जैसे इस तरह के तत्वों के सामने संकट के दौर में जो नैतिकता और देश के प्रति दायित्व होना चाहिए, उसे भूल चुके हैं।

देश और प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी के प्रर्याप्त भण्डार उपलब्ध है और सरकार निरंतर आपूर्ति बनाये रखने के प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रोएक्टिव रोल निभाते हुए ना केवल हालात की समीक्षा की, अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिए अपितु प्रदेशवासियों को भी विश्वास दिलाने का सार्थक कदम उठाया जिससे इस तरह के मौकों का गलत लाभ उठाते हुए कालाबाजारी, जमाखोरी व इसी तरह के अन्य हथकण्डे अपनाने वालों पर सख्त कार्रवाई का संदेश दे दिया है।

भूलना नहीं चाहिए कि यह वहीं भारत देश है जब लाल बहादुर शास्त्री के समय अन्न संकट आया तो एक आह्वान पर छोटे बड़े सभी ने एक दिन सोमवार का व्रत रखना आरंभ कर दिया। पुरानी पीढ़ी के कुछ लोग आज भी उस आह्वान के चलते आज भी सोमवार का व्रत करते हुए मिल जाएंगे। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 1971 के बांग्लादेश के युद्ध के समय समूचा देश इन्दिरा गांधी के साथ एक स्वर में स्वर मिला रहा था। आज पता नहीं ऐसे हालात कैसे होने लगे हैं कि ऑपरेशन सिन्दुर या अन्य सैन्य गतिविधियों पर भी प्रश्न उठाये जाने लगे हैं। संभवत: दुनिया के किसी भी देश में इस तरह की बात नहीं होती होगी।

जहां तक एलपीजी की बात है तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक समय था जब एलपीजी कनेक्शन के लिए वर्षों इंतजार करना पड़ता था। सामान्य परिस्थितियों में भी सिलेण्डर प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से भी दो चार होना पड़ता था। धरातल पर देखेंगे तो हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज 31.3 मिलियन टन एलपीजी गैस की खपत है। देश में 31 करोड़ सक्रिय एलपीजी धरेलू कनेक्शन है। समूचे देश की बात की जाए तो प्रतिदिन ओसतन 50 से 60 लाख एलपीजी सिलेण्डर की आवश्यकता होती है। ऐसे में मांग और आपूर्ति बनाये रखना अपने आप में दुश्वर है पर हालिया संकट को अलग कर दिया जाए तो पिछले कुछ सालों से एलपीजी या पेट्रोल आदि को लेकर देश में किसी तरह का संकट देखने को नहीं मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा नियमित क्लोज मोनेटरिंग का ही परिणाम है कि प्रदेशवासियों में विश्वास बना है। गैस की बुकिंग से लेकर उपलब्धता को लेकर सारे संदेहों को दूर किया गया है। वितरण व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है और गैस एजेन्सियों व अन्य असामाजिक तत्वों पर क़ड़ी नजर रखी जा रही है। शादी-विवाह जैसे आयोजनों के लिए भी उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है वहीं अफवाहों और फर्जी खबरों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

सवाल साफ है कि विपरीत हालातों या यों कहें कि आपातकालीन हालातों में पूरे देशवासियों को एक होने की आवश्यकता व समस्या के समाधान में सहभागीय बनने की आवश्यकता होती है पर ऐसे समय में भी गैरजिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार निश्चित रुप से नहीं होना चाहिए। आखिर हम इस समाज के ही तत्व है। हमारे हित और समाज के हित एक है। केवल विरोध के नाम पर विरोध किसी भी हालत में उचित नहीं माना जा सकता। खैर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवदेनशीलता और उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने की सराहना की जानी चाहिए। सरकारी और गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आकर देशहित में एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी चाहिए।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 26 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, आद्रा नक्षत्र सायं 4:19 तक, शोभन योग रात्रि 12:32 तक, बव करण दिन 11:49 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग सायं 4:19 से आरम्भ होगा। आज मंगल उदय पूर्व दिन 2:06 पर होगा। आज दुर्गाष्टमी, महाअष्टमी, अशोकाष्टमी है। आज श्री रामनवमी, अन्नपूर्णा पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:00 तक, चर 11:02 से 12:33 तक, लाभ अमृत 12:33 से 3:35 तक, शुभ 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 6:37

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में यात्रा संभव है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा, धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आज परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मानसिक तनाव दूर होने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला

आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज धार्मिक कार्यों में समय व्यतीत हो सकता है।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वाल्मीकीय रामायण में शासन प्रबंधन के सूत्र

रामनवमी विशेष.......

राजेश्वर सिंह

महाराज दशरथ द्वारा भरत को अयोध्या का राज्य तथा श्रीराम को चौदह वर्ष का वनवास दिए जाने के फलस्वरूप श्रीराम चित्रकूट में निवासरत थे। उन्हें वापस अयोध्या लाकर राज्याभिषक्त करने के लिए भरत ने सपरिवार, सकर्मिवृन्द, सनागरिक व ससैन्य चित्रकूट की यात्रा की। भरत व श्रीराम की मुलाकात के समय श्रीराम द्वारा गुरुजनों, परिवार, मन्त्रिगण, सेना, कोष, प्रजा, कृषि, वाणिज्य इत्यादि के संबंध में भरत से कतिपय प्रश्न किये गये। इन प्रश्नों की प्रकृति तथा इनमें निहित गूढ़ मन्तव्यों में ही श्रीराम का शासनादर्श स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है।

सर्वप्रथम श्रीराम भरत से मन्त्रिपरिषद के सदस्यों के व्यक्तिगत व व्यावसायिक गुणों के संबंध में पूछते हैं कि क्या भरत द्वारा नियुक्त मन्त्रिगण शूरवीर, शास्त्रज्ञ, जितेन्द्रिय तथा बाहरी चेष्टाओं से ही मन की बात समझ लेने वाले सुयोग्य व्यक्ति हैं? श्रीराम कहते हैं कि अच्छी मन्त्रणा ही राजा की सफलता का मूल कारण है। वह भी तभी सफल होती है, जब नीतिशास्त्र निपुण अमात्य उसे सर्वथा गुप्त रखें। राजा को किसी भी गूढ़ विषय पर न तो अकेले विचार करना चाहिए और न ही बहुत लोगों के साथ बैठकर मन्त्रणा करनी चाहिए। राजा के मन्त्रियों में यदि एक भी मेधावी, शूरवीर, चतुर एवं नीतिज्ञ हो तो वह राजा को बहुत बड़ी सफलता की प्राप्ति करा सकता है।

श्रीराम प्रधान, मध्यम एवं निम्न पदों पर कर्मियों को योग्यतानुसार नियुक्त करने की बात कहते हैं, साथ ही अत्यधिक कठोर दण्ड तथा अत्यधिक कठोर करारोपण का निषेध करते हैं। इसके अलावा वह कार्मिकों को निर्धारित किया हुआ समुचित वेतन व भत्ता भी समय पर देने की बात करते हैं ताकि असंतोष व्याप्त न हो और अनिष्ट कारित न हो। श्री राम स्वपक्ष व शत्रु पक्ष के अधिकारियों व कर्मचारियों की गतिविधियों पर दृष्टि रखने के लिए गुप्तचर व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की बात भी कहते हैं।

श्रीराम कृषि तथा व्यापार से आजीविका चलाने वाले लोगों की कुशलता की जानकारी भी प्राप्त करते हैं क्योंकि उनके मतानुसार कृषि व व्यापार की उन्नति ही सम्पूर्ण राज्य के सुख एवं उन्नित की कारक है। श्रीराम राज्य की आय के संबंध में भी जानकारी प्राप्त करते हैं तथा यह मत भी व्यक्त करते हैं कि राज्य की आय अधिक व व्यय कम होना चाहिए। दण्ड विधान के संबंध में श्रीराम का मत यह है कि दोषारोपित व्यक्ति के संबंध में शास्त्रज्ञान में कुशल विद्वानों द्वारा समुचित विचार-विमर्श के उपरान्त ही दण्ड का निर्धारण होना चाहिए। श्रेष्ठ, निर्दोष और शुद्धात्मा को दण्ड नहीं मिलना चाहिए तथा दोषसिद्ध को अवश्य दण्ड मिलना चाहिए। धनी व निर्धन के बीच में विवाद हो तो भी निष्पक्ष व निर्दोष न्याय किया जाना चाहिए।

उक्त प्रसंग में ही श्रीराम ने राजाओं के चौदह दोष भी गिनाए हैं, और भरत को उक्त चौदह दोषों से दूर रहने के लिए कहा है। उक्त चौदह दोष निम्नानुसार हैं- नास्तिकता, असत्य भाषण, क्रोध, प्रमाद, दीर्घसूत्रता, ज्ञानी पुरुषों का संग न करना, आलस्य, नेत्र आदि पाँचों इन्द्रियों के वशीभूत होना, राजकार्य के विषय में अकेले ही विचार करना, प्रयोजन को न समझने वाले विपरीतदर्शी मूर्खों से सलाह लेना, निश्चित किए हुए कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ न करना, गुप्त मंत्रणाओं को सुरक्षित न रखकर प्रकट कर देना, मांगलिक आदि कार्यों का अनुष्ठान न करना तथा सभी शत्रुओं पर एक साथ चढ़ाई कर देना।

उक्त प्रसंग में ही श्री राम कामजनित दश दोषों यथा आखेट, जुआ, दिन मे सोना, दूसरों की निंदा करना स्त्री में आसक्त होना, मद्यपान, नाचना, गाना, बाजा बजाना और व्यर्थ घूमना इत्यादि को राजा के लिए त्याज्य बताते हैं। राजा, मंत्री, राष्ट्र, किला, कोष, सेना व मित्र वर्ग को श्रीराम सप्तवर्ग कहते हैं और इन्हें राज्य का अनिवार्य अंग मानते हुए इन पर निरन्तर ध्यान देने के लिए कहते हैं।

इसी प्रकार खेती की उन्नित करना, व्यापार को बढ़ाना, दुर्ग बनाना, पुल निर्माण करना, जंगल से हाथी पकड़कर मंगवाना, खानों पर अधिकार प्राप्त करना, अधीन राजाओं से कर प्राप्त करना और निर्जन क्षेत्र को आबाद करना राजा के लिए उपादेय आठ गुण हैं, जिन्हें श्रीराम अष्टवर्ग कहते हैं और भरत से इनकी पालना के लिए कहते हैं। आग लगना, बाढ़ आना, बीमारी फैलना, अकाल पड़ना और महामारी का प्रकोप होने को श्रीराम दैवीबाधा कहते हैं, और राज्य के अधिकारियों, चोरों, शत्रुओं, राजा के प्रिय व्यक्तियों व स्वयं राजा के लोभ से जो भय व्याप्त होता है उसे मानव निर्मित बाधा कहते हैं । इन दोनों तरह की बाधाओं का मुकाबला राजा को सतर्कता व युक्तिपूर्वक करना चाहिए। राष्ट्र की सुरक्षा में विदेश नीति के संबंध में श्रीराम द्वारा भरत को दिया गया उपदेश भी सार्वकालिक दृष्टि से समीचीन प्रतीत होता है। संधि, विग्रह, यान, आसन, द्वैधीभाव व समाश्रय राष्ट्र रक्षा नीति व विदेश नीति के आवश्यक अंग हैं । इनमें शत्रु से मेल रखना सन्धि, उससे लड़ाई छेड़ना विग्रह, आक्रमण करना, यान, अवसर की प्रतीक्षा में बैठे रहना आसन, दुरंगी नीति बरतना द्वैधीभाव और अपने से बलवान राजा की शरण लेना समाश्रय कहलाता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि श्रीराम के द्वारा उपदिष्ट शासन प्रबंधन के उपर्युक्त सूत्र समकालीन परिप्रेक्ष्य में भी पूर्णतया प्रासंगिक व सुसंगत हैं। इन सूत्रों का विस्तार, व्यापकता गूढ़ता, गहनता व इनमें सन्निहित राष्ट्र व जन की सुरक्षा, संरक्षा व कल्याण की उदात्त भावना व पवित्र उद्देश्य सर्वथा आश्चर्यचकित कर देने वाला है। शासक वर्ग को आत्मोन्मुख होकर सदा सर्वदा इन प्रश्नों का उत्तरदायी होने का प्रयास करना चाहिए ताकि उन्हें यह पता चल सके कि उनका शासन तंत्र योग्यता, निष्पक्षता, नियमबद्धता, न्याय, जनकल्याण तथा सर्वतोमुखी विकास की शाश्ववत व सनातन कसौटियों पर खरा उतरने में सक्षम है अथवा नहीं? श्रीराम के ये प्रश्न राजनीति शास्त्र व लोकप्रशासन की अमूल्य धरोहर हैं और इनके उत्तर में ही राम राज्य की सम्पूर्ण संकल्पना सन्निहित है।

-राजेश्वर सिंह,
राज्य निर्वाचन आयुक्त,
राजस्थान

वैश्विक तनाव के दौर में भारत की संतुलित विदेश नीति

मदन प्रजापत

आज की दुनिया तेजी से बदल रही है और वैश्विक राजनीति पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई है। अलग-अलग देशों के बीच संघर्ष, युद्ध और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में बढ़ते संघर्ष, अमेरिका और चीन के बीच शक्ति संतुलन की प्रतिस्पर्धा और हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया को अस्थिर बना दिया है। इन परिस्थितियों में लगभग हर देश किसी न किसी पक्ष के साथ खड़ा दिखाई देता है। लेकिन भारत एक अलग और संतुलित नीति अपनाते हुए लगभग सभी देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। यही भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता है।

भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत संतुलन और रणनीतिक स्वायत्तता है। इसका अर्थ है कि भारत किसी एक शक्ति-गुट के साथ पूरी तरह जुड़ने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्र निर्णय लेता है। यह नीति नई नहीं है। आज़ादी के बाद से ही भारत ने गुटनिरपेक्षता (-) की नीति अपनाई थी। उस समय शीत युद्ध के दौरान दुनिया दो बड़े गुटों-अमेरिका और सोवियत संघ-में बंटी हुई थी, लेकिन भारत ने दोनों के साथ संबंध बनाए रखे। आज भी वही सोच आधुनिक रूप में दिखाई देती है।

हाल के वर्षों में दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष बढ़े हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका एक बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए, जबकि कई देशों को यह तय करना पड़ा कि वे किस पक्ष का समर्थन करें। भारत ने इस स्थिति में संतुलित रुख अपनाया। भारत ने युद्ध को समाप्त करने और शांति वार्ता की आवश्यकता पर जोर दिया, लेकिन साथ ही रूस के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे रक्षा और ऊर्जा संबंधों को भी बनाए रखा। भारत के लिए रूस एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार रहा है, जबकि अमेरिका और यूरोपीय देश भारत के प्रमुख व्यापार और तकनीकी सहयोगी हैं। इसलिए भारत ने किसी एक पक्ष के साथ पूरी तरह खड़े होने के बजाय दोनों के साथ संवाद बनाए रखा। इसी तरह, मध्य-पूर्व में भी भारत की विदेश नीति संतुलित दिखाई देती है। भारत के संबंध सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इज़राइल और ईरान-सभी देशों के साथ अच्छे हैं। यह एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि मानी जाती है क्योंकि इन देशों के आपसी संबंध कई बार तनावपूर्ण रहे हैं।

हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। 2026 में अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा ईरान पर सैन्य हमलों के बाद क्षेत्र में संघर्ष तेज हो गया और ईरान ने जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इससे पूरे मध्य-पूर्व में अस्थिरता बढ़ गई। इस संघर्ष का असर केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ दुनिया के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है। इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हुई और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई।

ऐसे तनावपूर्ण माहौल में भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अमेरिका और ईरान दोनों के साथ अपने संबंध बनाए रखे। अमेरिका भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक साझेदार है, जबकि ईरान भारत के लिए ऊर्जा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा है। इसलिए भारत लगातार शांति, संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान की बात करता रहा है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। चीन एशिया और वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जबकि अमेरिका इसे संतुलित करने के लिए कई रणनीतिक कदम उठा रहा है। भारत इस परिस्थिति में भी संतुलन की नीति अपनाता है। भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग करता है, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन के साथ भी मौजूद रहता है, जैसे ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन।

भारत की विदेश नीति का एक और महत्वपूर्ण पहलू है बहुपक्षीय सहयोग। भारत संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाता है। हाल के वर्षों में भारत ने विशेष रूप से विकासशील देशों यानी ग्लोबल साउथ की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत भी उसकी विदेश नीति को मजबूत बनाती है। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के कारण आज भारत वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। व्यापार, निवेश, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत कई देशों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। इसके साथ ही भारत की मानवीय और सांस्कृतिक छवि भी उसकी विदेश नीति को मजबूत बनाती है। भारत हमेशा शांति, सह-अस्तित्व और सहयोग की बात करता रहा है। संकट के समय कई देशों को भारत ने सहायता भी प्रदान की है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत द्वारा कई देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराना इसका एक उदाहरण है। हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ती सैन्य प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अनिश्चितता और तकनीकी प्रतिस्पर्धा भविष्य में और जटिल परिस्थितियां पैदा कर सकती हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और एशिया में बढ़ते तनाव जैसे मुद्दे आने वाले समय में वैश्विक राजनीति को प्रभावित करते रहेंगे। इन सबके बीच भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा लक्ष्य यही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए दुनिया के विभिन्न देशों के साथ संतुलित और सहयोगात्मक संबंध बनाए रखे।

अंत में यह कहा जा सकता है कि आज जब दुनिया कई संघर्षों और विभाजनों से गुजर रही है, तब भारत ने एक ऐसा रास्ता चुना है जो संवाद, संतुलन और कूटनीति पर आधारित है। यही कारण है कि भारत आज लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। भविष्य में भी यदि भारत इसी संतुलित और दूरदर्शी नीति को जारी रखता है, तो वह न केवल अपने हितों की रक्षा करेगा बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

-मदन प्रजापत,
(भाजपा प्रदेश प्रवक्ता)

अतीत, वर्तमान और भविष्य को साथ लेकर चलने का उत्सव बना "राजस्थान दिवस"

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से प्रदेश की विरासत, अवसरों एवं संभावनाओं का परिचायक बना आयोजन

हेमेन्द्र सिंह

भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नववर्ष के साथ ही नव चेतना एवं नव आरंभ का प्रतीक माना जाता है। इसी पावन बेला पर रेवती नक्षत्र एवं इंद्रयोग में 30 मार्च, 1949 को देश के पहले गृहमंत्री लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता से नए राजस्थान की सुदृढ़ नींव रखी गई। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष 2025 में इस गौरवशाली परंपरा को पुनर्थापित करते हुए 30 मार्च के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाए जाने की शुरूआत की।

राजस्थान ने इस बार नव संवत्सर वि.सं. 2083 की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च) को प्रदेश की विरासत, अवसर एवं संभावनाओं के परिचायक के रूप में अपना स्थापना दिवस मनाया। राज्य सरकार द्वारा इस विशेष दिवस के उपलक्ष्य में 14 से 19 मार्च तक आयोजित कार्यक्रमों ने एक ओर जहां प्रदेश के गौरवशाली अतीत को प्रभावी ढंग से संरक्षित और पुनर्स्थापित करने का काम किया, वहीं दूसरी ओर जनकल्याणकारी कार्यों से खुशहाल वर्तमान एवं सुनहरे भविष्य के प्रति आश्वस्त भी किया।

अतीत: जड़ों से जुड़ाव, परंपरा एवं संस्कृति की सशक्त अभिव्यक्ति : राजस्थान दिवस 2026 के आयोजनों में प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को केंद्र में रखते हुए परंपरा को नए संदर्भों में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 मार्च को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में 'राजस्थान उत्सव 2026' का शुभारंभ किया। इस आयोजन ने प्रदेश की लोककला, हस्तशिल्प, लोक संगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक व्यंजनों की समृद्ध झलक को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। वहीं, 19 मार्च को आयोजित राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय भव्य सांस्कृतिक संध्या इस विरासत का चरम रूप रही, जहां लोक कलाकारों ने राजस्थान की जीवंत परंपराओं को साकार किया।

राजस्थान दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति में जयपुर के गोविंददेव जी मंदिर में आयोजित महाआरती और प्रदेशभर के राजकीय मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक ने प्रदेशवासियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम किया। इसी तरह ज्ञान, तकनीक और नवाचार पर आधारित राजस्थान को जानें डिजिटल क्विज के माध्यम से युवाओं एवं नागरिकों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास एवं कला-संस्कृति से रूबरू होने का अवसर मिला।

वर्तमान: सामाजिक सरोकार, सुशासन और समावेशी विकास को नई दिशा : राज्य सरकार ने इन कार्यक्रमों में सामाजिक सरोकारों के साथ ही वर्तमान की दृष्टि से जनकल्याण, सुशासन और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी। मुख्यमंत्री ने 14 मार्च को स्वच्छता संकल्प एवं जागरूकता कार्यक्रम में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा 15 मार्च को राज्य स्तरीय 'विकसित राजस्थान रन-2026' में सहभागिता कर युवाओं को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन शैली अपनाने का आव्हान किया। इसी कड़ी में 16 मार्च को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में मनाए गए राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनजातीय क्षेत्रों को 1 हजार 902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास की सौगात दी। वहीं, उन्होंने 19 मार्च को राजस्थान रोडवेज की 207 नवीन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भविष्य: नव शक्ति, निवेश एवं नवाचार की आधारशिला

भविष्य के कर्णधार युवाओं को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए राज्य सरकार ने 17 मार्च को राजस्थान युवा शक्ति दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और खेल से जुड़े 485 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने 403 स्टार्टअप्स को वायबिलिटी गैप का 1 हजार 145 लाख रुपये का फंड का वितरण किया तथा 9 हजार 432 युवाओं को कौशल उन्नयन प्रमाण पत्र भी सौंपे। राजस्थान को औद्योगिक और तकनीकी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री ने 18 मार्च को उद्यमी संवाद समारोह में इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस और राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी का अनावरण किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से रीको औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े 119 करोड़ रुपये लागत के 40 कार्यों का लोकार्पण और 226 करोड़ रुपये के 46 कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार और विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा जोधपुर-पाली-मारवाड़ और बूढ़ी बावल औद्योगिक क्षेत्रों के आरक्षण पत्र सहित लीज डीड और अलॉटमेंट लेटर भी प्रदान किए गए। शर्मा ने राजस्थान दिवस के अवसर पर 19 मार्च को नई पहल करते हुए 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान' का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों के विकास के लिए स्थानीय लोगों से सुझाव लेते हुए भविष्य की आवश्यकता के अनुसार मास्टर प्लान तैयार करना है, जो कि विकास की अवधारणा को विकेंद्रीकृत, जन सहभागिता और साक्ष्य-आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन आयोजनों की श्रृंखला में राज्य सरकार ने प्रदेश की समृद्ध विरासत को सहेजते हुए विकास यात्रा को गति दी और युवा शक्ति के माध्यम से भविष्य के सशक्त राजस्थान का स्पष्ट खाका प्रस्तुत किया। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि भविष्य का नया राजस्थान अपनी संस्कृति एवं परंपराओं पर गर्व की अनुभूति करने के साथ ही आधुनिक तकनीक, निवेश, कौशल और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर एवं विकसित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है।

-हेमेन्द्र सिंह,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी,
डीआईपीआर

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 से राजस्थान में बनेगा बेहतर ईको-सिस्टम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में औद्योगिक विकास को मिली नई गति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति मिली है। राज्य सरकार द्वारा 34 से अधिक नीतियां लागू की गई हैं, जिससे प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर ईको-सिस्टम बन रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, अनुमोदन प्रक्रिया का सरलीकरण जैसे विभिन्न निर्णयों से प्रदेश का उद्योगिक परिदृश्य बदला है। इसी क्रम में सरकार द्वारा राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाई गई है, जिससे विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास होगा तथा राजस्थान देश-विदेश में विश्वसनीय एवं फ्यूचर रैडी इंडस्ट्रियल डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित होगा।

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राइजिंग, रिलायबल एण्ड रिसेप्टिव राजस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास है। साथ ही, ये नीति मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी पूरा करने में मददगार साबित होगी।

इस नीति के तहत विश्वस्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास, भूमि-जल-ऊर्जा संसाधनों का वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग तथा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

लॉजिस्टिक्स सुविधाएं को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास भी सुनिश्चित होगा।

इस नीति के अंतर्गत निजी क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों को चार विकास मॉडलों पर विकसित किया जाएगा। मॉडल-ए में रीको द्वारा आवंटित भूमि पर पूरी तरह निजी डवलपर द्वारा विकास किया जाएगा। वहीं, मॉडल-बी के अंतर्गत औद्योगिक पार्क के लिए 80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा एवं शेष 20 प्रतिशत भूमि

- **प्रदेश में बनेंगे औद्योगिक पार्क, बढ़ेगा निवेश-मिलेगा रोजगार : मुख्यमंत्री**

रीको द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसी तरह, मॉडल-सी के तहत पार्क के लिए संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था की जाएगी तथा मॉडल-डी पीपीपी मॉडल पर आधारित होगा।

नीति के तहत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के लिए कम से कम 50 एकड़ क्षेत्रफल तथा न्यूनतम 10 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होगी।

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति के तहत हरित विकास को बढ़ावा देने के साथ ही औद्योगिक प्रदूषण को भी कम किया जाएगा। इसके लिए सीईटीपी पर व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपये प्रति पार्क) का प्रावधान किया गया है।

इस नीति के तहत प्रथम 10 औद्योगिक पार्क डवलपर्स को सामान्य अवसंरचना विकास पर 20 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा। इसकी अधिकतम सीमा 100 एकड़ क्षेत्रफल तक 20 करोड़ रुपये, 100 से 250 एकड़ क्षेत्रफल पर 30 करोड़ तथा 250 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल के लिए 40 करोड़ रुपये होगी।

राज्य सरकार औद्योगिक बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस नीति में भी अवसंरचना के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा औद्योगिक पार्क तक जल एवं विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, औद्योगिक पार्क के निकटतम सड़क एवं सम्पर्क मार्ग का निर्माण करवाया जाएगा। इसके लिए 60 प्रतिशत राज्य सरकार एवं 40 प्रतिशत व्यय विकासकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा तथा इसमें राज्य सरकार का अधिकतम अंशदान 3 करोड़ रुपये तक होगा।

प्रदेश सरकार के पूर्ण पारदर्शी एवं जवाबदेही सुशासन के विजन का इस नीति में भी विशेष ध्यान रखा गया है। औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए प्रस्तावित भूमि की जानकारी राज निवेश पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इस पोर्टल पर सिंगल विंडो क्लीयरेंस के माध्यम से आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण हो सकेगा। नीति में कैप्टिव नवीकरणीय ऊर्जा पर 7 वर्ष तक 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट, स्टाम्प शुल्क एवं कन्वर्जन शुल्क में 25 प्रतिशत छूट तथा प्लग-एंड-प्ले ऑफिस कॉम्प्लेक्स एवं कॉमन यूटिलिटी सेंटर के लिए रिप्स-2024 के अंतर्गत अतिरिक्त प्रोत्साहन भी सम्मिलित हैं।

विकास सीतारामजी भाले ने की डेयरी विकास गतिविधियों की समीक्षा

नवाचारों और उपलब्धियों के लिये आरसीडीएफ के कार्यों को सराहा

जयपुर। पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, एवं गौपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव विकास सीतारामजी भाले ने सरस को राष्ट्रीय स्तर का ब्राण्ड बनाने के लिये किये जा रहे गम्भीर प्रयासों और डेयरी विकास के क्षेत्र में किये गये नवाचारों के लिये आरसीडीएफ प्रबन्धन की सराहना की है। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में आरसीडीएफ द्वारा अर्जित किये गये रिकार्ड टर्नओवर और 47 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक लाभ अर्जित करने के लिये आरसीडीएफ और जिला दुग्ध संघों की कार्य प्रणाली की भी प्रशंसा की है। उन्होंने आरसीडीएफ एवं जिला दुग्ध संघों को देशभर में डेयरी विकास के क्षेत्र में प्रतिष्ठित गोपाल रत्न अवार्ड और भारतीय सेना से मिले सम्मान पर प्रसन्ता व्यक्त की। वर्तमान में 45 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध संकलन के लिये बधाई देते हुए उन्होंने राज्यभर में कार्यशील समितियों की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जिससे अधिक से अधिक संख्या में दुग्ध उत्पादकों को डेयरी से जोड़ा जा सके। भाले बुधवार को जवाहर लाल नेहरु मार्ग स्थित सरस संकुल मुख्यालय में डेयरी फैडरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे।

उन्होंने गुणवत्ता नियन्त्रण के लिये एक राज्य स्तरीय क्वालिटी कंट्रोल

प्रमुख शासन सचिव विकास सीतारामजी भाले ने बुधवार को सरस संकुल मुख्यालय में डेयरी फैडरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

डेशबोर्ड बनाने का सुझाव दिया जिस पर राज्यभर की सहकारी डेयरियों के दूध और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता की मोनिटरिंग की जा सके।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता परीक्षणों के लिये अत्याधुनिक टैस्टिंग मशीन एवं उपकरण लगाये जाने चाहिये। उन्होंने कैमल मिल्क को पाउडर के रुप में विकसित करने और चिपलेट फोर्म में बटर के उत्पादन एवं विक्रय का भी सुझाव दिया।

आरसीडीएफ की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने भविष्य की योजनाओं पर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत प्रकाश डाला। भारद्वाज ने राज्यभर में दूध और दूध से बने उत्पादों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाये जा रहे अभियान "दूध का दूध-पानी का पानी" की सफलता पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि इस अभियान से राज्यभर में मिलावटी दूध पर प्रभावी अंकुश लगा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना और 1000 करोड़ रुपये के डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फण्ड जैसी योजनाओं से राज्य में डेयरी विकास को एक नई गति मिल रही है। सम्पूर्ण भारतवर्ष में पहली बार किसी राज्य में डेयरी विकास के लिये 1000 करोड़ रुपये का इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फण्ड बनाया गया है जिसे अब वर्ष 2026-27 के बजट में बढ़ाकर 2000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

15 साल के बाद राजस्थान यूनिवर्सिटी में हुई सीनेट बैठक में बड़े फैसलों पर मुहर लगी

25 अप्रैल को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में 2.71 लाख से ज्यादा उपाधियां वितरित की जाएंगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करीब 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद राजस्थान विश्वविद्यालय की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था "सीनेट" की वार्षिक बैठक बुधवार को आयोजित हुई। कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा की

- **महाराजा एवं महारानी कॉलेज की भूमि के गलत नामांतरण को सुधारने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई जारी है : कुलपति**

राजस्थान यूनिवर्सिटी में बुधवार को कुलपति प्रो.अल्पना कटेजा की अध्यक्षता में सीनेट की बैठक हुई।

अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शिक्षा, वित्त और प्रशासन से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में आगामी 25 अप्रैल को विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह को मंजूरी दी गई। इस समारोह में वर्ष 2024 तथा 2025 की विभिन्न परीक्षाओं की 2.71 लाख से ज्यादा उपाधियां, 300 पीएचडी तथा 1 डी.लिट उपाधि देने का अनुमोदन किया गया। सीनेट ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट को सर्वसम्मति से पारित किया, जिसमें शोध कार्यों को बढ़ावा देने और आधारभूत ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी गई।

बैठक में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत क्रेडिट फ्रेमवर्क और सेमेस्टर सिस्टम की प्रगति पर संतोष जताया गया।अकादमिक परिषद के फैसलों को मंजूरी देते हुए नेसकॉम, आरकेसीएल, एनआईए और आईआईएचएमआर जैसे संस्थानों के साथ हुए एमओयू, नए पाठ्यक्रम और बजट को स्वीकृति दी गई। कुलपति ने बताया कि महाराजा एवं महारानी कॉलेज की भूमि के गलत नामांतरण को सुधारने के लिए प्रशासनिक स्तर पर त्वरित कार्रवाई जारी है। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान कटौती के निर्णय को वापस लेने के प्रयास जारी है।

एससी, एसटी, ओबीसी और महिला विद्यार्थियों को दी जा रही फीस रियायत के पुनर्भरण के लिए भी सरकार से प्रक्रिया चल रही है। कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि "राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गौरवशाली इतिहास और नवाचार के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वित्तीय अनुशासन बनाए रखना है।' ज्ञात रहे कि पिछली सीनेट बैठक 25 अक्टूबर 2010 को हुई थी। अधिनियम के अनुसार यह बैठक हर वर्ष होना अनिवार्य है, लेकिन पिछले 15 साल तक यह बैठक नहीं हो पायी।

बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी दी

जयपुर। बनीपार्क क्षेत्र में कुख्यात गैंगस्टरों द्वारा एक बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी देने और रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर गैंगस्टर रोहित गोदारा, वीरेंद्र चारण और राहुल फतेहपुरिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कुचामन सिटी निवासी व्यापारी को पिछले डेढ़ महीने से मोबाइल फोन पर लगातार धमकी भरे कॉल आ रहे थे। करीब डेढ़ महीने पहले भी आरोपियों ने उसे कॉल कर जान से मारने की धमकी दी थी, जिसकी रिपोर्ट पीड़ित ने कुचामन सिटी थाने में दर्ज कराई थी। इसके बावजूद आरोपियों ने दोबारा कॉल कर रंगदारी मांगना शुरू कर दिया।

सलमान खान पर जमानती वारंट की तामील के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित करने के आदेश

जयपुर (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान के खिलाफ जारी जमानती वारंट की तामील के लिए पुलिस प्रशासन को विशेष टास्क फोर्स गठित करने के आदेश दिए हैं। आयोग ने कहा है कि यह टास्क फोर्स व्यक्तिगत रूप से मुंबई जाकर सलमान खान पर तृतीय जमानती वारंट की तामील कराएगी। आयोग ने चेताया कि वारंट की तामील में बाधा उत्पन्न कराई गई और आगामी सुनवाई 6 अप्रैल को सलमान खान और कंपनी के निदेशक पेश नहीं हुए तो उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाएगा। आयोग अध्यक्ष जीएल मीणा और सदस्य सुप्रिया अग्रवाल व अजय कुमार ने यह आदेश योगेन्द्र सिंह की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

आयोग ने अपने आदेश में कहा की सेलिब्रेटी स्टेट्स किसी भी व्यक्ति को कानून से ऊपर होने का अधिकार नहीं देता है। जमानती वारंटों की तामील नहीं होने देने से कानून का मखौल उड रहा है और उपभोक्ताओं का आयोगों से विश्वास डगमगाने लगा है। आयोग ने कहा कि सलमान खान के खिलाफ गत 15 जनवरी, 9 फरवरी और 16 मार्च को जमानती वारंट जारी किए गए थे। कंपनी के निदेशकों राकेश कुमार चौरसिया व दिनेश कुमार चौरसिया के खिलाफ 11 फरवरी को जमानती वारंट जारी हुए थे। इसके बावजूद भी सलमान खान की ओर से भ्रामक विज्ञापन पर रोक संबंधी अंतरिम आदेशों की निरंतर अवहेलना की जा रही है। गौरतलब है कि योगेन्द्र सिंह ने परिवाद पेश कर राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन पर पाबंदी लगाने की गुहार की है। परिवाद में कहा गया है कि इस उत्पाद को केसर युक्त बताया जा रहा है। जबकि इस कीमत में उत्पाद में केसर नहीं डाला जा सकता।

विपक्ष देशद्रोही सोच के साथ कर रहा है कार्य : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष द्वारा ईंधन और गैस की उपलब्धता को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार ने कहीं भी कमी की बात नहीं कही है। वैश्विक परिस्थितियों के कारण चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन सरकार सभी आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह अनावश्यक भय और अफरा-तफरी फैलाने का प्रयास कर रहा है, जिससे जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि भारत एक परिवार की तरह है और इस प्रकार की भ्रामक सूचनाएं फैलाना राष्ट्रहित में नहीं है। सभी राजनीतिक दलों को सहयोग की भावना से कार्य करना चाहिए ताकि देश के नागरिकों

- **यूसीसी से "एक देश, एक कानून" की भावना होगी मजबूत, समाज से भेदभाव मिटेगा : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष**

को किसी प्रकार की परेशानी न हो।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संसद में बहस और चर्चा के लिए निर्धारित प्रक्रियाएँ हैं। यदि विपक्ष वास्तव में बहस करना चाहता है तो उसे संसदीय परंपराओं का पालन करना चाहिए। केवल हंगामा और बयानबाजी करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा देशहित और सामाजिक समानता से जुड़ा हुआ विषय है। हमारे संविधान में भी समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया गया है तथा समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी विभिन्न मामलों में इसकी आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि देश में सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलें, विशेषकर महिलाओं को न्याय और सम्मान मिले, इसी उद्देश्य से यूसीसी लागू किया जाना आवश्यक है।

मदन राठौड़ ने कहा कि कुछ राज्यों द्वारा यूसीसी लागू करने की दिशा में पहल की जा रही है और यह स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि धीरे-धीरे पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू होगी, जिससे एक देश, एक कानून की भावना मजबूत होगी और समाज में भेदभाव समाप्त होगा।

हाईकोर्ट के सामने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण पर लगी यथास्थिति बरकरार

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा, "जवाब पेश करो वरना मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव हाजिर होकर जवाब दें'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट के सामने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण पर लगी यथास्थिति को बरकरार रखा है। इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव को कहा है कि उनकी ओर से यदि तीन सप्ताह में जवाब पेश नहीं किया जाता, तो वे 23 अप्रैल को अदालत में पेश होकर अपना जवाब दें। इसके साथ ही अदालत ने गोल्फ क्लब के कुछ सदस्यों की ओर से मामले में पक्षकार बनने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को निस्तारित करते हुए उन्हें इंटर विनर बनाया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने

- **अदालत ने गोल्फ क्लब के कुछ सदस्यों की ओर से मामले में पक्षकार बनने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को निस्तारित करते हुए उन्हें इंटर विनर बनाया है**

यह आदेश योगेश यादव की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज शर्मा ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। जिसका विरोध करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अभी तक अपना जवाब पेश नहीं किया है और ना ही मौका निरीक्षण रिपोर्ट दी गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मामला जनहित से जुड़ा है, ऐसे में कोई भी आकर अदालत में पक्ष रखता है तो उन्हें आपत्ति नहीं है। इस पर अदालत ने तीन सप्ताह में जवाब पेश नहीं होने पर मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव को हाजिर होने को कहा है।याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया की मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गत 14 सितंबर, 2023 को हाईकोर्ट के सामने पार्किंग बनाने के साथ ही गोल्फ क्लब के लिए भूतल सहित एक मंजिला इमारत बनाने का निर्णय लिया गया। निर्णय में माना गया कि पार्किंग के लिए मौजूदा निर्माण को तोड़ने के बदले यह निर्माण किया जाएगा। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि पूर्व का निर्माण ही अपने आप में अवैध था। करीब नौ साल पहले राज्य सरकार ने गोल्फ क्लब को यहां निर्माण करने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद निर्माण करने पर क्लब के खिलाफ कार्रवाई भी की गई थी। याचिका में यह भी कहा गया कि पूर्व के निर्णयों को दरकिनार कर अब यहां निर्माण की अनुमति दी गई है।

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण बीकानेर के "बॉल क्ले" व्यवसाय पर संकट

बीकानेर की क्ले खदानों से रोज 400 ट्रक निकलते थे, अब 50-60 ही गुजरात के मोरबी जा रहे हैं

- मोरबी में ईंधन के रूप में इस्तेमाल की जा रही गैस की किल्लत के कारण टाइल्स और सिरेमिक उत्पाद की करीब 600 फैक्ट्रियां बंद
- बीकानेर का क्ले व्यवसाय पूरी तरह लड़खड़ाया, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से करीब सात लाख लोगों पर रोजगार का संकट खड़ा हुआ

बीकानेर, (निसं)। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध ने बीकानेर के "बॉल क्ले" व्यवसाय पर संकट खड़ा कर दिया है। गुजरात के मोरबी में ईंधन के रूप में इस्तेमाल की जा रही गैस की किल्लत के कारण टाइल्स और सिरेमिक उत्पाद की करीब 600 फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं, जिससे वहां के व्यवसायियों ने ऑर्डर कैंसिल कर बीकानेर से क्ले मंगाना बंद कर दिया है। बीकानेर से रोजाना 400 ट्रक क्ले गुजरात जाते थे और अब 50-60 ही रह गए हैं।

टाइल्स और अन्य सिरेमिक उत्पाद के लिए सबसे जरूरी खनिज "बॉल क्ले" की बीकानेर में करीब 241 खानें हैं। यहां से हर साल 40 लाख टन क्ले गुजरात के सिरेमिक हब मोरबी भेजी जाती है, जहां टाइल्स और अन्य सिरेमिक उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इससे मोरबी में सालाना 60 हजार करोड़ रुपए का टर्नओवर होता है। पिछले 25 दिन से चल रहे युद्ध के कारण मोरबी में गैस की आपूर्ति बाधित हो गई। अब फैक्टरी मालिकों ने बीकानेर के खान मालिकों को माल भेजने से मना कर दिया है। अब 50-60 ट्रक ही मोरबी जा रहे हैं। ये गाड़ियां भी मोरबी में वे लोग मंगा रहे हैं, जिनकी फैक्ट्रियों में गैस का स्टॉक था। अगर युद्ध लंबा चला तो बीकानेर से क्ले का डिस्पैच पूरी तरह बंद हो जाएगा। बीकानेर का क्ले व्यवसाय पूरी तरह लड़खड़ा गया है। प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से करीब 7 लाख लोगों पर रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

देश में करीब सिरेमिक टाइल्स बनाने वाली 1000 इकाइयां हैं, जिनमें से अधिकांश गुजरात के मोरबी में ही हैं। करीब 25 इकाइयां राजस्थान सहित अन्य राज्यों में हैं। प्रत्येक इकाई रोजाना औसतन 20,000 वर्ग मी. टाइल्स का उत्पादन करती है। इसके लिए रोजाना 25 मीट्रिक टन पेट्रोलियम गैस की आवश्यकता होती है। आपूर्ति में रुकावट से उत्पादन की लागत बढ़ गई है। फैक्ट्रियां बंद होने से बड़ा आर्थिक और रोजगार संकट खड़ा हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय शिपिंग लागत में भारी वृद्धि हो गई है। डॉलर महंगा होने और ईंधन लागत बढ़ने से आयातित कच्चे माल महंगे हो गए हैं। सिरेमिक उत्पाद का 30 प्रतिशत निर्यात होता है।

क्ले व्यवसायी राजेश चूरा का कहना है कि हालात नहीं सुधरे तो जल्दी ही खानें बंद करने की नौबत आ जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो करीब 7 लाख लोग प्रभावित होंगे। क्ले की एक खान से कम से कम 3000 लोगों का रोजगार जुड़ा है। बीकानेर में 241 खानें हैं तो उनसे जुड़े लोगों के रोजगार पर संकट खड़ा हो जाएगा। मोरबी के जो फैक्टरी मालिक 50-60 गाड़ियां क्ले मंगा रहे हैं, वो भी जल्दी ही बंद कर देंगे।

मनोज एरवाड़ियां, सिरेमिक एसेसिएशन अध्यक्ष, मोरबी, गुजरात ने बताया कि मोरबी में टाइल्स और सिरेमिक की करीब 600 इकाइयां बंद कर दी गई हैं। जब तक गैस की किल्लत दूर नहीं हो जाती, इन्हें शुरू करना मुश्किल होगा। बीकानेर के क्ले व्यवसायियों को डिस्पैच रोक देने के लिए कहा गया है। जिन फैक्ट्रियों में गैस का स्टॉक है, केवल वही क्ले मंगा रहे हैं। गैस आपूर्ति शुरू सुचारू होने के बाद भी सिरेमिक व्यवसाय पटरी पर आने में 4-6 माह का समय लगेगा।

एमपी पुरोहित, खनि अभियंता, बीकानेर का कहना है कि रवन्ना और उत्पादन के आंकड़ों के मुताबिक क्ले का डिस्पैच सामान्य से कम होता जा रहा है। इसका बड़ा कारण मोरबी में सिरेमिक इकाइयों का बंद होना है।

युवती की संदिग्ध मौत, युवक हिरासत में

जोधपुर, (कासं)। शहर के एक होटल में मंगलवार को एक युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी, जिसका एमजीएच में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। संदेह है कि युवती से दुष्कर्म किए जाने से उसकी मौत हो गई। मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। पुलिस ने होटल में उसके साथ ठहरे युवक को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ जारी है। दोनों ग्रामीण परिवेश से है। मृतका के भाई की तरफ से दुष्कर्म और हत्या किए जाने की आशंका में केस दर्ज कराया गया है।

उदयमंदिर थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि मंगलवार को एक होटल में युवती संदिग्ध मौत की जानकारी पर पुलिस वहां पर पहुंची थी। शव को बाद में एमजीएच मोर्चरी में रखवाया गया, जिसका आज मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया।मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। मृतका के भाई ने एक युवक पर जोकि होटल में उसकी बहन के साथ रूका था, उस पर दुष्कर्म और हत्या की आशंका में रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी ने बताया कि संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

नापासर, (निसं)। रेलवे स्टेशन के पास बुधवार दोपहर अज्ञात व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला। उसे राजकीय चिकित्सालय नापासर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, करीब 50 वर्षीय यह व्यक्ति मुसाफिरखाने के सामने बेहोशी की हालत में पड़ा मिला था। आसपास के लोगों ने तुरंत नापासर पुलिस और एम्बुलेंस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर नापासर थाना पुलिस के ड्यूटी ऑफिसर रिखब दास मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई की।

राजस्थान सरकार

कार्यालय- राजकीय महाविद्यालय करौली (322241)

Email ID-pgcollogokarauil@gmail.com

क्रमांक-2025-26/519 दिनांक-16.03.2026

(E-tender NIB No. 02/2025-26)

Sealed Single Stage Two-envelopes and unconditional online Bids for Rate contract for upto 31.03.2027 provide "Un-Skilled, Semi-Skilled, Skilled And Highty sKilled manpower for Government College, Karuli are invited from interested bidders upto 27.03.2026 at 01.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal (http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 25 Lakh.

UBN NO. ECD2526SLOB00624

Principal
Government College, Karauli

DIPR/C/5759/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड रामगंज मण्डी (जिला कोटा)

क्रमांक-1349 दिनांक-18.03.2026

निविदा सूचना संख्या 23/2025-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक/भवन कार्यो के उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के "ए" "बी" "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा निम्न कार्यो की आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.diproline.org." "www.eproc.rajasthan.gov.in" तथा "www.pwd.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

1. PWD2526WSOB25949, 2. PWD2526WSOB25950, 3. PWD2526WSOB25951
4. PWD2526WSOB25952, 5. PWD2526WSOB25953

(आर.के.मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड रामगंज मण्डी

DIPR/C/5939/2026

पोकरण : सड़क दुर्घटना में दो की मौत, आठ घायल

चाचा गांव के नजदीक बोलेरो कैंपर अनियंत्रित होकर पलट गई

- सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

पोकरण, (निसं)। पोकरण के पास चाचा गांव के नजदीक बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में बोलेरो कैंपर अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहन में दस लोग सवार थे। घायलों में 4 महिलाएं, 3 पुरुष और 1 बच्चा शामिल हैं। हादसा सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने के प्रयास में हुआ, जिसमें तेज रफ्तार के चलते चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी पलट गई। हादसे में मृतकों की पहचान गोर्धन सिंह और गोपाल सिंह के रूप में हुई है। सभी घायल थईयात गांव के निवासी बताए जा रहे हैं, जो रामदेवरा से एक शोक सभा में शामिल होकर लौट रहे थे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निजी वाहनों और एम्बुलेंस के जरिए तुरंत पोकरण के उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को इलाज के लिए जोधपुर रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का उपचार पोकरण में जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक की मौत

कोटा, (निसं)। सिमलिया थाना इलाके में नहर निमार्ण कार्य के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटी खा गया। हादसे में घायल हुए चालक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश निवासी रामवीर कोटा में मजदूरी के लिये आया था। रामवीर ट्रैक्टर चालक था, जो सिमलिया क्षेत्र में चल रहे नहर निमार्ण में कार्य के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटी खा गया, जिसके नीचे दबने से चालक रामवीर गंभीर रूप से घायल हो गया। रामवीर को घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। सिमलिया थानाधिकारी नन्द सिंह ने बताया कि उत्तरप्रदेश निवासी रामवीर नहर निर्माण साईट पर ट्रैक्टर चलाने का काम करता था।, ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर पलट जाने से चालक उसके नीचे दब गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

श्रीगंगानगर में 'रेबीज' से डॉग के मालिक की मौत

दस दिन पहले कुत्ते (श्वान) की भी मौत हो गई थी, संपर्क में आने से युवक को भी रेबीज हो गया था

- युवक हवा-पानी से डरने लगा था, अस्पताल में भी आक्रामक हो गया

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां पालतू कुत्ते के काटने के बाद रेबीज से उसके मालिक की भी मौत हो गई। इससे 10 दिन पहले कुत्ते (श्वान) की भी मौत हो गई थी। युवक हवा, पानी से डरने लगा था। युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल लाया गया था, जहां वह असामान्य व्यवहार करने लगा, इसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर युवक के परिजनों को रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए हैं। बेड और स्ट्रेचर को भी बाहर निकाल कर रखा गया है।

जानकारी के अनुसार, श्रीगंगानगर के रहने वाले युवक ने घर में कुत्ता पाला हुआ था। कुत्ते को रेबीज था, इसके चलते उसके कुत्ते की 10 दिन पहले ही मौत हो गई थी। इसके संपर्क में आने से युवक को भी रेबीज हो गया। इसके बाद बुधवार को युवक की तबीयत बिगड़ने लगी। रेबीज के लक्षण नजर आने लगे और पागलों जैसी हरकतें, बेचैनी और असामान्य व्यवहार करने लगा। परिजन उसे श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल में ले गए। जानकारी के अनुसार, अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचते ही मरीज की हालत और बिगड़ गई। डॉक्टरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़ सहित आधा दर्जन डॉक्टरों ने मरीज को देखा, लेकिन रेबीज की आक्रामक स्टेज में इलाज संभव नहीं हो पाया। इमरजेंसी रूम में ही युवक की मौत हो गई।

पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़ ने बताया कि परिजनों ने बताया था कि ये हवा-पानी से डरने लगा था और आक्रामक भी हो गया था। मरीज के साथ आए परिजनों को तुरंत रेबीज बचाव इंजेक्शन लगाए गए हैं। इमरजेंसी कक्ष को हाइपो से साफ करवाया गया। बैड और स्ट्रेचर को बाहर निकालकर सैनिटाइज किया गया। शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। गुरुवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

राजस्थान सरकार

कार्यालय सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग जालोर

नर्मदा कॉलोनी, समाज कल्याण विभाग के पीछे जालोर (राज.). ई-मेल-dcpujalore@gmail.com

क्रंमाकः-जि.बा.सं.इ./ जालोर / 2025-26/733 दिनांकः-17.03.2026

ई-निविदा सूचना सं. 01/2025-26

कार्यालय सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एंव बाल अधिकारिता विभाग जालोर के अधीन संचालित चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 (24x7) सेवा के संचालन हेतु एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर मानव संसाधन (प्रोजेक्ट मेनेजमेंट यूनिट) उपलब्ध कराने हेतु ई-निविदा के माध्यम से पंजीकृत / रजिस्टर्ड संवेदक / बोलीदाताओं से निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र. स.	जॉब बेसिस पदो का विवरण	जॉब बेसिस पदों की संख्या	अनुमानित वार्षिक लागत	बोली प्रतिभूति राशि (रूपये में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये में)	ई- निविदा प्रकिया शुल्क (रूपये में)
1	2	3	4	5	6	7
1	project coordinator	01	20.88 लाख	41,760/-	500/-	500/-
2	counselor	01				
3	child helpline supervisors	03				
4	case worker	03				

NIB NO-CED2526A0114
UBN NO-CED2526SLOB00113

1	डाक्यूमेट डाउनलोड प्रारम्भ तिथि एवं समय	17.03.2026	सांय 5.00 बजे
2	बिड सबमिशन स्टार्ट तिथि एवं समय	17.03.2026	सांय 5.00 बजे
3	डाक्यूमेंट डाउनलोड की अंतिम तिथि एवं समय	27.03.2026	सांय 5.00 बजे
4	कार्यालय में प्रतिभूति राशि प्रोसेसिंग फीस एवं टेंडर फीस जमा कराने की अंतिम तिथि एवं समय	27.03.2026	सांय 5.00 बजे
5	बिड समिशन की अंतिम तिथि एवं समय	27.03.2026	सांय 5.00 बजे
6	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	27.03.2026	सांय 5.30 बजे
7	वित्तीय बिड खोलने की तिथि एवं समय	Will be intimte later to the Technically Qualified Bidders	

निविदा सबंधी विस्तृत सूचना दस्तावेज मय शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर व डाउनलोड की जा सकती है। निविदा https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन आमत्रित की जाती है।

देखी तकनीकी निविदा उन्ही निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निविदा प्रतिभूति राशि का मूल डिमाण्ड ड्राफ्ट जो की Assitant Director, District Child Protection Unit & child Emp. Department Jalore के नाम एव जालोर में देय हो कार्यालय में भौतिक रूप से जमा कराया जायेगा तथा निविदा प्रपत्र शुल्क ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500/- रूपये Assitant Director, District Child Protection Unit & child Emp. Department Jalore के नाम से एवं RISL ई निविदा प्रक्रिया शुल्क राशि ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500/- रूपयें Managing Director, RISL, Jaipur Payable at Jaipur के नाम से हो निर्धारित तिथी एवं समय तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दी गई होगी। यह निविदा निर्धारित तिथि व समय को जो निविदादाता उपस्थित होंगे, के समक्ष खोली जावेगी।

किसी बोली को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति को सम्पूर्ण अधिकार होगा। उक्त निविदा के अन्तर्गत चाहा गया कार्य पूर्णतः जॉब बेसिस आधार पर है और यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया जाता है कि उक्त जॉब बेसिस कार्य हेतु संवेदक द्वारा उपलब्ध करवाये जाने वाले जॉब बेसिस वर्कर भविष्य में स्थायीकरण / राज्य कर्मचारियों के समकक्ष वित्तीय अथवा अन्य परिलाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी आधार पर विधिक अथवा प्रशासनिक रूप से अधिकृत नहीं होगें। यदि इस संदर्भ में जॉब बेसिस वर्करों द्वारा उक्तानुसार अंकित निर्देश व स्पष्टीकरण के विपरित कोई मांग अथवा विधिक दावा किया जाता है, तो उनके द्वारा किया जाने वाला ऐसा प्रयास अन्यथा प्रयोजनवश माना जाकर गैरकानूनी होगा और इसके लिए संबंधित संवेदक/फर्म/एजेंसी ही उत्तरदायी होगी, यह कार्यालय/विभाग किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं होगा। तकनीकी एंव वित्तीय निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होने/घोषित होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जावेगी।

सहायक निदेशक
जिला बाल संरक्षण ईकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग जालोर

DIPR/C/5867/2026

श्रीगंगानगर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

कोलकाता के एक गलत एड्रेस से डाक के जरिए भेजे गए अज्ञात पत्र में चेतावनी दी गई थी

- बीकानेर से बम निरोधक दस्ता कोर्ट पहुंचा और पूरे परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी
- बम निरोधक दस्ते की क्लियरेंस मिलने के बाद ही कोर्ट में कामकाज शुरू हो पाया

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर मं कोर्ट कैंपस को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। कोलकाता के एक गलत एड्रेस से डाक के जरिए भेजे गए अज्ञात पत्र में कोर्ट को उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। बुधवार सुबह बीकानेर से बम निरोधक दस्ता कोर्ट पहुंच गया और पूरे परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई। एसपी समेत पुलिस जाब्ता भी मौके पर पहुंचा। डॉग स्क्वाड और बम निरोधक टीम ने कोर्ट के चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली। सी और डी ब्लॉक के चैंबर, न्यायिक अधिकारियों के कक्ष समेत पूरे परिसर की जांच की गई। बम निरोधक दस्ते की क्लियरेंस मिलने के बाद ही कोर्ट में कामकाज शुरू हो पाया। पत्र भेजने वाले का पता लगाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। कोलकाता के एड्रेस का इस्तेमाल कर भेजे गए धमकी भरे पत्र की ट्रेसिंग के लिए सायबर सेल और पोस्टल विभाग की मदद ली जा रही है। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई है। कोर्ट परिसर में एंट्री और मोर्चा जांच कड़ी कर दी गई है। अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, 15 दिन पहले यानी 10 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे श्रीगंगानगर के पासपोर्ट ऑफिस (पोस्ट ऑफिस परिसर में स्थित) को भी बम से उड़ाने की ई-मेल धमकी मिली थी। उस समय भी बीकानेर से बम निरोधक दस्ता बुलाया गया और पूरे परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद अगले दिन ऑफिस ने सामान्य कामकाज शुरू कर दिया।

महिला और किशोरी ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के मथानिया और सदर कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला और किशोरी ने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। संबंधित थाना पुलिस ने परिजन की तरफ से दर्ज कराई मर्ग रिपोर्ट पर कार्रवाई की और शव सुपुर्द किए। वहीं पुलिस ने मामले को लेकर जांच शुरु कर दी है।

मथानिया पुलिस ने बताया कि बिंजवाड़ियां की रहने वाली 28 वर्षीय भावना पत्नी टीकमराम माली ने अपने घर में फंदा लगा लिया। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। रिश्तेदार बस्सीनगर बड़ला बासनी ओसियां निवासी प्रेमाराम पुत्र कुंभाराम माली ने मर्ग में रिपोर्ट दी। दूसरी तरफ से सदर कोतवाली पुलिस ने बताया कि भीतरी क्षेत्र नया बास रामदेव की गली में रहने वाली 16 साल की किशोरी ने भी अपने घर में फंदा लगा लिया। पता लगने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। उसके रिश्तेदार ने मर्ग रिपोर्ट दी।

जोधपुर में सूने घर से जेवर व सामान चोरी

परिवार शादी समारोह में गांव गया हुआ था, पड़ौसी ने सूचना दी

- दो किलो चांदी के आभूषण, चार तोला सोने के जेवर और चांदी के बर्तन चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर की पुरानी आशापूर्णा टाउनशिप में एक सूने घर में चोरों ने सैंध लगाकर वहां से दो किलो चांदी के आभूषण, बर्तन के साथ सोने के आइटम चोरी कर ले गए। परिवार के लोग सीकर अपने गांव शादी समारोह में गए हुए थे। पड़ौसी ने घर के ताले टूटने की जानकारी दी। इस पर वे जोधपुर लौटे और अब एयरपोर्ट थाने में चोरी की रिपोर्ट दी है।

एएसआई भंवराराम ने बताया कि पुरानी आशापूर्णा टाउनशिप, शिकारगढ़ निवासी अक्षय प्रताप सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि वह परिवार सहित अपने गांव सीकर गया हुआ था, परिवार में शादी समारोह के चलते घर तकरीबन पांच-सात दिन से सूना था। इस बीच पड़ौसी ने सूचना दी कि घर के ताले टूटे पड़े है। यहां आने पर पता लगा कि चोरों ने सारा सामान बिखेर दिया और अलमारी बक्सों के ताले तोड़कर वहां से करीबन दो किलो चांदी के आभूषण, चार तोला सोने के जेवर और चांदी के बर्तन चोरी कर ले गए। चोरी हुए सामान में चांदी के बर्तन जैसे प्लेटें, कटोरी, गिलास, चम्मच के अलावा सोने की अंगूठी, चेन, ब्रेसलेट और चांदी की मूठ वाली तलवार शामिल है। एएसआई भंवरराम ने बताया कि परिवादी के पिता प्रोपर्टी का काम करते थे। परिवादी खुद पढ़ाई करता है, उसकी तरफ से मामला दर्ज कराया गया है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32(B) (After Policy 2026-27)/EX/L/2026-06481-9018219/803

दिनांक-25.03.2026

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा कमांक प.4 (1) वित्त/आब/2026 दिनांक 27 जनवरी, 2026 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधानानुसार नवीनीकरण से शेष रहे मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	28-03-2026	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रकियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रु. 10,000 के गुणांक मे बढाकर बोली लगानी होगी।
4. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस / पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
5. कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
6. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेंगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नही ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
7. प्रत्येक कलस्टर के लिये ऑनलाईन निलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी।
8. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
9. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
10. वर्ष 2026-27 के पात्र अनुज्ञधारियों को वर्ष कमशः 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तों पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
11. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
12. मदिरा कलस्टर के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
13. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।

आबकारी आयुक्त, उदयपुर

DIPR/C/___/2026

उदयपुर के भल्लों का गुडा में पिंजरे में कैद हुआ लैपर्ड

कई दिनों से लैपर्ड पशुओं का शिकार कर रहा था

- वन विभाग ने तीन दिन पहले जंगल की सीमा पर पिंजरा लगाया था, जिसमें लैपर्ड कैद हो गया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के पास भल्लों का गुडा इलाके में पिछले कई दिनों से आतंक मचा रहा लैपर्ड आखिरकार बुधवार को वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया। इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में राहत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार कुराबड़ मार्ग पर स्थित इस गांव में कई दिनों से लैपर्ड का लगातार विचरण देखा जा रहा था। रात के अंधेरे में वह बस्ती के करीब पहुंचकर आसपास के पशुओं का शिकार कर रहा था। इससे ग्रामीणों का डर इतना बढ़ गया था कि शाम ढलते ही लोग घर से बाहर निकलने से कतराने लगे थे। लगातार शिकायतों और लोगों में फैले भय को देखते हुए वन विभाग ने तीन दिन पहले जंगल की सीमा पर पिंजरा लगाया था। बुधवार सुबह ग्रामीणों को पिंजरे से गुर्राहट की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंचकर देखा तो लैपर्ड पिंजरे में फंस चुका था। सूचना मिलते ही वनपाल रीना कुंवर के नेतृत्व में वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने पूरी सतर्कता बरतते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और लैपर्ड को सुरक्षित कब्जे में ले लिया। बाद में उसे सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में पहुंचा दिया। लैपर्ड के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल है, लेकिन वन विभाग ने सभी से सतर्कता बरतने की अपील की है। खासकर सुबह और शाम के समय बाहर निकलते वक्त अतिरिक्त सावधानी रखें।

लाखों की अफीम सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। रायला थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार से 592 ग्राम अवैध अफीम बरामद कर हरियाणा निवासी तीन अंतरराष्ट्रीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत तीन लाख रुपये आंकी गई है।

रायला थानाधिकारी मुलचंद वर्मा ने बताया कि थाने के सामने भीलवाड़ा-गुलाबपुरा रोड पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान भीलवाड़ा की ओर से आ रही एक संदिग्ध सफेद फॉर्च्यूनर कार को रुकवाया गया। पुलिस को देखकर कार सवार युवक घबरा गए। तलाशी लेने पर गाड़ी के अंदर एक प्लास्टिक की थैली में छिपाकर रखी गई 592 ग्राम अफीम मिली। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार में सवार तीनों आरोपियों को नुकुल जाट निवासी कुमाषपुर, सोनीपत हरियाणा, राहुल जाट निवासी ढुराना, सोनीपत हरियाणा, विक्की जाट निवासी लुधाना, जिला जींद हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया।

अहमदाबाद में उदयपुर के युवक की हमलावरों ने हत्या की

हमलावर ने युवक के पेट में इतने गहरे घाव किए कि उसका शरीर खून से लथपथ हो गया

- घटना के बाद परिजन और समाज के लोग उदयपुर से अहमदाबाद पहुंचे और सिविल हॉस्पिटल परिसर में प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की
- मृतक हितेष की दो माह बाद शादी होने वाली थी, जिसकी घर में तैयारियां चल रही थी, लेकिन अचानक हुई इस वारदात ने खुशियों को मातम में बदल दिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के नयागांव उपखंड में बलीचा गांव के एक युवक की सोमवार रात को अहमदाबाद में अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी। हमलावर ने युवक के पेट में दो से तीन इतने गहरे घाव किए कि उसका शरीर खून से लथपथ हो गया। घटना के बाद परिजन और समाज के लोग उदयपुर से अहमदाबाद पहुंचे और सिविल हॉस्पिटल परिसर में मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। फिलहाल परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं अभी तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं किया गया है। परिजनों का कहना है जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती वे शव नहीं उठाएंगे। किस वजह से हत्या हुई इसका पता नहीं चला है। मृतक हितेष परिवार में बड़ा बेटा था।

पिता रमणलाल ने बताया कि हितेष की दो माह बाद शादी होने वाली थी, जिसकी घर में तैयारियां चल रही थीं। लेकिन अचानक हुई इस वारदात ने खुशियों को मातम में बदल दिया। मेघवाल युवा संगठन के लक्ष्मीनारायण मेघवाल ने बताया कि बलीचा निवासी हितेष (25) पुत्र रमणलाल मेघवाल पिछले 20 वर्ष से अहमदाबाद के गुप्ता नगर में रहकर फर्नीचर का काम करता था। सोमवार रात को हितेष अपने घर के बाहर बरामदे में सो रहा था, तभी अज्ञात हमलावरों ने उस पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि युवक के शरीर के अंग बाहर निकल आए और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पास ही सो रही बहन की चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर दौड़े, लेकिन तब तक अपराधी फरार हो चुके थे। घटना की सूचना पर गुजरात पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया।

20-25 लाख रु. लेकर फर्जी सर्टिफिकेट पर डॉक्टर्स को इंटर्नशिप करवाने वाले रजिस्ट्रार समेत 18 गिरफ्तार

एस.ओ.जी. ने फर्जी फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन प्रमाण पत्र से इंटर्नशिप कराने वालों पर शिकंजा कसा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (एफएमजीई) प्रमाण पत्र के जरिए इंटर्नशिप कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा और तत्कालीन नोडल ऑफिसर अखिलेश माथुर भी शामिल हैं।

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल, डीआईजी परिस देशमुख और एसपी कुंदन कंवरिया ने बुधवार को प्रेस वार्ता में बताया कि आरोपियों में 15 एमबीबीएस पास विद्यार्थी और एक दलाल भी शामिल है। गिरफ्तारी के लिए एसओजी की 22 टीमों ने दिल्ली, जयपुर, उदयपुर और जोधपुर सहित कई जिलों में एक साथ दबिश दी।

- **आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी की 22 टीमों ने दिल्ली, जयपुर, उदयपुर और जोधपुर सहित कई जिलों में एक साथ दबिश दी थी**

एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि जांच में सामने आया कि डॉ. राजेश शर्मा ने दलालों से मिलीभगत कर प्रत्येक अभ्यर्थी से 20-25 लाख रुपए लेकर बिना सत्यापन के फर्जी एफएमजीई प्रमाण पत्र के आधार पर इंटर्नशिप करवाई और प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन जारी किए। प्राथमिक जांच के दौरान पीयूष त्रिवेदी नामक अभ्यर्थी के फर्जी प्रमाण पत्र से इंटर्नशिप करने का मामला सामने आया था, जिसके बाद उसे सहित देवेंद्र, शुभम और भानाराम को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

आगे की जांच में एक संगठित गिरोह का खुलासा हुआ, जो फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में इंटर्नशिप और रजिस्ट्रेशन करवा रहा था। इस मामले में अब तक 90 से अधिक ऐसे डॉक्टर चिन्हित किए गए हैं, जिन्होंने फर्जी एफएमजीई प्रमाण पत्र के आधार पर इंटर्नशिप और प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन प्राप्त किया।

एसओजी ने इस कार्रवाई में डॉ. राजेश शर्मा, अखिलेश माथुर, विनय चौहान, यश पुरोहित, प्रतीक चौधरी, नरेंद्र सिंह, दयाराम गुर्जर, मनीष चंदेल, श्रवण लामरोड़, रवि कुमार गुर्जर, करण सिंह गुर्जर, अविनाश सैनी, विक्की सामोता, दिनेश कुमार, ईश्वर यादव, विकास यादव, दीपेश यादव और संकेत टेलर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार उदयपुर से गिरफ्तार डॉ. यश पुरोहित फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर निजी अस्पताल में कार्यरत था। मामले में पहले भी चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और एसओजी आगे की जांच में जुटी है।

राजेश शर्मा

अखिलेश माथुर

विनय चौहान

यश पुरोहित

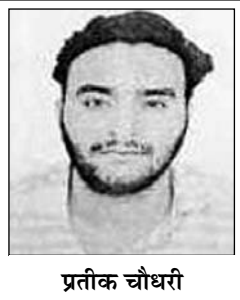
प्रतीक चौधरी

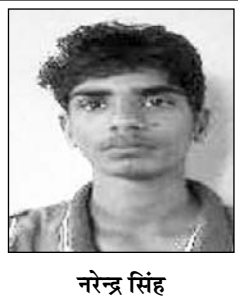
नरेन्द्र सिंह

दयाराम गुर्जर

मनीष चंदेला

श्रवण लामरोर

रवि कुमार गुर्जर

करण सिंह गुर्जर

अविनाश सैनी

विक्की सामोता

दिनेश कुमार

ईश्वर यादव

विकास यादव

दीपेश यादव

संकेत टेलर

'प्रेस की स्वतंत्रता का पक्षधर हूं पर यह सीख भी देनी जरूरी कि स्वतंत्रता, स्वच्छंदता नहीं'

राज्यपाल बागड़े ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

जयपुर (कासं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों को चाहिए कि वे पत्रकारिता के भारतीय अतीत के साथ हमारी गौरवमय ज्ञान-परम्परा से भी जुड़े। पत्रकारिता में समाचार के साथ विचार-संस्कृति की शिक्षा का भी प्रसार होना चाहिए। उन्होंने आजादी आंदोलन में पत्रकारिता की रही भूमिका के साथ गणेश शंकर विद्यार्थी, विजय सिंह पथिक, कर्पूर चंद्र कुलिश, बिशन सिंह शेखावत आदि को याद करते हुए पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा के प्रभावी प्रसार का आव्हान किया। राज्यपाल बागडे बुधवार को हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता का मैं पक्षधर हूं पर पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा में यह सीख भी दी जाए कि स्वतंत्रता, स्वच्छंदता नहीं है। उन्होंने स्वस्थ पत्रकारिता मूल्यों के लिए भावी पत्रकार तैयार किए जाने पर जोर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 1975 की आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाया गया, लेकिन सशक्त पत्रकारिता ने सत्य की रक्षा की। पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक मिशन है। आज के दौर में जब डिजिटल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने परिदृश्य को तेजी से बदला है, तब फेक न्यूज की चुनौती भी बढ़ी है। ऐसे में पत्रकारों को सबसे पहले नहीं, बल्कि सबसे सही बनने की होड़ रखनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के परिश्रम और संघर्ष को औपचारिक मान्यता मिलने का दिन है। उन्होंने कहा कि पहले पत्रकारिता का स्वरूप मुख्यत: प्रिंट मीडिया तक सीमित था, लेकिन आज डिजिटल माध्यमों ने इसे व्यापक और त्वरित बना दिया है। इसके बावजूद हर वायरल खबर सत्य नहीं होती, इसलिए पत्रकारिता की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 एवं 2025 में अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कुल 271 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 269 विद्यार्थी तथा 2 शोधार्थी शामिल रहे, जिन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। शैक्षिणक उत्कृष्टता के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 12 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, जबकि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल 35 विद्यार्थियों को वरीयता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की।

एस्कॉर्ट और बॉडी मसाज के नाम पर ठगने वाले गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 के तहत जयपुर पश्चिम की साइबर सेल और झोटवाड़ा थाना पुलिस ने एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस पूछताछ करने में जुटी है।

डीसीपी (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि जयपुर पश्चिम की साइबर सेल और झोटवाडा थाना पुलिस ने एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के गजेंद्र यादव (23) निवासी फुलेरा (जयपुर ग्रामीण) और विकास रेबारी (20) निवासी किशनगढ रेनवाल जयपुर ग्रामीण जयपुर हाल झोटवाडा को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 02 मोबाइल फोन,10 सिम कार्ड,15 यूपीआई आईडी,02 एटीएम कार्ड और एक बैंक पासबुक बरामद की है।

डीसीपी ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एस्कॉर्ट सर्विस के आकर्षक और भ्रामक विज्ञापन डालते थे । विज्ञापन देखकर संपर्क करने वाले लोगों को आरोपी विभिन्न पैकेजों का लालच देते थे। इसके बाद रजिस्ट्रेशन फीस, एडवांस चार्ज, सर्विस और सिक्योरिटी चार्ज के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी में पैसे ट्रांसफर करवा लिए जाते थे । जैसे ही पीड़ित पैसा जमा करता, आरोपी अपना मोबाइल नंबर बंद कर देते या पीड़ित को ब्लॉक कर देते थे ।

स्पा और मसाज सेंटरों में अब बंद दरवाजों के पीछे नहीं मिलेगी सर्विस

जयपुर (कासं)। गुलाबी नगरी में स्पा और मसाज सेंटरों की आड़ में चल रही अनैतिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए जयपुर पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत कड़े आदेश जारी किए हैं। नए नियमों के मुताबिक अब शहर के किसी भी स्पा सेंटर में बंद दरवाजों के पीछे मसाज नहीं दी जा सकेगी।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्पा और मसाज सेंटर के कमरों के दरवाजों पर अंदर से कोई कुंडी या बोल्ट नहीं लगाया जा सकेगा। सर्विस के दौरान केवल ऐसे दरवाजों का उपयोग होगा जो स्वत: खुलते और बंद होते हों। इसके अलावा स्पा केंद्रों में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग सेक्शन होंगे, जिनके प्रवेश द्वार भी पूरी तरह अलग और स्पष्ट रूप से सीमांकित होने अनिवार्य हैं।

इसके साथ ही पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। अब प्रत्येक स्पा सेंटर के रिसेप्शन और कॉमन एरिया में उच्च गुणवत्ता वाले नाइट विजन सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। इन कैमरों की रिकॉर्डिंग कम से कम 30 दिनों तक सुरक्षित रखनी होगी, जिसे पुलिस जांच के दौरान कभी भी मांग सकती है।

- **पुलिस ने अनैतिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए सख्ती दिखाई**

अब स्पा संचालक किसी भी कर्मचारी को बिना पुलिस सत्यापन में फोटो, आधार कार्ड और निवास का प्रमाण शामिल हो, संबंधित थाने में जमा कराना होगा।

साथ ही, ग्राहकों के लिए भी आईडी प्रूफ और मोबाइल नंबर का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा स्पा सेंटर केवल सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक ही संचालित किए जा सकेंगे। वहीं प्रवेश द्वार पर सभी काम करने वाले व्यक्तियों के नाम और फोटो की सूची लगानी होगी। स्पा परिसर के भीतर किसी भी प्रकार का नशा या धूम्रपान पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस आयुक्त डॉ. राजीव पचार के अनुसार शहर में काफी संख्या में स्पा सेंटर बिना किसी ठोस विनियमन के चल रहे थे। शिकायतों में सामने आया था कि इन केंद्रों में कई प्रकार की गैर-कानूनी और आपत्तिजनक गतिविधियां संचालित हो रही थीं, जिससे शहर की शांति व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से पूरे जयपुर आयुक्तालय क्षेत्र में लागू हो गया है और अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

राजस्थान विवि.में विशिष्ट व्याख्यान

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा एसएमसी जयपुर चैप्टर के सहयोग से विशिष्ट व्याख्यान "पैरोव्स्काइट ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स: आणविक डिजाइन से स्केलेबल डिवाइस तक" विषय पर आयोजित हुआ। जयपुर चैप्टर की समन्वयक प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि आईएमईसी बेल्जियम के मैरी क्यूरी शोधकर्ता डॉ. अमित कुमार हरित बतौर मुख्य वक्ता थे। उन्होने इस विषय पर अत्यंत रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. हरित ने पेरोव्स्काइट ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध, इसके वैज्ञानिक सिद्धांतों तथा व्यावहारिक अनुप्रयोगों को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। उन्होंने अपने शोध-यात्रा के अनुभव साझा करते हुए छात्रों को उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने विशेष रूप से यूरोप में उपलब्ध पोस्टडॉक्टोरल छात्रवृत्तियों एवं अंतरराष्ट्रीय शोध अवसरों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजली गुलेरिया ने किया। प्रो. आशा जैन सहित विभाग के संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे, जिन्होंने व्याख्यान को अत्यंत रुचिपूर्वक सुना। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। विभागाध्यक्ष प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि यह व्याख्यान छात्रों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी, प्रेरणादायक व सफल रहा।

करियर मार्गदर्शन-रोजगार शिविर 27 को

जयपुर । कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग के तत्वावधान में युवाओं को रोजगार एवं कैरियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से कैरियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर का आयोजन 27 मार्च को राजकीय रामचंद्र खेतान पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, झालाना जयपुर में किया जाएगा। इस शिविर में निर्माण, लॉजिस्टिक, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, सिक्योरिटी, कॉल सेंटर, होटल, हॉस्पिटल तथा बीमा सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 20 निजी नियोजक अपनी रिक्तियों के साथ भाग लेंगे तथा मौके पर ही युवा अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लेकर प्राथमिक चयन करेंगे। इसके अतिरिक्त आईटीआई, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम, राष्ट्रीय करियर सेवा फॉर एससी/एसटी, जिला उद्योग केन्द्र जयपुर तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, आईटीआई, आरएसएलडीसी, एनबीसी विभाग सहित विभिन्न सरकारी विभाग भी शिविर में भाग लेकर युवाओं को अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करेंगे।

"बाल दंत चिकित्सा में मिथक" पोस्टर जारी

जयपुर। जयपुरिया अस्पताल में वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 20 मार्च व वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे सप्ताह 20 से 26 मार्च के तहत "स्वस्थ मुख-स्वस्थ जीवन" थीम पर आम जन को मुख स्वास्थ्य की उपयोगिता बताई गई। मुख का स्वास्थ्य पूरे शरीर के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है। आम जनता को इसके प्रति जागरूक किया व उन्हें मुख स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। जयपुरिया अस्पताल के दंत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि बुधवार को बाल दंत चिकित्सा में मिथक विषय पर एक पोस्टर का विमोचन जयपुरिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ.जीवराज सिंह राठौड़ ने किया। डॉ. राठौड़ ने इस अवसर पर दंत विभाग के कार्यों की सराहना की और इस तरह के जन जागरूकता के कार्यक्रम आगे भी जारी रखने के लिए कहा। इस अवसर पर डॉ. हरीश भारद्वाज, डॉ. संगीता सौगत, डॉ.अनीश यादव, डॉ. अनुपमा काजल व डॉ. प्रशांत गर्ग उपस्थित रहे ।

अंबेडकर पुरस्कार के लिए मांगे आवेदन

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के निर्देश पर विभाग ने वर्ष-2026 के राज्य एवं जिला स्तरीय अंबेडकर पुरस्कार के लिए योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं। राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए 28 मार्च और जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए 5 अप्रैल तिथि निर्धारित की गई है। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने बताया कि भारत भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती (14 अप्रैल 2026) के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति जिला एवं राज्य स्तरीय अंबेडकर पुरस्कार-2026 दिए जाने हैं। उन्होंने बताया कि पात्र व्यक्ति निर्धारित प्रपत्र में 28 मार्च 2026 तक डाक अथवा व्यक्तिश आवेदन जमा करवा सकता है। मोदी ने बताया कि जिला स्तरीय आवेदन संबंधित जिले के कार्यालय में जमा कराए जा सकते हैं, जबकि राज्य स्तरीय आवेदन निदेशालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर में जमा कराए जा सकेंगे।

'महिला कांग्रेस का प्रदर्शन फ्लॉप रहा'

जयपुर । भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने महिला कांग्रेस के प्रदर्शन को पूरी तरह फ्लॉप शो करार दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन को न तो आम जनता का समर्थन मिला और न ही महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस एक बार फिर झूठ, भ्रम और अफवाह फैलाने की राजनीति पर उतर आई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट के इस दौर में जहां पूरे देश को एकजुट होने की आवश्यकता है, वहीं कांग्रेस राजनीतिक लाभ लेने के लिए अनावश्यक भय और असंतोष का माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। राखी राठौड ने स्पष्ट कहा कि देश में किसी प्रकार का एलपीजी संकट नहीं है और जिन उपभोक्ताओं के पास वैध कनेक्शन हैं, उन्हें गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। अगर वास्तव में कोई गंभीर समस्या होती, तो जनता का समर्थन स्वत: दिखाई देता, लेकिन प्रदर्शन में भीड़ की कमी ही इसकी सच्चाई बता रही है। कांग्रेस का इस तरह का प्रदर्शन साफ दिखाता है कि कांग्रेस देशद्रोही काम कर रही है। राठौड़ ने कांग्रेस नेतृत्व पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हुए, जिससे उनकी गंभीरता पर सवाल खड़े होते हैं।

झगड़ा शांत कराने आए पडौसी पर गोली चलाने वाला बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी के पास से दो देसी कट्टे और जिंदा कारतूस भी बरामद किए

जयपुर । कानोता इलाके के इंदिरा गांधी नगर में आपसी विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आए एक पडौसी पर फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान भागते समय बाइक फिसलने से आरोपी का एक हाथ और एक पैर टूट गया । पुलिस ने आरोपी के पास से दो देसी कट्टे और जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं । साथ ही किरायेदार का सत्यापन नहीं कराने पर पुलिस ने मकान मालिक को भी गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि कानोता थाना इलाके के इंदिरा गांधी नगर में आपसी विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आए एक पडोसी पर फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश आरोपी आकाश जोगी (19) निवासी करौली को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उस पर पहले से ही हत्या के प्रयास, डकैती, पोक्सो एक्ट और आर्म्स एक्ट जैसे चार गंभीर मामले दर्ज हैं । पुलिस अब उससे हथियारों की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपी के मकान मालिक रूप लाल योगी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बीट कांस्टेबल द्वारा बार-बार कहने और पुलिस कमिश्नरेट के आदेशों के बावजूद मकान मालिक ने किरायेदार का पुलिस सत्यापन नहीं करवाया था। इसके चलते उसके विरुद्ध धारा 223 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल दिलीप सिंह की विशेष भूमिका रही । टीम में उप निरीक्षक सुभाष,कांस्टेबल प्रकाश, मुस्ताक,आनु कुमार, मन्तराम, नेहरू और सुरेश चंद शामिल थे।

थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह ने बताया कि 25 मार्च 2026 की रात इंदिरा गांधी नगर में किराये पर रहने वाले आरोपी आकाश जोगी और उसकी पत्नी के बीच झगडा हो रहा था। शोर सुनकर पास ही रहने वाला दूसरा किरायेदार मनीष शर्मा (40) बीच-बचाव करने पहुँचा और झगडे का कारण पूछा । इससे गुस्साए आकाश ने मनीष पर फायरिंग कर दी। जिससे गोली मनीष के पैर के निचले हिस्से में जा लगी । वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया । इधर वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसीपी बस्सी विनय कुमार और थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई । पुलिस ने करीब दो दर्जन संदिग्धों से पूछताछ की और 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली । आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले रेलवे स्टेशन और सिंधी कैंप की ओर रुख किया। फिर जगतपुरा की ओर भागा । सुबह पुलिस को उसके खो नागोरियान इलाके में होने की सूचना मिली । जब पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की तो वह बाइक तेज भागकर सीबीआई फाटक की ओर जाने लगा । इसी दौरान उसकी बाइक स्लिप हो गई और सडक पर गिरने से वह घायल हो गया ।

गिरफ्तार आरोपी आकाश जोगी

श्रीराम जन्मोत्सव पर 101 हवाइयों से की जाएगी महाआरती

जयपुर। रामनवमी के पावन अवसर पर गुरूवार को चांदपोल बाजार स्थित प्राचीन ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्रजी में राम जन्मोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के तहत दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। महंत नरेंद्र तिवाडी ने बताया कि गुरूवार प्रात: 6 बजे मंगला आरती के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। सुबह 11 बजे 500 किलो दूध, इत्र, गुलाब, केसर व केवडा से पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। दोपहर 2 बजे श्री रामलला जन्म आरती होगी, जबकि शाम 7 बजे 101 हवाइयों की सलामी के साथ महाआरती आयोजित होगी, जिसमें हजारों महिलाएं सामूहिक आरती करेंगी।

वहीं मंदिर में 51 किलो मावा-मेवे का विशेष केक काटा जाएगा और राधिका कल्चरल सोसायटी द्वारा सांस्कृतिक संध्या, बैंड वादन तथा अलौकिक सजावट आकर्षण का केंद्र रहेगी। भगवान श्री राम दरबार को जरदोजी पोशाक और रजवाडी आभूषणों से सजाया जाएगा। रात्रि 10 बजे शोभायात्रा मंदिर पहुंचेगी, जहां स्वागत व बधाई गान होगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों से पदयात्राएं भी मंदिर पहुंचेंगी।

कलक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारियों ने किया गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण

जयपुर जिले में उपभोक्ताओं को समय पर घरेलू एलपीजी आपूर्ति हो सुनिश्चित : डॉ. जितेन्द्र सोनी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि जिले में उपभोक्ताओं को घरेलू एलपीजी गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिले में आमजन को घरेलू एलपीजी गैस की समय पर एवं सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी की अध्यक्षता में जिला गैस वितरण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी उपभोक्ताओं को समय पर घरेलू एलपीजी गैस उपलब्ध हो, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डॉ. सोनी ने गैस विपणन कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए नियमित रूप से अभियान चलाएं, ताकि आमजन में विश्वास कायम रहे और किसी प्रकार की भ्रांति की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन घरों में पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध है, वहां एलपीजी कनेक्शन को नियमानुसार बंद किया जाए, जिससे संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

कलक्टर ने प्रवर्तन शाखा एवं पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि गैस की कालाबाजारी, अवैध भंडारण एवं अनियमितताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी गैस एजेंसियों को निर्देशित किया कि उनके फोन नंबर हमेशा सुचारू स्थिति में रहें तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से कार्य किया जाए। आमजन को बेहतर सेवा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर युगांतर शर्मा, जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत चारण, जिला रसद अधिकारी संघमित्रा बरड़िया सहित पुलिस विभाग एवं गैस वितरण कंपनियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर बुधवार को उपखंड अधिकारियों ने गैस एजेंसियों के औचक निरीक्षण कर जमीनी स्तर पर आपूर्ति, मांग एवं वितरण व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन किया गया। निरीक्षण के दौरान गैस एजेंसियों में उपलब्ध स्टॉक, वितरण प्रणाली, उपभोक्ताओं की मांग तथा आपूर्ति के बीच संतुलन की गहन जांच की गई। साथ ही एजेंसियों पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का भी जायजा लिया गया। जिला कलक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

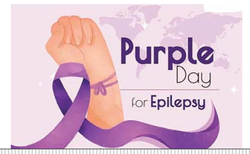

Purple Day 2026: Raising Awareness About Epilepsy

Observed annually on March 26, Purple Day is dedicated to increasing awareness about epilepsy and supporting those living with the neurological condition. Marked by people wearing purple, the day aims to dispel myths, reduce stigma, and encourage open conversations around seizures and treatment. Epilepsy affects millions worldwide, yet misinformation often prevents timely diagnosis and proper care. Schools, healthcare organisations, and advocacy groups host campaigns and educational drives to promote understanding and inclusion. Purple Day serves as a reminder that with the right medical support and social acceptance, individuals with epilepsy can lead full, empowered and independent lives.

#ENVIRONMENT

HUMAN IMPACTS ON BIOSPHERE

Fishes often become smaller as humans selectively harvest the biggest fish; weeds and insect pests are becoming resistant to pesticides, and pathogens are becoming more resistant to antibiotics

Are human disturbances to the environment driving evolutionary changes in animals and plants? A new study conducted by McGill researchers finds that, on average, human disturbances don't appear to accelerate the process of natural selection. While the finding may seem reassuring, this unexpected pattern could reflect the limited number of species for which data were available.

Many studies have shown that species evolve in response to human activity at a pace that exceeds natural rates: fish species often become smaller as humans selectively harvest the biggest fish; weeds and insect pests are becoming resistant to pesticides, and pathogens are becoming more resistant to antibiotics.

Rapid evolution in response to human activities could be caused by strengthening of natural selection, a key influence on the pace of evolution. To better understand the extent to which this occurs, Vincent Fugère and Andrew Hendry from McGill's Department of Biology reviewed thousands of scientific papers on the topic. Of these, they retained 40 that provide estimates of 'selection strength,' the extent to which a particular trait is linked to survival or reproductive success ('Darwinian fitness'), in both human-disturbed and natural environments. These cases included, for instance, a weed species found in grasslands sprayed or not sprayed with herbicides; another involved a shark population before and after the construction of a beach resort that induced alterations in local mangrove habitat.

From the 40 selected studies, the authors compiled 1,366 estimates covering 102 traits in 37 different species. They then used statistical models to test if there was an overall trend of stronger selection in human-disturbed conditions. While some disturbances caused very strong human-induced selection, others weakened selection, leading to no net effect on average when pooling all available studies.

"We are not arguing that human disturbances do not cause evolution; in fact, I certainly believe the opposite," says Fugère, lead author of the new paper published in *Proceedings of the National Academy of Sciences*.

Rather, the finding, which is likely to surprise some evolutionary biologists, highlights the challenges of quantifying evolutionary impacts of humans on the biosphere.

For example, most species in the authors' database performed well (had higher 'fitness') in the disturbed environment, which can weaken estimates of selection strength for statistical reasons. "Biologists know that many species, who do poorly in human-impacted environments, often go extinct in these environments, a phenomenon known as local extinction," says Fugère. "Rates of local extinction have never been higher, yet no species included in our database became locally extinct. So, part of the explanation for our main conclusion is that researchers might be studying species that fare relatively better in such environments than the average species on Earth because one can only study selection in species that survive in impacted environments."

Fugère and Hendry hope that their unexpected result will guide future studies of natural selection and help us better understand evolutionary impacts of environmental changes caused by humans.

Tarot Is as Mesmerizing as the Decks Themselves

In 1770, Jean-Baptiste Alliette (under the pseudonym Etteilla) published the book *How to Entertain Yourself With a Deck of Cards*, providing one of the world's first guides to cartomancy, that is, fortune-telling with cards, a method still used by many fortune-tellers today. Around the same time, Antoine Court de Gébelin, a French pastor, used a section of his opus, *Le Monde Primitif* ('The Primitive World'), published from 1773 to 1782, to rewrite tarot's origin story and suggest for the first time that these cards were far more than just a game.

Bulbul Joshi

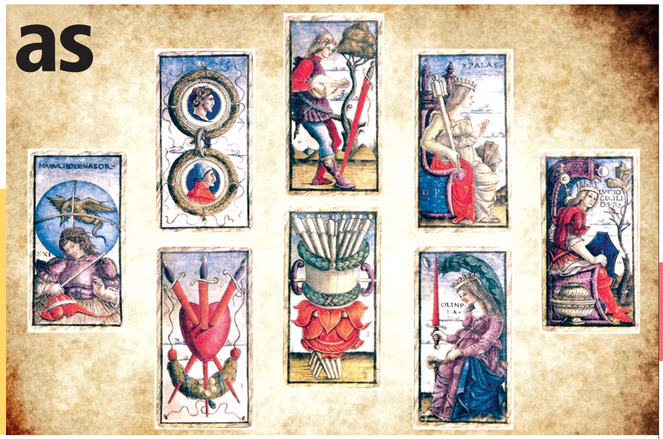

Not far from one of Milan's last remaining medieval gates is a tiny shop door, sandwiched between shuttered storefronts. Cross the threshold, and you'll enter a gilded world of esoteric symbols: stars, skeletons and fools. This is Il Meneghello, the workshop of some of Italy's last known great tarot artisans.

Inside, on the register, is a portrait of its original owner, Osvaldo Menegazzi. While tarot may be a game or hobby for many, for Menegazzi, it was always first and foremost about the art. Before his death in 2021, he had become world-famous for his painstaking, hand-painted reproductions of some of the world's most ancient and storied tarot decks. His desk, a mess of paints and materials, is just as he left it.

On a rainy day last spring, I met his niece, Cristina Dorsini, at the shop. Since Menegazzi's death, Dorsini, an art historian and tarot expert in her own right, has taken over guiding visitors through the masterworks created by her late uncle. Among the stacks surrounding us are three tarots: a cat-themed tarot, a Hebrew tarot and a tiny tarocchi di fumatori (smoker's tarot), wherein a characterization of Death can be seen enjoying a curly pipe. Menegazzi published more than 100 such decks, including many of his own invention. "Each deck offers us lo scrigno di sapienza," a treasure trove of wisdom, Dorsini says.

What unites these diverse decks is their standard form: generally, 78 cards, separated into 56 numbered 'minor arcana,' much like modern numbered playing cards, and 22 trumps, the 'major arcana,' each with a mysterious character. Every card is rich with symbolism: adorned with pentacles, stars, chalices and wands; bearing names like the World, Justice and Temperance; and featuring enigmatic characters like the Fool, the Lovers or the Hermit. These cards may have started life in 15th-century Italy as a sophisticated game, but in the past 500 years, they have taken on an entirely different meaning.

It's the ambiguity of these figures that has drawn fortune-tellers, who use combinations of images to open a window into the future. Dorsini, following her uncle, is skeptical of such uses. "We don't do readings," declares a sign near the cash register, a frequent point of contention with visitors to the shop.

Like her uncle, Dorsini was first drawn to these cards by their beautiful artistry, and by a historian's desire to understand the origins of their imagery. "Tarot was a figurative culture that was born here, in Italy, in Milan," she says. "But today, the symbology of each card is really difficult for us to understand."

In fact, Menegazzi's shop has become famous for his decades-long quest to collect, study and meticulously reproduce the historic decks that originated many of tarot's most common figures. Some of these old decks, with just a few surviving cards, are extremely rare. In 2021, Menegazzi became the first person to reproduce one such deck in nearly 600 years.

A few days after I first held one of Menegazzi's reproductions, I traveled west, to Turin, where for a few short minutes, I was able to look at the original.

In the former stables of an Italian royal palace, I met Federica Pozzi, the director of scientific laboratories at the Center for the Conservation and Restoration of Cultural Heritage 'La Venaria Reale.' Here, a team of 12 scientists works to analyze everything from large-scale paintings to ancient Egyptian sarcophagi, as well as some of the oldest tarot cards in the world, on which they perform material analysis. Upstairs, in the conservation lab, the restorer applies paint, removable, to allow for future correction, with a tiny brush.

#SCALA MISTICA

Researchers around the world, including Pozzi's team, engage in a kind of historical detective work with these cards. Collaborating with six different institutions, the Morgan Library & Museum in New York, the Yale University Library, the Metropolitan Museum of Art, the National Gallery of Art, Yale's Institute for the Preservation of Cultural Heritage and the Art Institute of Chicago, and drawing on other collections in Italy, Pozzi was part of the first team to use advanced imaging techniques, including macro-X-ray fluorescence spectroscopy, to discover invisible layers in the tarot cards. Researchers from Yale managed to discern stationers' watermarks to definitively date one of the world's oldest tarot decks to an impressively narrow range, between 1437 and 1442.

These decks, known collectively as the Visconti-Sforza decks, offer the earliest blueprint for modern tarot, incorporating many of the same suits and trumps. Historical documents suggest the oldest of these, the incomplete Visconti di Modrone deck, was commissioned as a wedding present for the daughter of Filippo Maria Visconti, then Duke of Milan, and her groom, Francesco Sforza, founder of a powerful family. For many years, historians speculated that a deck, as unusually fine as this one, may have simply been meant as a piece of art. Yet, Pozzi's research has shown that the surviving cards bear signs of regular use: worn edges, lost pigments, separating layers. Her lab has confirmed that several cards are replacements, suggesting that their owners wanted a full deck, and corroborating the idea that these cards were meant for gaming. Some scholars, like the tarot historian Andrea Vitali, argue that the figures on such cards were meant to offer a scala mistica, or mystical ladder, instructing wayward gamblers in moral and ethical precepts, or else perhaps, satirizing those precepts by allowing fools and lovers to trump popes.

All this evidence suggests that the earliest tarot deck may have been used for little more than a courtly card game, an exquisite plaything for the super-rich. And yet, tarot has never been so simple to define, nor its origins clear.

In Milan, at Menegazzi's workshop, I'd held one of his reproductions of the Sola Busca tarot, the earliest complete tarot deck that survives today, dating to the late 15th century. What had struck me about it was just how unlike the modern tarot it is. In place of the standard major arcana is a series of entirely different and unsettling images: obscure figures from antiquity or famous villains, like the Roman Emperor Nero, reveling in the burning of babies. The occultist Peter Mark Adams called the deck 'stubbornly and irredeemably odd,' writing that "even after prolonged study, the deck retains its strangeness."

For Adams, that oddness suggests that there is a foundational purpose to these cards other than simple entertainment. After all, tarot emerged during a very specific point in European history, when the wealthy courts of Renaissance Italy were retaining armies of scholars to recover hidden wisdom from ancient texts. In the centuries following the production of Visconti's exquisite deck, tarot's popularity as a game increased, and its production moved to France sometime in the 17th and 18th centuries. There, a new school of artists, thinkers and card readers began to see tarot as infused with a deep, occult significance.

It was in this milieu that occult writers first began to experiment with the idea that cards like these could be a key to greater wisdom. In 1770, Jean-Baptiste Alliette (under the pseudonym Etteilla) published the book *How to Entertain Yourself With a Deck of Cards*, providing one of the world's first guides to cartomancy, that is, fortune-telling with cards, a method still used by many fortune-tellers today. Around the same time, Antoine Court de Gébelin, a French pastor, used a section of his opus, *Le Monde Primitif* ('The Primitive World'), published from 1773 to 1782, to rewrite tarot's origin story and suggest for the first time that these cards were far more than just a game.

"If we heard that there still exists today a work of the ancient Egyptians, one of their books that escaped the flames which devoured their superb libraries, and which contains their purest doctrine about interesting objects, everyone would, without doubt, be eager to know," he wrote. "If we added that this book is very widespread in a large part of Europe, that for many centuries, it has been in the hands of everyone, the surprise would certainly increase."

It was the tarot, Court de Gébelin suggested, that contained just such a book. Court de Gébelin's entirely speculative account, which counted Louis XVI among its readers, spurred a European craze for all things ancient and Egyptian, and forever tied the origin myth of tarot with the stereotype of 'Gypsy' fortune-tellers, whom Gébelin credited with preserving the cards over millennia and carrying them into Europe. In reality, "there is absolutely no evidence for Roma in the origin of tarot cards, or for any significant role in their spread," says Egil Asprem, a professor at Stockholm University, who studies the role of the Roma in the European history of magic.

In the mountains just southwest of Bologna, a small stone house is home to the International Tarot Museum, founded by Morena Poltronieri and Ernesto Fazioli in 2007. Inside, Fazioli leads me around a narrow space crammed with pieces of tarot art and decks donated from around the world. There are tarot pop-up books, tarot embroidery, even tarot cards you can eat and drink. Each one is simultaneously a reinvention and a reference to tarot's past spiritual uses. "The seed of a card is universal," Fazioli says, yet "each artist has a different goal."

The psychiatrist Carl Jung in 1933 attributed the suggestive power of tarot's imagery to its use of 'psychological images,' archetypal symbols, like crumbling towers and stumbling fools, that can take on infinite meanings in combination with each other. Not long after Jung offered that assessment, tarot became a centerpiece of America's New Age revival and underwent thousands of subsequent reinterpretations as a tool for spiritual practice. The Motherpeace tarot, in print since the early 1980s, reimagines the deck through a feminist lens. The Black Power tarot, more recently produced by the artists King Khan and Michael Eaton, reconstructs the major arcana around images of Black icons. Collaborative decks, like the Slow Holler tarot, enlist dozens of artists from varied regional and marginalized identities to put their own spin on iconic images.

Recently, tarot's popularity has been surging again, driven partly by interest in cartomancy on social media platforms like TikTok. Some sellers say their sales have doubled or tripled in periods of strife, including the 2008 financial crisis and the Covid-19 pandemic. Many practitioners are uneasy about such booms. Jessica Lanyadoo, an astrologer and tarot reader in San Francisco, says too many think that the cards can help 'micromanage our fate,' guiding every little decision through easy answers. A more common annoyance for longtime tarot devotees may be the irony with which some new users approach the cards. "People have a way of saying, 'Oh, I'm too smart to take it seriously,'" Lanyadoo says.

Helen Farley, a researcher who has written about the history of these cards, calls tarot 'a mirror of the society in which it's being used.' Peering into that mirror today, we might see a more atomistic world, with tarot just another product to brand and sell. Yet, all around us, tarot is being reinvented. Alight upon the right deck and learn its history, and you might discover a piece of our collective future, too.

rajeshsharma1049@gmail.com

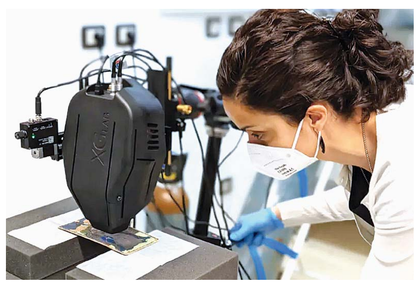

#KRISHNARAJA WADIYAR IV

He Was More Than Noble

Gandhi once called Krishnaraja Wadiyar IV a 'rajarshi,' a king-sage, and it's not hard to see why. Educated, deeply spiritual, and intellectually curious

In an age when Indian royalty was known for diamond-studded crowns, lavish banquets, and fleets of Rolls-Royces, one monarch quietly redefined what it meant to be a king. Maharaja Krishnaraja Wadiyar IV of Mysore wasn't just one of the wealthiest men of his time, he was among the wisest, most forward-thinking rulers India had ever seen.

Born in 1884, Krishnaraja Wadiyar IV ascended the throne at a young age and ruled the princely state of Mysore from 1894 to 1940. His rule coincided with a time when the subcontinent was still under British colonial influence, and many princely states were content to bask in ceremonial grandeur. But the Maharaja of Mysore chose a different path, one marked by service, modernity, and reform.

A Philosopher-King in Royal Robes

Gandhi once called him a 'rajarshi,' a king-sage, and it's not hard to see why. Educated, deeply spiritual, and intellectually curious, Krishnaraja Wadiyar IV believed that wealth carried a moral responsibility. He used his immense fortune not to expand his palace grounds, but to build universities, hospitals, and public infrastructure that rivaled those in Europe. Under his reign, Mysore became a model state, often referred to as the 'best-administered state in the world' by British officials. He invested heavily in education, establishing the University of Mysore in 1916, one of the first universities in India run by an Indian ruler. He also promoted industrialization, hydroelectric power, and railway expansion, making Mysore one of the first regions in Asia to generate its own electricity.

A Champion of Social Progress

Beyond modern infrastructure, Krishnaraja Wadiyar IV was also a pioneer of social reform. He appointed women and lower-caste individuals to high offices, encouraged female education, and enacted progressive labor laws. In a society still grappling with deep-rooted inequalities, his policies were revolutionary. He was also deeply invested in arts and culture, supporting classical music, Sanskrit scholarship, and architecture. The Mysore Palace, as we see it today, was completed during his reign, an architectural marvel that blended tradition with modern engineering.

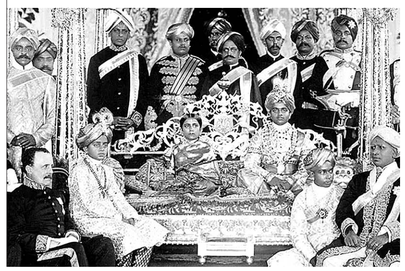

A Lasting Legacy

By the time of his death in 1940, Krishnaraja Wadiyar IV had set a standard that few monarchs, Indian or otherwise, could match. While other rulers left behind stories of grandeur and indulgence, he left behind institutions, ideas, and a better life for his people. In the words of British philosopher Paul Brunton, who visited Mysore during his reign: "The Maharaja is the most remarkable man I met in India… he is a saintly ruler."

Royalty with a Purpose

Krishnaraja Wadiyar IV proved that royalty could be measured not in gold or jewels, but in wisdom, compassion, and a commitment to progress. In today's world, his model of enlightened leadership feels more relevant than ever, a reminder that true greatness lies not in what one possesses, but in what one gives.

THE WALL

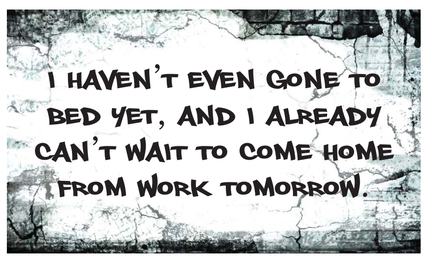

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

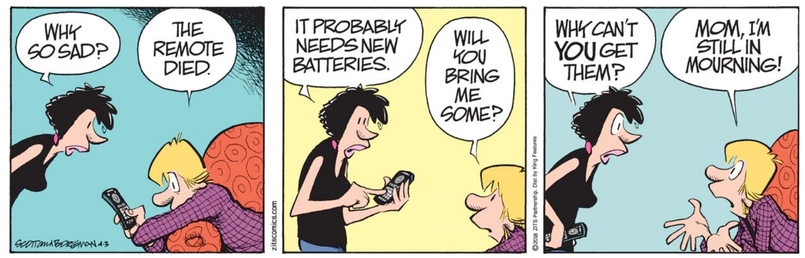

मां-बेटी पर तेजाब फेंकने के आरोपी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई

कोर्ट की मार्मिक टिप्पणी ''तेजाब सिर्फ शरीर नहीं, सपनों और ज़िंदगी को भी जला देता है''

अजमेर, (कासं)। इंसानियत को झकझोर देने वाले एक दर्दनाक मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। चित्तौड़गढ़ में एक मासूम बच्ची और उसकी मां पर तेजाब से हमला करने वाले आरोपी को अजमेर की महिला उत्पीड़न अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश उत्तमा माथुर ने दोषी मोहम्मद इस्माइल को आजीवन कारावास के साथ दो लाख रुपये के जुर्माने से दंडित करते हुए समाज को एक सख्त संदेश दिया है।

मासूम बच्ची और उसकी मां पर तेजाब से हमला करने वाले आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

- अजमेर की महिला उत्पीड़न अदालत ने आरोपी पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया
- इस निर्मम हमले ने एक बच्ची की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए छीन ली थी

जानकारी के अनुसार यह घटना उस वक्त की है जब पीड़िता अपनी 12 वर्षीय बेटी के साथ अजमेर से चित्तौड़गढ़ पहुंची थी। सुबह के समय दोनों रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास शौचालय की ओर जा रही थी। तभी अचानक आरोपी ने मासूम बच्ची पर तेज़ाब फेंक दिया। बेटी की चीख सुनकर जब मां उसे बचाने दौड़ी, तो दरिंदे ने उस पर भी तेज़ाब उंडेल दिया। इस निर्मम हमले ने एक बच्ची की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए छीन ली। एक मां की ममता और एक बेटी के सपने उसी पल जलकर राख हो गए। दर्द सिर्फ शरीर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनकी पूरी जिंदगी को अंधेरे में धकेल गया।

सजा सुनाते समय अदालत की टिप्पणी ने हर किसी को भावुक कर दिया। न्यायालय ने कहा कि तेजाब हमला केवल शरीर को नहीं झुलसाता, बल्कि पीड़ित के भविष्य, उसके सपनों और पूरे परिवार की खुशियों को भी खत्म कर देता है। यह ऐसा जख्म है जो जिंदगी भर रिसता रहता है।

विशेष लोक अभियोजक नरेश कुमार धूत ने बताया कि आरोपी को घटना के अगले ही दिन सीसीटीवी फुटेज और अभय कमांड सेंटर की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया था। अभियोजन पक्ष ने मामले को मजबूत तरीके से प्रस्तुत करते हुए 17 गवाहों के बयान, 57 दस्तावेजी साक्ष्य और 6 महत्वपूर्ण वस्तुएं अदालत के समक्ष पेश की, जिसके आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया। न्यायालय ने पीड़िता की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अजमेर को निर्देशित किया है कि उन्हें अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनके इलाज और पुनर्वास में मदद मिल सके।

मामले की त्वरित कार्रवाई और निष्पक्ष जांच के लिए जीआरपी थाना चित्तौड़गढ़ के पुलिसकर्मियों, विशेषकर कांस्टेबल पवन और धूलजी की सराहना की गई। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर गवाहों को समय पर न्यायालय तक पहुंचाकर न्याय प्रक्रिया को मजबूती दी।

पशु चिकित्सकों के एन.पी.ए. पर राजस्थान हाईकोर्ट सख्त

हाईकोर्ट ने सरकार को मुद्दे पर पुनर्विचार करने और 12 सप्ताह में फैसला करने के निर्देश दिये

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान में कार्यरत पशु चिकित्सकों को नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस (एनपीए) देने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विनीत कुमार माथुर व जस्टिस चन्द्रशेखर शर्मा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया है कि सरकार 12 सप्ताह के भीतर इस संबंध में निर्णय ले।

- प्रदेश में कार्यरत पशु चिकित्सकों को नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस (एनपीए) देने की मांग को लेकर दायर याचिका पर राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई

वेटनरी एसोसिएशन, राजस्थान की ओर से दायर इस याचिका में प्रारंभ में वेतनमान और अन्य सुविधाओं में समानता की मांग की गई थी, लेकिन सुनवाई के दौरान मुख्य रूप से एनपीए देने के मुद्दे पर ही जोर दिया गया। याचिकाकर्ता पक्ष ने अदालत को बताया कि राज्य के पशु चिकित्सक पशुधन और वन्यजीवों की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उनकी कार्यप्रणाली अन्य राज्यों के चिकित्सकों के समान है। अधिवक्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि देश के कई राज्यों जैसे दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड सहित कई स्थानों पर पशु चिकित्सकों को एनपीए दिया जा रहा है। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा 3 जून 2016 को जारी निर्देशों में भी राज्यों को इस दिशा में कदम उठाने के लिए कहा गया था। सातवें वेतन आयोग ने भी इस भत्ते की सिफारिश की है। राज्य सरकार की ओर से जवाब में कहा गया कि एनपीए देना पूरी तरह नीतिगत निर्णय है, जो राज्य की वित्तीय स्थिति और अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर निर्भर करता है। यह भी कहा गया कि सभी राज्यों में यह सुविधा लागू नहीं है, इसलिए इसे अनिवार्य रूप से लागू करना जरूरी नहीं है। हालांकि सरकार ने यह स्वीकार किया कि वह इस विषय पर पुन: विचार करेगी।

दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने माना कि अन्य राज्यों में लागू व्यवस्था और केंद्र सरकार के निर्देशों को देखते हुए इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 12 सप्ताह के भीतर इस पर निर्णय ले और यदि एनपीए देने से इनकार किया जाता है तो उसका कारण स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता अपनी अन्य मांगों को लेकर अलग से अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

सुजानगढ़ के लोडसर गांव में अज्ञात ने विवाहिता की घर में घुसकर हत्या की

अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ गला घोंटकर हत्या करने का मामला दर्ज

सुजानगढ़, (कासं)। शहर के निकटवर्ती ग्राम लोडसर में स्थित कालवा की ढाणी में घर में सो रही विवाहिता की अज्ञात व्यक्ति ने गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या की सूचना पर सदर थानाधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया मौके पर पहुंचे। इसके बाद चूरू जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम भी घटना स्थल पर पहुंचे। सुजानगढ़ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार, वृताधिकारी दरजाराम, थानाधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया ने चूरू एसपी निश्चय प्रसाद एम को घटना की जानकारी दी। मृतका चंदा मेघवाल की

- मृतका का मोबाइल भी पुलिस को मौके पर नहीं मिला, कॉल डिटेल खंगाली जा रही है

शादी 15 वर्ष पूर्व हीरालाल मेघवाल के साथ हुई थी। मृतका के दो लड़कियां व एक पुत्र है।

मृतका के बच्चों ने पुलिस को बताया कि जब उनकी मां चंदा देवी कमरे में नहीं मिली तो पास के कमरे में जाके देखा तो जिस पर चंदा अचेत अवस्था में मिली, जिसके बाद मृतका के बच्चों ने घर के पीछे स्थित ताऊ भगवानाराम को सूचना दी। जब भगवानाराम ने अपने छोटे भाई हीरालाल की पत्नी को अचेत अवस्था में देखा तो मृतका के पिता प्रेमाराम मेघवाल व सदर थाना पुलिस को सूचना दी। चूरू से पहुंची एफएसएल टीम ने मौके से फिंगर प्रिंट व अन्य साक्ष्य जुटाए। घटना के बाद हारे का सहारा टीम के संयोजक श्याम सुन्दर स्वर्णकार की मदद से मृतका का शव सुजानगढ़ के राजकीय बगड़िया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इस घटना के बाद मृतका के पिता प्रेमाराम मेघवाल निवासी सुजानगढ़ ने सदर थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ उनकी पुत्री चंदा की गला घोंटकर हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गला घोंटकर मृतका की हत्या की गई है। मृतका के गले पर निशान है। इसके अलावा मृतका का मोबाइल भी पुलिस को मौके पर नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। मामले में जल्द खुलासा किया जाएगा।

फोटो वायरल मामले में दो बंदी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जेल में गत दिनों हुई रोजा इफ्तार पार्टी और उसके फोटो वायरल होने का मामले में पुलिस ने दो बंदियों को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश कर फिर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया है। बंदियों ने पूछताछ में जेल में एक बंदी द्वारा मोबाइल उपलब्ध कराने की बात की है। फिलहाल इसमें अग्रिम जांच भी जारी है। रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि जोधपुर जेल में हुई रोजा इफ्तार पार्टी के कुछ फोटोग्राफ्स सोशल मीडिया पर गत दिनों वायरल हुए थे, जिसमें एक प्रकरण दर्ज कराया था। घटना के संबंध में पुलिस ने दो बंदियों उदयपुर के अंबामाता सज्जन नगर निवासी करीम खां एवं डूडी नगर ओसियां निवासी नरपत डूडी को गिरफ्तार कर लाया गया है।

नहर में मिले युवक के शव मामले में नया मोड़ आया

ट्रक ड्राइवर पर हत्या का आरोप, पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज

सूरतगढ़, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र की राजकैनाल नहर में 19 मार्च को मिले युवक के शव के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। पहले इसे अज्ञात शव मानते हुए मर्ग दर्ज की गई थी, लेकिन पहचान होने के बाद मृतक के पिता ने एक ट्रक ड्राइवर पर हत्या का आरोप लगाते हुए सदर थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार पंजाब के मलोट निवासी 24 वर्षीय मनदीप सिंह पुत्र संतोख सिंह का शव 19 मार्च को नहर में मिला था। उस समय नहर के पास खेत में काम कर रहे एक किसान जसकरण सिंह पुत्र किशन सिंह निवासी तीन एलएलपी ने पुलिस को सूचना दी थी, जिस पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की गई। बाद में शव की पहचान मनदीप सिंह के रूप में हुई और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया था, परन्तु अब मृतक के पिता संतोख सिंह पुत्र फौजासिंह निवासी गली नंबर 4, ट्रक यूनियन के पीछे, मलोट (पंजाब) ने सदर थाने में रिपोर्ट दी है।

जिसमे बताया गया है कि वह मलोट के विशाल कुमार वाट्स का ट्रक चलाता है और उसका बेटा मनदीप सिंह उसी ट्रक में खलासी का काम करता था। 17 मार्च को दोनों ट्रक में धर्मकोट के पास से रेत भरकर मुक्तसर गए थे और 18 मार्च को रेत खाली कर मलोट लौट रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, मुक्तसर बाइपास पर लवप्रीत नाम का ट्रक ड्राइवर पहले से खड़ा मिला। मनदीप उससे मिलकर वापस आया और बाद में घर पहुंचने के कुछ देर बाद मोटरसाइकिल लेकर उससे मिलने चला गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने कई बार फोन किया, लेकिन कुछ समय बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। अगले दिन तलाश के दौरान मलोट में एक स्थान पर मनदीप की मोटरसाइकिल लॉक लगी अवस्था में खड़ी मिली। इसी दौरान मृतक के चाचा ने बताया कि उसने 18 मार्च की शाम करीब 5.30 से 6 बजे के बीच मनदीप को लवप्रीत के साथ उसके ट्रक में बैठे देखा था।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

बीकानेर, (निसं)। शहर के जयपुर रोड पर बुधवार सुबह सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक से आमने-सामने हुई भिड़ंत इतनी भीषण थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसा जयपुर रोड स्थित जैन ढाबा के पास हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक और स्कूटी के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और महिला दूर जा गिरी। सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने महिला को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही जेएनवीसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को पीबीएम हॉस्पिटल की इमरजेंसी से मोर्चरी में भिजवाया। मृतका की पहचान सविता महावर पत्नी मनोज महावर के रूप में हुई है, जो जयपुर रोड स्थित एक कॉलोनी की निवासी थी। वह अपने काम के लिए जा रही थी, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

लाखों रुपए का सोना चोरी का खुलासा, गुजरात से सात बदमाश गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। थाना पुलिस ने लाखों रुपए के रिफाइंड सोना चोरी के मामले को आठ घंटे में सुलझा लिया है। पुलिस ने गुजरात के राजकोट से सात बदमाशों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया है। वारदात 22 मार्च को हुई थी, जब आधा दर्जन से अधिक बदमाश एक गाड़ी में सवार होकर आए थे। उगमपुरा निवासी मनोज सोनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रिफाइंड सोना खरीदने के बहाने बदमाशों ने उनके घर से 15 से 16 तोले सोने के दो पैकेट चालाकी से चुरा लिए। चोरी की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई

- पुलिस ने चोरी का माल बरामद कर वारदात में प्रयुक्त गाड़ी जब्त की

थी। पीड़ित ने घर में सोना न मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी।

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनवारी लाल मीणा और सीओ जरनैल सिंह के पर्यवेक्षण में एक टीम गठित की गई। इस टीम ने बदमाशों को लगभग 1200 किलोमीटर दूर गुजरात के राजकोट में ट्रेस किया। पुलिस ने इस मामले में विजय भाई गोहल, नरेंद्र सुका भाई, सागर राजू भाई परमार, हरेश भाई अश्विन भाई मोरी, प्ररभत भाई कचरा भाई, गोविंद रमेश भाई बावड़ियां और विजय जीवन भाई सोलंकी को गिरफ्तार किया है। वारदात में प्रयुक्त गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। पुलिस ने चोरी किया गया पूरा सोना बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई में गुजरात के डीसीपी राजकोट और क्राइम ब्रांच राजकोट शहर की टीम का विशेष सहयोग रहा।

हादसे में दो युवकों की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र डीजल शेड पर रात को सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि उनका साथी घायल हो गया, जिसका एमडीएम अस्पताल में उपचार जारी है। बासनी पुलिस ने शवों को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया। मृतक व घायल बाइक पर सवार थे और सामने लोडिंग टैक्सी ने टक्कर मार दी थी। पुलिस अब गाड़ी नंबर से चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बासनी थाने के एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि बिलाड़ा के संभाडिया स्थित चौकीदारों का बास निवासी चैनाराम पुत्र डाउराम ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसका पुत्र 20 वर्षीय राकेश, उसका साथी जितेंद्रराम नायक एवं महेंद्रराम अपनी बाइक पर सवार होकर बासनी डीजल शेड से निकल रहे थे। तब इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने एक टाटा मैजिक लोडिंग टैक्सी के चालक ने बाइक को चपेट में ले लिया। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि एक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो को एंबुलैंस 108 की मदद से एमडीएम अस्पताल ले जाया गया था। वहां पर दूसरे युवक ने भी दम तोड़ दिया। हादसे में राकेश और जितेंद्रराम नायक की मौत हुई है। इनका तीसरा साथी महेंद्रराम घायल है जिसका उपचार चल रहा है। शवों को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

ओवरस्टे कर रही विदेशी महिला को शरण देने पर मामला दर्ज

अजमेर/ पुष्कर, (कासं)। राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अजमेर जिले के पुष्कर में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। सीआईडी जोन अजमेर की टीम ने ओवरस्टे कर रही थाईलैंड की महिला को शरण देने के मामले में होटल प्रबंधक और विदेशी महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया।

- होटल प्रबंधक और थाई नागरिक के खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट में कार्रवाई की

सीआईडी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने बताया कि पुष्कर स्थित एक होटल में एक फरवरी को थाईलैंड की नागरिक कन्याफाट नोएनहोंग ठहरी थी। होटल प्रबंधन ने उसके ऑनलाइन सी फॉर्म में गलत वीजा नंबर दर्ज किया, जिससे उसके ओवरस्टे को छिपाया जा सके। जांच में सामने आया कि दर्ज किया गया वीजा नंबर किसी अन्य युगांडा नागरिक का था। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि विदेशी महिला पिछले दो वर्ष से अधिक समय से भारत में अवैध रूप से रह रही थी। इस दौरान होटल प्रबंधन द्वारा उसकी वास्तविक स्थिति छिपाकर उसे शरण दी गई और कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग किया गया। इस संबंध में पुष्कर थाने में प्रकरण दर्ज करते हुए होटल प्रबंधक और विदेशी महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने बताया कि ओवरस्टे करने वाले विदेशी नागरिकों और उन्हें शरण देने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हमले के दोषी को चार साल की सजा

कोटा, (निसं)। जानलेवा हमले के आठ साल से अधिक पुराने मामले में न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश क्रम-1 ने सुनवाई करते हुए आरोपी वीरेन्द्र सिंह उर्फ देवसिंह को दोषी मानते हुए चार साल की सजा सुनाई है। साथ ही 23500 के अर्थदंड से दंडित किया।

अपर लोक अभियोजक रामदयाल शाक्यवाल ने बताया कि 30 अक्टूबर 2017 को परिवादी ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आरकेपुरम् पुलिस को पर्चा बयान दिया। परिवादी

- मामले में 14 गवाहों के बयान दर्ज कराये

ने बयान में कहा कि वह बोम्बे योजना में रहता है और कारिगरी का काम करता है। बबलू, सुखिया और वीरेन्द्र तीनों उसके पास आये और तीनों ने उससे अपशब्द कहते हुए वीरेन्द्र ने चाकू जैसी चीज निकालकर जान से मारने की नियत से उसकी पीठ पर वार किया और तीनों ने मारपीट की, हमले में उसके चोट लगी। पुलिस ने परिवादी के बयान पर जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामले में बोम्बे योजना निवासी वीरेन्द्र सिंह उर्फ देव सिंह बबलू और सुखिया को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए न्यायालय में चालान पेश किया, मामले में चली सुनवाई के दौरान आरोपी वीरेन्द्र सिंह उर्फ देवसिंह को दोषी मानते हुए चार साल की सजा सुनाई। मामले में 14 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

पोस्टमैन पद पर कार्यरत हरियाणा के युवक ने आत्महत्या की

मसूदा, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम बेगलियावास में पोस्टमैन के पद पर कार्यरत युवक ने अज्ञात परिस्थितियों में फांसी लगाकर कर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार हरियाणा निवासी प्रीतम पिछले कुछ समय में बेगलियावास में कार्यरत था एवं किराए के मकान में निवास करता था। उसने अज्ञात परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

ग्रामीणों को जानकारी मिलने पर घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतराकर उप जिला चिकित्सालय के मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया और मृतक के परिजनों को सूचना दी। परिजनों के पहुंचने पर मृतक के पिता वीर सिंह पुत्र लाल जी राम निवासी निवासी भाण्डोला, पुलिस थाना सतनाली, जिला महेन्द्र गढ़, हरियाणा ने पुलिस की दी रिपोर्ट में बताया कि कल सूचना मिली कि मेरा लड़का, डाक विभाग में पोस्टमैन के पद पर कार्यरत था। हीरालाल के मकान में किराए पर रह रहा था। उसने कल दिन में रस्सी से गले में फंदा लगाकर फांसी लगा ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंप दिया गया।

आत्महत्या के प्रयास में युवक ने खुद का गला रेता, हालत गंभीर

युवक ने घर की दीवार पर कोयले से सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें उसने स्वेच्छा से आत्महत्या करना बताया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के गोगुंदा कस्बे में एक युवक ने आत्महत्या करने के लिए खुद को एक कमरे में बंद कर हथियार से खुद का गला काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। युवक ने घर की दीवार पर कोयले से एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें उसने स्वेच्छा से आत्महत्या करना बताया है।

जानकारी के अनुसार इंदरलाल गमेती पुत्र शांतिलाल गमेती निवासी तकियों का भीलवाड़ा, पिछले करीब

- बताया जा रहा है कि पूर्व में उसके पिता का निधन हो चुका था, मंगलवार को बड़े पापा की मौत हो जाने से वह सदमे में आ गया था

डेढ़ माह से मानसिक रूप से परेशान था। बताया जा रहा है कि पूर्व में उसके पिता का निधन हो चुका था और मंगलवार को उसके बड़े पापा की मौत हो जाने से वह गहरे सदमे में आ गया। घटना के बाद युवक ने खुद को घर में बंद कर लिया और घर में रखे धारदार हथियार से अपना गला काट लिया। आत्महत्या के प्रयास से पहले उसने घर की दीवार पर कोयले से सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें उसने अपनी स्वेच्छा से आत्महत्या करना लिखा और किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया। युवक की कहराने आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला। परिजनों ने गंभीर हालत में उसे तुरंत गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया। अधिक रक्तस्त्राव होने के कारण उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गोगुंदा थानाधिकारी श्याम सिंह चारण मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस को घटनास्थल से दीवार पर लिखा सुसाइड नोट भी मिला है जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

शादी के नाम पर ठगी करने वाली गैंग का खुलासा, दो महिलाएं गिरफ्तार

फर्जी शादी के बाद नगदी और जेवर लेकर फरार हो गई थी दुल्हनें

हनुमानगढ़, (निसं)। शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। सदर थाना पुलिस ने इस मामले में 2 महिलाओं पूजा रानी (44) और निशा (22) को गिरफ्तार किया है। ये दोनों हरियाणा के फतेहाबाद जिले के रतिया कस्बे की निवासी हैं। आरोप है कि इन महिलाओं ने सुनियोजित तरीके से एक युवक को शादी का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठे और बाद में नकदी व जेवर लेकर फरार हो गई।

पक्का सारणा निवासी संतराम ने सदर थाना में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज

- गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और पुलिस पूरे नेटवर्क का खुलासा करने का प्रयास कर रही है

कराई थी। संतराम ने बताया कि 28 जनवरी को उसकी मुलाकात कुरशेदा नामक महिला से हुई थी। कुरशेदा ने उसे शादी करवाने का भरोसा दिलाया और बताया कि उसका परिचित सूरजपाल रिश्ते करवाता है। कुरशेदा ने संतराम की शादी एक लड़की से करवाने के लिए 1 लाख 50 हजार रुपए की मांग की थी। अगले दिन सूरजपाल और पूजा रानी एक युवती को लेकर आए और संतराम की उससे शादी करवा दी गई। आरोपियों ने इस दौरान संतराम से नकद और अन्य माध्यमों से करीब 1 लाख 27 हजार रुपए ले लिए। शादी के बाद युवती ने अपना नाम खुशप्रीत बताया और कुछ दिनों तक युवक के घर में रही। पीड़ित संतराम के अनुसार 10 फरवरी की रात युवती घर से 17 हजार रुपए नकद, सोने-चांदी के आभूषण और एक मोबाइल फोन लेकर फरार हो गई। अगले दिन घटना का पता चलने पर संतराम ने पुलिस में मामला दर्ज कराया। मामले की जांच के दौरान, पुलिस ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी पूजा रानी और निशा को हरियाणा के सिरसा जिले के गांव चोरमार खेड़ा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और पुलिस पूरे नेटवर्क का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

सार-समाचार

राजकीय विद्यालयों की 67 छात्राओं को वितरित की साइकिले

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9 में अध्ययनरत बालिकाओं को साइकिलें वितरित की गई। साईकिलें पाकर छात्राओं में खुशी की लहर दौड गई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रजवास में कक्षा 9 की 28 छात्राओं को साईकिलें वितरित की गई एवं वार्षिक परिणाम घोषित किया गया। प्रधानाचार्य रामलाल मीणा ने बताया की कक्षा 10 की छात्रा संजना रैगर का श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने पर अध्यापकों एवं ठाामवासियों ने साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि भगवानसहाय जाट, रामधन मीणा, रमेशकुमार जाट, परीक्षा प्रभारी प्रियंका गुर्जर, राजनीति मीणा, सुनीता वर्मा, हेमराज वर्मा, रवि वर्मा, भवानीशंकर निराला, मोहनलाल निराला, सोहनलाल वर्मा, बाबूलाल जैन, सुमन जैन, मुकेशकुमार विजय, प्रेमप्रकाश शर्मा, सूरज जाट, सीताराम जाट व युगांडा चैधरी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इसी प्रकार राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय करीरिया में प्रधानाचार्य वेदप्रकाश मिश्र के सानिध्य में कक्षा 9 वीं की 7 छात्राओं को साईकिलें वितरित की गई। साईकिल वितरण प्रभारी मुकेश बैरवा ने बताया कि साईकिल वितरण के पश्चात परीक्षा प्रभारी मुरलीधर यादव ने परीक्षा परिणाम की विधिवत घोषणा की। इस दौरान अभिभावक व शिक्षक बैठक का भी सफल आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं की शैक्षिणक प्रगति पर चर्चा की गई। इसी प्रकार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा में कक्षा 9 में अध्ययनरत 32 छात्राओं को साईकिलें वितरित की गई ।

रामनवमी पर 14 जोड़ों का रचेंगे विवाह

लालसोट। गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण समाज लालसोट के तत्वावधान में आयोजित षष्ठम सामूहिक विवाह सम्मेलन आज रामनवमी के पावन अवसर पर पीएम अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में भव्य रूप से आयोजित होगा। इस अवसर पर 14 जोड़े परिणय सूत्र में बंधकर सात जन्मों तक साथ निभाने का संकल्प लेंगे। यह आयोजन केवल विवाह नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती फिजूलखर्ची, दहेज प्रथा और दिखावे के खिलाफ एक सशक्त संदेश भी है। सामूहिक विवाह के माध्यम से सादगी, समानता और सामाजिक एकता को बढ़ावा दिया जा रहा है । समारोह के दौरान ब्राह्मण समाज की ओर से सामूहिक भोजन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे और नवदंपतियों को आशीर्वाद देंगे। गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण समाज लालसोट के गोविन्द शर्मा बगड़ी ने बताया कि सम्मेलन में शामिल प्रत्येक वर-वधु को समाज की ओर से सम्मान स्वरूप भव्य उपहार दिए जाएंगे। इनमें सोने का मंगलसूत्र, सोने की कान की बाली, सोने की नाक की बाली, चांदी की पायजेब व चिटकी सहित दुल्हन का बेस शामिल है। साथ ही नवदंपतियों को आत्मनिर्भर जीवन की शुरुआत के लिए फ्रिज, कूलर, एलईडी, मिक्सी, प्रेस, डबल बेड (दो गद्दे, दो तकिए, दो कंबल सहित), चौकी, ड्रेसिंग टेबल, टेबल, सेंटर टेबल, दो कुर्सियां, गैस चूल्हा, सिलाई मशीन, प्रेशर कूकर, ओवन एवं आवश्यक रसोई के बर्तन भी भेंट किए जाएंगे । यह सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज के लिए एक मिसाल बन रहा है, जहां परंपरा के साथ-साथ आधुनिक सोच का संगम दिखाई दे रहा है और जरूरतमंद परिवारों को नई जिंदगी की मजबूत शुरुआत मिल रही है।

मुख्य सचिव निमराना के दौरे पर आज

कोटपूतली। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास गुरुवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले के निमराना दौरे पर रहेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य सचिव प्रातः 11 बजे नीमराना पहुंचेंगे। इसके पश्चात प्रातः 11:05 बजे जापानी जोन, 11:30 बजे नाइडेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा दोपहर 12 बजे डाइकिन एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड का दौरा करेंगे।दौरे के दौरान मुख्य सचिव दोपहर 12:45 बजे नीमराणा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के साथ बैठक कर औद्योगिक गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं पर बैठक करेंगे। इसके बाद वे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सहायता स्वीकृत

कोटपुतली। प्रशासक कृषि उपज मंडी समिति कोटपूतली एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता समिति की बैठक बुधवार को मंडी कार्यालय में आयोजित की गई। सचिव कृषि उपज मंडी समिति कोटपूतली रामफूल गुर्जर ने बताया कि बैठक में कुल 05 प्रकरण रखे गये जिसमें 02 प्रकरणों को स्वीकृत किया गया। आवेदक सुनिता देवी निवासी करोली तह-पावटा तथा मन्नी देवी निवासी ढाणी जाटाला, तह-पावटा को 2-2 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गयी।

मेगा पीटीएम का आयोजन

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चनानी में मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्रधानाचार्य सारिका सिंह व उप सरपंच सुमन कंवर द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया। समारोह में कक्षा 9 की 23 छात्राओं को उप सरपंच व प्रधानाचार्य ने निःशुल्क साइकिलें वितरित की। प्रधानाचार्या ने प्रवेशोत्सव एवं नामांकन वृद्धि के महत्व की जानकारी देते हुए अभिभावकों से विद्यालय के विकास में पूर्ण सहयोग करने की अपील की।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

किशनगढ़ बास। अलवर भिवाड़ी मार्ग के किशनगढ़ बास बाईपास पर खेतानाथ आश्रम संत शंकर नाथ, ढोकलवास आश्रम के संत सुबेनाथ महाराज के सानिध्य में संकीर्तन का आयोजन किया गया। संकीर्तन के आमंत्रण पर पहुंचे ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध भजन गायक गुलाब नाथ ने अपनी अमृतवाणी से सुंदर सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालु भक्तों को भजनों रसधार से बाघे रखा। यह आयोजन समाज सेवी श्याम प्रेमी दीपू यादव के सौजन्य से किया गया। खाटू वाले श्याम बाबा के भक्त दीपू यादव ने बताया कि रात्रि 8:00 से 12:00 बजे तक प्रतिष्ठान के ऑफिस पर खेतानाथ आश्रम के संत शंकर नाथ महाराज व ढोकलवास आश्रम के संत सुबेनाथ महाराज की उपस्थिति में संकीर्तन का आयोजन रखा गया।

सीवरेज का काम कर रहे मजदूरों पर फायरिंग, 4 घायल

भरतपुर। शहर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र में देर रात एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जहां एक कॉन्ट्रैक्टर ने अपने साथियों के साथ मिलकर सीवरेज का काम कर रहे मजदूरों पर फायरिंग और मारपीट कर दी। इस घटना में सीवरेज का काम कर रहे ठेकेदार के हाथ में गोली लगी, जबकि तीन अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का फुटेज भी सामने आया है, जिसमें पूरी वारदात कैद हुई है।

मथुरा गेट थाना अधिकारी हरलाल ने बताया कि रात करीब 12 बजे जवाहर नगर इलाके में झगडे की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सीवरेज लाइन का काम कर रहे मजदूरों और प्लॉट नंबर I-4 के मालिक पुष्पेंद्र सिंह के बीच विवाद हुआ था। जानकारी के अनुसार, जवाहर नगर के भगत सिंह चौराहे के पास सीवरेज का कार्य चल रहा है। मजदूरों ने खुदाई के बाद मिट्टी सड़क पर डाल रखी थी। पास ही रहने वाले कॉन्ट्रैक्टर पुष्पेंद्र सिंह ने देर रात मजदूरों से मिट्टी हटाने को कहा। मजदूरों ने रात में काम करने से मना कर दिया। जिस पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद पुष्पेंद्र सिंह उर्फ पीके ने अपने साथियों के साथ मिलकर मजदूरों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं, आरोपियों ने फायरिंग भी की, जिसमें सीवरेज के ठेकेदार सतीश ठेकेदार के हाथ में गोली लग गई। अन्य तीन मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका आरबीएम अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी ए क्लास के ठेकेदार पुष्पेंद्र सिंह और उसके साले बिरजू को हिरासत में ले लिया है। और थार गाड़ी को जप्त कर लिया है। वहीं कुछ अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। घायल सतीश के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

भरतपुर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच की।

> ■ सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सीवरेज लाइन का काम कर रहे मजदूरों और प्लॉट नंबर I-4 के मालिक पुष्पेंद्र सिंह के बीच विवाद हुआ था।

किला हनुमान मंदिर में बालाजी मेले की तैयारियां तेज

पावटा। क्षेत्र के पावटा कस्बा किला ऊपर स्थित हनुमान जी मंदिर में आगामी 01 व 02 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले बालाजी मेले को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन भीमसिंह चौधरी की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें मेला समिति के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 01 अप्रैल की रात्रि में भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए प्रसिद्ध गायक कलाकार लव स्टार एंड पार्टी को आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही उसी दिन शाम को बालाजी महाराज की आकर्षक झांकी भी निकाली जाएगी, जो क्षेत्रवासियों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी। मेला समिति ने सर्वसम्मति से हर वर्ष की भांति मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाने का निर्णय लिया है, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक माहौल का अनुभव हो सके। वहीं 02 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से दंगल एवं धमाल पार्टी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से पहलवानों व कलाकारों के शामिल होने की संभावना है।मेला आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर मेला समिति के प्रमुख पदाधिकारियों में अध्यक्ष भीम सिंह चौधरी, उपाध्यक्ष योगेश सैनी, कोषाध्यक्ष रामनिवास यादव, सचिव नवीन आर्य, दिनेश आर्य,संजय आर्य, हरि सिंह चौधरी, मोहनलाल गढ़वाल, प्रदीप सक्सेना पुजारी महंत अशोक शर्मा व बंटी शर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हनुमान जी मंदिर में एक व दो अप्रैल को आयोजित होने वाले बालाजी मेले को लेकर बै ठक आयोजित हुई।

> ■ एक अप्रैल को भव्य जागरण होगा

ट्रक,बस, टेम्पो भिड़ंत में दो घायल

भांडारेज। राष्ट्रीय राजमार्ग आगरा जयपुर रोड पर भांडारेज मोड़ पर ट्रक, टेम्पो,बस भिड़ंत में दो घायल हो गए। भांडारेज मोड़ पर खड़े टेम्पो के सिकंदरा की ओर से आ रहे ट्रेलर ने टेम्पो के ट्रक ने टक्कर मार दी।

टेम्पो के बाद ट्रेलर ने दौसा की ओर से आ रही रोडवेज बस को टक्कर मार दी। ट्रेलर की टक्कर से दो टेम्पो क्षितठास्त हो गये , ट्रेलर ने दौसा की ओर से आ रही रोडवेज बस को टक्कर मारी जिसमें रोडवेज बस का चालक घायल हो गया। भांडारेज मोड़ पर चार वाहनों की भिड़ंत होने से राष्ट्रीय राजमार्ग पर आंशिक रूप से जाम लग गया। सुचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल टेम्पो चालक व रोडवेज चालक को एम्बुलेंस की सहायता से इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

भाजपा कार्यकर्ता से बड़ा कोई नहीं होता : विधायक पटेल

कोटपूतली। राजमार्ग स्थित मोरीजावाला धर्मशाला में भाजपा पूर्व मंडल द्वारा आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत मंडल प्रशिक्षण आवासीय वर्ग का राष्ट्रगीत एवं द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ शुभारम्भ किया गया।

इस मौके पर सत्र की अध्यक्षता करते हुये विधायक हंसराज पटेल ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि कार्यकर्ता कभी भी पूर्व नहीं होता, इसलिये कार्यकर्ता से बड़ा कोई नहीं हैं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी की गौरवशाली विचारधारा, राष्ट्र प्रथम की भावना तथा सेवा-संकल्प के मूल मंत्र से प्रेरित किया। संगठन की मजबूती, कार्यशैली एवं जनसेवा के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की।

वक्ता जिला महामंत्री एड. सुरेंद्र चौधरी ने कार्य विस्तार पर प्रकाश डालते हुये संगठन की मजबूती पर जोर दिया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष जयराम गुर्जर ने की। जबकि इस सत्र के वक्ता जिला कार्यालय प्रभारी एड. अशोक सुरेलिया ने संगठन की कार्यपद्धित पर प्रकाश डालते हुये संगठन की मजबूती एवं कार्यकर्ताओं के बौद्धिक विकास पर चर्चा की।

अगले सत्र की अध्यक्षता राजवीर यादव ने की। जबकि वक्ता पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा ने वैचारिक अधिष्ठान पर कार्यकर्ताओं को अपने सत्र में भाजपा की पंच निष्ठाओं के बारे में जानकारी दी। अगले सत्र की अध्यक्षता भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेष महामंत्री एड. हीरालाल रावत ने की। जबकि वक्ता प्रदेश प्रवक्ता पंकज मीणा ने सोशियल मिडिया, एआई, नमो एप तथा सरल एप आदि की जानकारी दी।

इस दौरान मंडल अध्यक्ष राजवीर यादव, विकास डोई, राजाराम कसाणा, देशराज यादव, लीलाराम रावत, रोहिताश चौधरी, पवन सिंह, बंटी यादव, कमलेश छावड़ी, अजय शर्मा, सहीराम कसाणा, गजराज यादव, सुंदर कसाणा आदि कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। संचालन मंडल महामंत्री हंसराज रावत ने किया। राष्ट्रगान के साथ मंडल प्रशिक्षण वर्ग का समापन किया। इस दौरान मंडल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मोर्चों एवं प्रकोष्ठों तथा शक्ति केंद्र के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष आदि मौजूद रहें।

निवाई में सर्व समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आज

निवाई। श्री श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में रामनवमी पर श्री श्याम मंदिर के समीप स्थित प्रांगण में आयोजित सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में 10 जोड़े नए जीवन की शुरुआत करेंगे। संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने बताया कि संस्थान के तत्वावधान में आठवां सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि विवाह सम्मेलन में 10 जोडे विवाह बंधन में बंधेंगे। इनमें 8 जोडे हिन्दू व 2 इस्लामी जोडे शामिल हैं। जिनका विवाह उनके धर्म अनुसार संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि हिंदू जोडों का विवाह आचार्य पंडित मोहनलाल शास्त्री खणदेवत के निर्देशन में 11 विद्वान पंडितों के सानिध्य मं एवं मुस्लिम जोडों का निकाह काजी द्वारा संपन्न करवाया जाएगा। नितिन छाबड़ा ने बताया कि सुबह 10 बजे चिंताहरण गणेश मंदिर से निकासी रवाना होकर विवाह स्थल श्याम मंदिर पहुंचेगी जहां पर तोरण की रस्म अदा की जाएगी। इसके बाद वरमाला का आयोजन होगा। तत्पश्चात पाणिग्रहण संस्कार व निकाह संपन्न होगा। इसके बाद आशीर्वाद समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर वधू के लिए अलग-अलग पंडाल की व्यवस्था की गई है। मेहमानों के ठहरने व भोजन के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। संस्थान के कार्यकर्ता सर्वेश द्विवेदी, रवि अठावाल, भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा, घासी अठावाल, मुरारी अठावाल, विनोद कुमावत, वंश प्रदीप पारीक, शशि टोडवाल, अनिल पारीक सिरस, हरीश गौतम, राकेश शर्मा, आनंद पारीक, अविनाश पारीक, विश्वास पारीक, रवि पारीक, चेतन पारीख व रामचरण विजय सहित संस्थान के कार्यकर्ता व आमजन तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।

पदाधिकारियों ने निवाई में सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए बनाए गए पांडाल की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे आदरणीय पूज्य **श्री किशोर कुमार कलवानी** पुत्र स्व. श्री कन्हैयालाल कलवानी का आकस्मिक निधन दिनांक 23.03.2026 को हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 26 मार्च शाम 6 बजे झूलेलाल मंदिर, सिंधी कॉलोनी, सांगानेर में होगी।

शोकाकुल- राधा (पत्नी), मनीष (पुत्र), दीपा-खेमचंद, सुनीता-संजय, लाजवंती-ललित (पुत्री-दामाद), प्रकाश-रेखा (भाई-भाभी), गिरधारीलाल, मनोज, हेमंत, प्रदीप, दिव्यांशु (भतीजा) एवं समस्त कलवानी परिवार।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-10694 दिनांक-05.03.2026

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 66/126 (MIG-A), (एरिया 91.50 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन सुश्री प्रेम जैन पुत्री श्री के.सी. सिंघवी को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 268 दिनांक 11.05.2000 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 11562 दिनांक 28.02.2012 को जारी किया गया। सुश्री प्रेम जैन के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 16.03.2012 को उप पंजीयक जयपुर-अष्टम के यहां पंजीकृत करवाये गये। सुश्री प्रेम जैन द्वारा उक्त आवास को दिनांक 28.05.2012 के द्वारा श्री दिव्यरत्न चतुर्वेदी पुत्र श्री एम.सी. चतुर्वेदी को विक्रय कर सब रजिस्ट्रार जयपुर पंचम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री दिव्यरत्न चतुर्वेदी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 22.02.2023 के द्वारा श्रीमती रामभरोसी मीना पत्नी श्री रामकेश मीना को विक्रय कर उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्रीमती रामभरोसी मीना पत्नी श्री रामकेश मीना द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती रामभरोसी मीना पत्नी श्री रामकेश मीना का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 31/2026

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री अशोक कुमार जैन ने पंजीकृत प्रन्यास श्री दिगम्बर जैन मंदिर ठोलियान घी वालो का रास्ता जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 267/जयपुर/1966 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र-8 प्रस्तुत किया जिसमें उनके द्वारा प्रन्यास की नवीन कार्यकारिणी का चयन कर स्वयं का बतौर अध्यक्ष तथा श्री राजीव कुमार ठोलीया मंत्री श्री प्रकाश ठोलिया कोषाध्यक्ष, श्री गिरीश जैन मालपुरा वाले सदस्य, श्री छुट्टन कुमार जैन मालपुरा वाले सदस्य, श्री विशाल ठोलीया-उपसभापति, श्री सुरेश ठोलीया-सदस्य, श्री विवेक कुमार जैन मालपुरा वाले-उपमंत्री, श्री आशीष डोडया-सदस्य, श्री जितेन्द्र गोधा-सदस्य, श्री अरूण कुमार ठोलिया-सदस्य, श्री प्रदीप कुमार ठोलीया-सदस्य, श्रीमती शीला जैन डोडया सदस्य, श्री अंकित चांदवाड सदस्य, श्री दर्पण बिलाला-सदस्य मनोनीत कर उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 17.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 22.04.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

इत्तलानाम वाते जाहिर करने वजह न जारी होने डिक्री के

(आदेश 21 नियम 22 जाब्ता दीवानी)

मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम जयपुर

कालू राम सैनी बनाम जगदीश व अन्य

डिक्री बाबत-क्षतिपूर्ति

मुकदमा नं.Execution Claim/7/2025

बनाम-(1) जगदीश पुत्र नामालूम निवासी खानिया, घाटगेट आगरा रोड, जयपुर-302003

(2) रामगोपाल मीणा पुत्र श्री पीपा राम मीणा निवासी नांगल सुसावतान आमेर, जयपुर-302028

चूंकि-प्रार्थी ने डिक्री अदालत प्रकरण संख्या 347/1994 उनवानी कालू राम सैनी बनाम जगदीश व अन्य में पारित आदेश दिनांकित 10.09.2018 को इजराय के लिए दरख्वात पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में दिनांक 30.03.2026 को हाजिर होकर अगर कोई उज्र वास्ते आपके खिलाफ इजराय किये जाने डिक्री रखते हो तो पेश करें।

आज व दिनांक 23.03.2026 व शब्द मेरे दस्तखत मुहर अदालत के जारी किया गया।

मोहर अदालत

सहायक रजिस्ट्रार मोटर दुर्घटना न्यायाधिकरण जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 14/2026

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री अशोक मित्तल ने पंजीकृत प्रन्यास माध्यम चेरिटेबल ट्रस्ट 4/25 ग्राउण्ड फ्लोर, जवाहर नगर, सूर्या पथ, आवासन मण्डल स्कीम, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 80/2021 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र-8 प्रस्तुत किया जिसमें उनके द्वारा श्रीमती रिचा मित्तल को प्रन्यास का कार्यवाहक/कार्यकारी प्रन्यासी (Functioning Trustee) नियुक्त कर उक्त परिवर्तन प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 16.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 23.03.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

खोया पाया

मेरा मकान सं. 63/44 प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र व कार्यालय आदेश कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें-अगम शरण माली-9414787645

मेरे आवास संख्या 251/63 प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर का मूल आरक्षण पत्र एवं लीज मुक्ति प्रमाण पत्र की मूल प्रति कहीं गिर/गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें-अश्वनी जैन मो.8955693100

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 09/2026

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी का नाम अमीन पुत्र पीरू खां जाति...निवासी नरैना जिला जयपुर

मृतक पीरू खां की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 20.05.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम पीरू खां का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 20 माह 05 सन् 2026 उपस्थित न्यायालय होकर आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 25 माह 03 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया। मोहर अदालत

आज्ञा से-रीडर
जिला एवं सैंशन न्यायाधीश क्रम 01 सांभर लेक, जिला जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1912

चूंकि प्रार्थी श्री LAXMI NIWAS BANGUR P.NO. 28 GOMS DEFENCE COLONY 8-AVENUE, VAISHALI NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास जगन्नाथ रतनलाल बांगड ट्रस्ट B-21, 22, GODOWN INDUSTRIAL AREA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 24.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 02.06.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1914

चूंकि प्रार्थी श्री RAJENDRA CHOUDHARY B-195, GANGA SAGAR COLONY NEAR LAXMI NARAYAN MANDIR, VAISHALI NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री पूराराम मेमोरियल संसाथन VILL. PANCHYAWALA VAISHALI NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 24.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 02.06.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण रमजान खान पुत्र श्री गोदन खान एवं सफेदी बानो पत्नी रमजान खान निवासीगण बी-400, संजय नगर भट्टा बस्ती, जयपुर के हमारे पुत्र सलीम खान व पुत्रवधु सोनम बानो हमारे कहने में नहीं है तथा मेरे अभिभाष्यगण के साथ गाली गलौच कर मारपीट एवं अभद्र व्यवहार करते हैं इसलिये मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र व पुत्रवधु को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अगर भविष्य में उक्त दोनों से कोई भी व्यक्ति संव्यवहार लेन देन करता है तो उसकी जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। मेरे अभिभाष्यगण को उक्त लेन देन एवं संव्यवहार से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं होगा। सूचित रहे।
(रामप्रसाद सिकंदर) एडवोकेट, मो. 9828335957

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या माया देवी पत्नी स्व. श्री रमेश, जाति रैगर, निवासी-ए-6 सुमन विहार धावास, जयपुर के द्वारा खसरा नम्बर 451/771 रकबा 6 बीघा 7 बिस्वा में 1/2 हिस्सा ग्राम बिन्द्रायका, तहसील व जिला जयपुर को ना तो कभी अपने जीवनकाल में दिनांक 27.10.2005 को या उससे पहले या उसके पश्चात ना तो खरीद किया है और ना ही उसके पश्चात ना ही दिनांक 17.07.2006 को किसी को बेचान किया है। उक्त खसरा को ना तो ऐसे किसी खरीद व बेचान के बाबत रूपयों प्राप्त किया गया ना ही कब्जा प्राप्त किया गया है ना ही कब्जा दिया गया है जब उक्त सम्पत्ति पर मेरी अभिभाष्या का कोई अधिकार ही नहीं है तो ऐसा कोई भी संव्यवहार मरी अभिभाष्या द्वारा किये जाने का कोई औचित्य नहीं है। मेरी अभिभाष्या के नाम से अगर कोई भी रजिस्टर्ड या अनरजिस्टर्ड दस्तावेज (इकरारनामा, मुख्त्यारनामा, विक्रय पत्र, कब्जा पत्र, वसीयत, हक त्याग इत्यादि) इस सम्पत्ति बाबत अगर निष्पादित है तो वे सब धोखे से करवाये गये है। इन दस्तावेजों को व इनसे उत्पन्न सभी प्रकार के व अधिकारों को मेरी अभिभाष्या सीरे से खारिज करती है और ऐसे दस्तावेज के अस्तित्व को निरस्त करती है। वह सभी दस्तावेज शून्य समझे जावें। उन दस्तावेजात के सम्बन्ध में उनके आधार पर कोई भी व्यक्ति या संस्था कोई भी कार्यवाही नहीं करें, यदि कोई व्यक्ति संस्था कार्यवाही करता है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं की होगी। सूचित रहे।
इस्लाम खान, एडवोकेट, मो. 7976457730

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक प्लाट नम्बर ए-4, श्री गणपति नगर, ग्राम रामसिंहपुरा बास, सांगानेर, जयपुर राजस्थान में स्थित है। यह कि जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर ने उक्त वर्णित सम्पूर्ण प्लाट नम्बर ए-4, श्री गणपति नगर, ग्राम रामसिंहपुरा बास, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान (कुल क्षेत्रफल 200 वर्गगज) का पट्टा विलेख क्रमांक 22 दिनांक 25.02.2014 श्री प्रेम शंकर सुमन पुत्र स्वर्गीय श्री लक्ष्मीनारायण के नाम जारी कर दिया था, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय, जयपुर (प्रथम) में दिनांक 25.03.2014 ईस्वी को हुआ है।
यह कि श्री प्रेम शंकर सुमन का दिनांक 26.02.2025 को स्वर्गवास हो चुका है तथा श्री प्रेम शंकर सुमन के स्वर्गवास के पश्चात स्वर्गीय श्री प्रेम शंकर सुमन के कानूनी उत्तराधिकारियों एवं वारिसानों का सजरा निम्न प्रकार से रहा- श्रीमती द्वारकी देवी (धर्मपत्नी) श्री विनोद शंकर श्रृंगी (पुत्र), श्री राकेश शंकर श्रृंगी (पुत्र) एवं श्रीमती विजय लक्ष्मी गुप्ता (पुत्री)।
यह कि श्री विनोद शंकर श्रृंगी, श्री राकेश शंकर श्रृंगी एवं श्रीमती विजय लक्ष्मी गुप्ता ने हक त्याग पत्र लिखा हुआ दिनांक 16.12.2025 उक्त वर्णित सम्पूर्ण प्लाट नम्बर ए-4, में निहित अपना सम्पूर्ण अविभाजित हिस्सा अपनी माताजी श्रीमती द्वारकी देवी धर्मपत्नि स्वर्गीय श्री प्रेम शंकर सुमन के हक में त्याग कर दिया है।
यह कि मोईनुद्दीन खान पुत्र अब्दुल रहमान खान ने उक्त प्लाट नम्बर ए-4, का (उत्तरी हिस्सा) क्षेत्रफल 100 वर्गगज श्रीमती द्वारकी देवी से खरीद करना चाहता है तथा उक्त सम्पत्ति की खरीद हेतु मोईनुद्दीन खान ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से ऋण हेतु आवेदन भी किया है यदि उक्त सम्पत्ति के विक्रय/हस्तान्तरण इत्यादि के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों, संस्था, कम्पनी इत्यादि को किसी भी प्रकार की आपत्ति, आक्षेप इत्यादि हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिन (सात दिन) की अवधि में मुझे सूचित करें, अन्यथा बाद मियाद आपत्ति अमान्य मानी जावेगी तथा उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का विधिवत पंजीयन करा दिया जायेगा।
दिनांक-25.3.2026 शशांक टिक्कीवाल, एडवोकेट
स्थान-जयपुर मो.नं. 9166400777

नाम परिवर्तन

मैं सुधा शर्मा (SUDHA SHARMA) पुत्री ओमप्रकाश जो कि महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम खासौली चूरू में कार्यरत हूँ। मैंने अपना नाम सुधा कुमारी (SUDHA KUMARI) से बदलकर/त्यागकर सुधा शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे सुधा शर्मा (SUDHA SHARMA) के नाम से ही जाना व पहचाना जावें।

मैंने अपना नाम MO. SADIK व MOHAMMED SADIQUE से बदलकर MOHAMMAD SADIQUE पुत्र श्री नबी बक्श मंसूरी रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना जावें। निवासी मकान नम्बर 1210 नमदा फैक्ट्री के पास बास चार दरवाजा के बाहर जयपुर

I SUDHA SHARMA D/o Ompraksh working as a teacher in Mahatma Gandhi G English school in village Khansoli Churu (Raj.) I have changed my name from SUDHA KUMARI to SUDHA SHARMA for all future purpose.

उत्तर पश्चिम रेलवे

No. EL/C/TRD/JP/T01/23 दिनांक : 23.03.2026

PROFORMA-10.01

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्त्ताओं को एतत् द्वारा सूचना दी जाती है कि जयपुर मंडल, उत्तर पश्चिम रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज, एसी शिरोपरि कर्षण तारों को खण्ड के सामने निविर्दिष्ट तारीख **31.03.2026** को या उसके बाद ऊर्जित किया जाएगा। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरि कर्षण लाईन को सब समय विद्युन्मय माना जाएगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरि लाईन की सामीप्यता में दाखिल होने या काम करने नही जाएगा।

खण्ड	तारीख
KWP YARD Ph.-II From KWP YARD,From KM: 221/809.25 (Loc. 221/45N) to Km. 224/528.50 (Loc. 224/25N, 224/25AN, 224/19AN, & FTA W-13N, FTA W-14N) of Khatipura yard line No.13 to 20 of Jaipur Division of North western Railway.	31.03.2026

"सड़क उपभोक्ताओं को चेतावनी"

जन साधारण को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के जयपुर डिवीजन की खातीपुरा यार्ड लाइन नंबर 13 से 20 के सेक्शन KWP यार्ड, KM: 221/809-25 (Loc- 221/45N) से Km-224/528.50 (Loc- 224/25N, 224/25AN, 224 /19AN, & FTA W-13N, FTA W -14N) पर ओवरहेड ट्रैक्शन वायर **31.03.2026** को या उसके बाद 25 KV पर चार्ज किया जाएगा। सभी लेवल क्रॉसिंग पर हाइट गेज लगाए गए हैं, जिनकी सड़क लेवल से क्लियर ऊंचाई 4.85 मीटर से 4.87 मीटर है, ताकि ज्यादा ऊंचाई वाले लोड लाइव ट्रैक्शन तारों (कॉन्टैक्ट वायर) के संपर्क में न आएं या उनके खतरनाक रूप से पास न आएं जो लेवल क्रॉसिंग पर रेल लेवल से कम से कम 5.5 मीटर की ऊंचाई पर होंगे।

जन साधारण को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड से किसी भी स्थिति में ऊंचाई गेजों का उल्लघन न करें।

अत्यधिक ऊंचाई के लोड के खतरे निम्नानुसार है:

1 ऊंचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन पर बाधा।
2. वाहन पर ले जाये जा रहे सामग्रीयों या उपस्कर को खतरा।
3. चालको की खतरनाक सामीप्यात या सम्पर्क के कारण आग का खतरा और जीवन की हानि का खतरा।

435-DR/26

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

संक्षिप्त

भगवान शालिग्राम पीपल का विवाह आज

निवाई। मायला कुंड पर स्थित श्री संतोषी माता मंदिर में गुरूवार को भगवान शालिग्राम व पीपल का विवाह का आयोजन किया जाएगा। संतोषी माता आश्रम के महंत रामगोपालदास महाराज ने बताया कि रामनवमी के पावन अवसर पर संतोषी माता मंदिर में पीपल विवाह का ाव्य आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर सर्राफा बाजार में स्थित श्रीजी के मंदिर से भगवान शालिग्राम की बारात आएगी। पीपल माता के विवाह को लेकर बुधवार को हल्दी व मेहंदी की रस्म संपन्न हुई। इससे पूर्व चाक पूजन की रस्म की गई। इसके बाद महिलाएं मिट्टी के बासण लेकर मंगल गीत गाते हुए विवाह स्थल संतोषी माता मंदिर पहुंची। जहां पर विधि विधान से बासणों की पूजा की गई। इसके बाद भात पहनाने का कार्यक्रम आयोजित हुआ। संत रामगोपालदास महाराज ने बताया कि संतोषी माता आश्रम में 9 दिवसीय 11 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक भक्तमाल की कथा एवं यज्ञ हो रहा है। भक्तमाल कथा में संत जानकीशरण महाराज कथा वाचन कर रहे हैं। शाम को 7 से 9 बजे तक श्री राम कथा पर वृंदावन के संत घनश्यामदास महाराज प्रवचन दे रहे हैं। आयोजन में सुबह से लेकर रात तक हजारों श्रद्धालु धर्म लाभ कमा रहे हैं।

शिवराज बने जिला महासचिव

निवाई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष एडवोकेट पंकज यादव ने डांगरथल निवासी शिवराज गुर्जर पुत्र देवकरण गुर्जर को ओबीसी विभाग के जिला महासचिव के पद पर नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष ने नवनियुक्त जिला महासचिव शिवराज गुर्जर को संगठन में सामाजिक व राजनीतिक उत्थान में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है।

श्रीराम जन्मोत्सव का आगाज कल से

सिरस। श्री केशवराय मंदिर में मंदिर विकास समिति के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्रीराम जन्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष देवराजसिंह राजावत ने बताया की श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर 27 मार्च को केशवराय मंदिर में दोपहर 12 बजे भगवान का सामूहिक अभिषेक, ध्वजारोहण व आरती का आयोजन किया जाएगा। शाम को भजन संकीर्तन के साथ मंदिर से भगवान की शोभायात्रा निकाली जाएगी। शौभायात्रा में हर घर के सामने आरती की जाएगी।

एलपीजी की जमाखोरी, कालाबाजारी तथा दुरूपयोग पर सख्त कार्रवाई करें : कलेक्टर

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा कि जिले में एलपीजी गैस, डीजल और पेट्रोल की पर्याप्त सप्लाई और स्टॉक है। उन्होंने उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिये कि अफवाहों के प्रति सचेत रहें तथा उन पर कड़ी कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सम्पर्क पोर्टल तथा हेल्पलाइन नम्बरों पर एलपीजी की आपूर्ति से संबंधित शिकायतों का 24 घंटे में समाधान करने के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एलपीजी गैस की आपूर्ति के संबंध में बैठक लेकर एसडीओ व खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में एलपीजी गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी और दुरूपयोग पर कड़ी नजर रखें तथा इनके विरुद्ध एफआईआर करवाएं। साथ ही जिले में एलपीजी सप्लाई को लेकर किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने इसके लिए प्रो एक्टिव रहकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिले में निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन, पुलिस तथा ऑइल व गैस कम्पनियों के नोडल अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी स्थानीय एलपीजी आपूर्ति की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रतिदिन के स्टॉक और आपूर्ति पर निगरानी के लिए पेट्रोल पंपों तथा गैस एजेंसियों का नियमित रूप से निरीक्षण के भी निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने कहा कि गैस आपूर्ति में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए केवल ऑनलाइन बुकिंग को ही स्वीकार किया जाए तथा आपूर्ति ओटीपी के माध्यम से ही की जाए। उन्होंने हेल्पलाइन नं. 14435,112,181 के माध्यम से आमजन की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने पर जो दिया। उन्होंने कहा कि गलत बुकिंग रोकने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल के अलावा अन्य मोबाइल नम्बर से बुकिंग के लिए आधार सत्यापन जरूरी कर दिया गया है। बैठक में एडीएम रामरतन सौकरिया, एडीएम मालपुरा विनोद कुमार मीना, एडीएम बीसलपुर भूपेन्द्र यादव, सभी उपखंड अधिकारी, डीएसओ इन्द्रपाल मीना सहित गैस एवं ऑइल कम्पनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

टोंक जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

- एलपीजी की आपूर्ति से संबंधित शिकायतों का 24 घंटे में समाधान के निर्देश दिये

सार-समाचार

आचार्यश्री को श्रीफल भेंट

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव को लेकर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अठावाल मंदिर में बडा मंदिर कमेठी के पदाधिकारियों ने अचार्य इन्द्रनन्दी महाराज ससंघ को श्रीफल भेंट किया। अठावाल युवा परिषद के अध्यक्ष सुनिल भाणजा ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि महोत्सव को लेकर सोमवार को प्रात: प्रभात फेरी निकाली जाएगी। दोपहर में श्रीजी की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद आचार्यश्री के सानिध्य में श्रीजी का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा।

भारत का रोडमैप 2047 का विमोचन

भरतपुर (निस)। ग्रामीण विकास के प्रख्यात मर्मज्ञ, सामाजिक विचारक एवं समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता तथा सीएसआर इंडिया के संस्थापक रुसेन कुमार द्वारा लिखित बहुचर्चित पुस्तक इंडिया 100 रिसर्जेंट भारत का रोडमैप 2047 का भव्य विमोचन इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक गरिमामयी राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान सम्पन्न हुआ। यह आयोजन न केवल पुस्तक विमोचन तक सीमित रहा, बल्कि भारत के भविष्य के विकास मॉडल पर एक सार्थक विमर्श का मंच भी बना। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री सुरेश प्रभु तथा विख्यात कृषि अर्थशास्त्री एवं पद्मश्री से सम्मानित अशोक गुलाटी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह, भारत में सीएसआर एवं सस्टेनेबिलिटी के अठादूत डॉ. भास्कर चटर्जी, मनी कण्ट्रोल के प्रबंध संपादक नलिन मेहता, डॉ. जवाहर सूरीसेट्टी एवं सचिन जेकेएस हरिताश शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयं पुस्तक के मुख्य लेखक एवं समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में सीताराम गुप्ता ने अपने विचार रखते हुए बताया कि यह पुस्तक जीवन एवं आजीविका के मूल सिद्धांत पर आधारित है। इसमें आम नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने के साथ-साथ व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया है। पुस्तक में स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, कृषि, पशुपालन, पर्यटन, जल प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों का गहन एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।

नगर पालिका प्रशासन के दावे फेल

किशनगढ़ बास । खैरथल तिजारा जिले के किशनगढ़ बास सहित क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। जिला प्रशासन और नगर पालिका द्वारा कुत्तों को पकड़ने के लिए टेंडर जारी करने के बावजूद धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। हालात ऐसे हैं कि शहर से लेकर गांव तक लोग भय के साये में जीने को मजबूर हैं, और हर दिन कुत्तों के हमलों की खबरें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा कई बार दावे किए गए कि आवारा कुत्तों को पकड़कर समस्या का समाधान किया जाएगा, लेकिन ये दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं।

किशनगढ़ बास में पेंशनर्स ने जताया विरोध, एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

किशनगढ़ बास। राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा किशनगढ़ बास ने वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पारित नोटिफिकेशन के विरोध में एसडीएम मनीष जाटव को ज्ञापन सोपा है। पेंशनर समाज ने इसे काला कानून की संज्ञा देते हुए सरकार से पुन: विचार की मांग रखी है।

पेंशनर्स समाज ने ज्ञापन में लिखा है कि कानून में पेंशनर्स को देय समस्त लाभों से वंचित किए जाने का हवाला दिया गया है। सरकार की मंशा तो यहां तक कही जा रही है कि इस कानून के बन जानें के कारण पूर्व पेंशनर्स को मिल रही पेंशन या तो बंद हो जाएगी अथवा आशिक पेंशन फिक्स कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस काले कानून के लागू होने से पेंशनर्स के हितों पर कुठाराघात तो होगा ही साथ में आजीविका पर भी प्रश्न खड़ा हो गया है। जिसको लेकर पेंशनर्स में आक्रोश है। और उन्होंने सरकार से पुन: विचार की मांग रखी है।

ज्ञापन के दौरान उप शाखा अध्यक्ष सुल्तान सिंह यादव, कैलाश गौड, जयप्रकाश सेन, जगदीश खुराना, मदनलाल, महेश भारद्वाज, भगवान मिश्रा, अभय जैन, शीशराम, डालूराम, बालवीर, भगत सिंह, हरि सिंह, रामोवतार, हरीश शर्मा, लख्मीचंद, ताराचंद, प्रेम कुमार सहित पेंशनर्स समाज के लोग मौजूद रहे।

पेंशनर्स ने काला दिवस मनाया

निवाई। राजस्थान पेंशनर समाज के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी वैधता अधिनियम 2025 के विरोध में अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के आव्हान पर काला दिवस मनाया। इस दौरान पेंशनर्स ने एसडीएम प्रीति मीणा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपकर इस अधिनियम को तत्काल वापस लेने की मांग की है।

नवप्रवेशोत्सव व मेगा पीटीएम में उमड़ा जनसैलाब

पावटा। राजकीय प्राथमिक विद्यालय रेला में 25 मार्च 2026 को शिक्षा के प्रति जागरूकता और उत्साह का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब विद्यालय परिसर में नव प्रवेशोत्सव के साथ मेगा पीटीएम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ग्रामीणों, अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों की बडी संख्या में भागीदारी ने इसे एक यादगार आयोजन बना दिया। इस अवसर पर सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणाम प्रस्तुत किए गए, जिन पर अभिभावकों ने संतोष व्यक्त करते हुए शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। वहीं आगामी सत्र 2026-27 के लिए ठाामीणों के सामूहिक सहयोग से नए विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक नामांकन भी किया गया। शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता ने पूरे माहौल को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।कार्यक्रम में सरपंच श्रवण सिंह शेखावत, सुबेदार सिंह, पूर्व सरपंच रामकरण गुर्जर, मनोज सिंह, सुरेंद्र सिंह, नाहर सिंह टेटरला, निरंजन, विक्रम सिंह, किशोर, सुरसिंह, दशरथ बलाई, जयमल कलाई, सुनील कलाई, मीरा मीणा सहित अनेक गणमान्य ग्रामीणों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण सरपंच श्रवण सिंह शेखावत द्वारा बच्चों को निशुल्क स्कूल बैग एवं स्टेशनरी सामठाी वितरण रहा, जिससे बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस पहल ने शिक्षा के प्रति बच्चों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।अपने संबोधन में सरपंच श्रवण सिंह शेखावत ने कहा कि यदि ठाामवासी इसी तरह एकजुट होकर विद्यालय का सहयोग करते रहे, तो रेला का यह विद्यालय जल्द ही क्षेत्र

श्रीराम की शोभायात्रा आज

पावटा। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के पावन अवतरण दिवस रामनवमी के अवसर पर आज पावटा, प्रागपुरा नगर में आकर्षक झाकियों के साथ प्रभु श्री राम की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह का माहौल बनने लगा है। पर्व को भव्य, अनुशासित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पावटा कस्बा स्थित प्राचीन श्री सीताराम मंदिर व प्रागपुरा गुजेडा मंदिर परिसर में रामनवमी शोभायात्रा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। शोभायात्रा की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अनुशासन बनाए रखने जैसे विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मंदिर सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आज निकाली जाने वाली शोभायात्रा को ऐतिहासिक और आकर्षक बनाया जाएगा।शोभायात्रा में भगवान श्रीराम की मनमोहक झांकियां, भजन-कीर्तन, भक्ति गीत एवं पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर धुन के साथ बडी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे।

वक्ताओं ने कहा कि रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों सत्य, मर्यादा, त्याग और धर्म को जीवन में आत्मसात करने का संदेश देती है, यह पर्व समाज में सद्भाव, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी अवसर है। शोभायात्रा को शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से संपन्न कराना सभी की जिम्मेदारी है। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि इस वर्ष की रामनवमी शोभायात्रा को भव्य, अनुशासित और ऐतिहासिक बनाया जाएगा। पावटा प्रागपुरा नगर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठेगा।

बिंदिया शर्मा ने 10वीं बोर्ड में 96.17 अंक हासिल किए

पावटा। राजस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पावटा की होनहार छात्रा बिंदिया शर्मा ने कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 96.17 अंक प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बिंदिया शर्मा पुत्री मनोज कुमार शर्मा जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की। बिंदिया की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। स्कूल निदेशक एवं समस्त स्टाफ ने बिंदिया को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उसके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व जताया। साथ ही छात्रा की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन को इस सफलता का मुख्य आधार बताया।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बिंदिया शर्मा की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। इस अवसर पर ब्राह्मण महासभा पावटा नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, महामंत्री विष्णु पटेल, उपाध्यक्ष गिरिराज बोहरा, दीपक पटेल, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, गजानंद बोहरा, मोहन गौड, योगेश शर्मा, विकास शर्मा, रामशरण बोहरा, दिनेश शर्मा, मुकेश पटेल सहित परिजनों और क्षेत्रवासियों ने भी बिंदिया को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

- बिंदिया की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। स्कूल निदेशक एवं समस्त स्टाफ ने बिंदिया को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी

पावटा की होनहार छात्रा बिंदिया शर्मा का कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में शानदार उपलब्धि पर सम्मान किया।

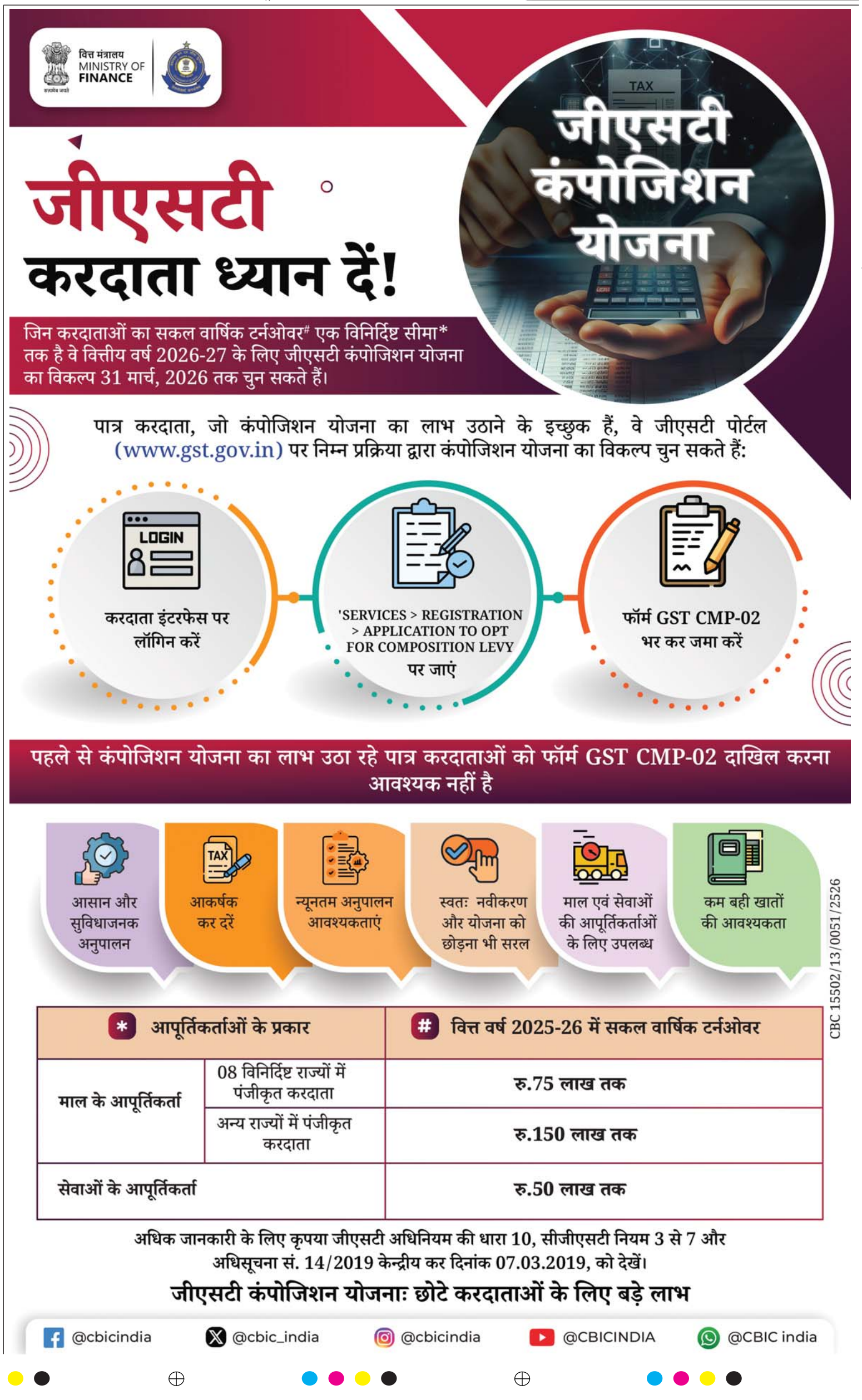

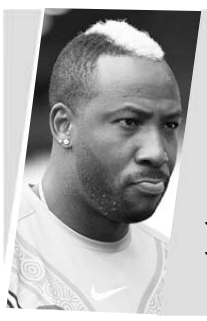

सन 2014 से 2025 तक टीम का हिस्सा रहे, सिर्फ 2017 सीजन को छोड़कर। पिछले साल नवंबर में उन्होंने से संन्यास लिया और अब टीम के पावर कोच की भूमिका निभा रहे हैं।
- आंद्रे रसेल

पूर्व वेस्टइंडीज खिलाड़ी, अपने करियर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्पेंसर जॉनसन

चेन्नई सुपर किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया है। उन्हें चोटिल नाथन एलिस की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर 1.5 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर साइन किया गया है। एलिस पुरानी हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिसंबर में हुए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने बेन डकेट को 2 कोरड़ रुपये में खरीदा था। डकेट पहली बार खेलने वाले थे, लेकिन टीम में विदेशी खिलाड़ी के स्लॉट के लिए उन्हें श्रीलंका के पथुम निसांका से कड़ी टक्कर मिल रही थी।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में भिड़ेंगे। दोनों टीमें 113 साल पहले भी लॉर्ड्स पर टेस्ट मैच में भिड़ चुकी हैं।

जयपुर और जयगढ़ टीम होगी आज आमने-सामने

टीम जयगढ़ ने जीता आरपीसी कप द्वितीय टूर्नामेंट का पहला मैच

जयपुर, 25 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर सीजन के आखिरी टूर्नामेंट आरपीसी कप - द्वितीय (आउट ऑफ हैट) का बुधवार को आगाज हुआ। टूर्नामेंट का पहला मैच टीम जयगढ़ और टीम नाहरगढ़ के बीच खेला गया। इस मुकाबले में टीम जयगढ़ 8.5- 6 के स्कोर से टीम नाहरगढ़ को हराकर विजयी बनी। विजेता टीम जयगढ़ से शुभम गुप्ता ने 3 गोल हासिल किए। वहीं, बलबीर सिंह और अश्विनी शर्मा ने 2-2 गोल किए। टीम के लिए योगेंद्र सिंह ने 1 गोल अर्जित किया। यहां, टीम जयगढ़ को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, टीम नाहरगढ़ की ओर से तरुण बिलवाल ने 3 गोल, सिद्धांत सिंह ने 2 गोल और नरेंद्र सिंह ने 1 गोल किया। टीम से विग्रहराज सिंह कोठारिया भी खेले। का मैच इस टूर्नामेंट का दूसरा मैच 26 मार्च, गुरुवार को शाम 5 बजे से राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मुकाबला टीम जयपुर और टीम जयगढ़ के बीच आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट का फाइनल शनिवार, 28 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा।

एजीएफ 11 ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, मुकाबलों में दिखा जबरदस्त रोमांच

अजमेर, 25 मार्च। अजमेर में आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले माली (सैनी) प्रीमियर लीग 2026 (सीजन-1) के तीसरे दिन भी खेल प्रेमियों को रोमांचक मुकाबलों का भरपूर आनंद देखने को मिला। पूरे दिन मैदान पर जोश, उत्साह और प्रतिस्पर्धा का शानदार माहौल बना रहा। अविनाश गहलोत फाउंडेशन, अजमेर के जिला संयोजक हिमांशु टांक ने बताया कि प्रतियोगिता दिन-प्रतिदिन और अधिक रोचक होती जा रही है तथा आने वाले मुकाबलों में कड़ा संघर्ष देखने को मिलेगा। दिन के पहले मुकाबले में एजीएफ 11 और श्री श्याम पुष्कर क्लब आमने-सामने थे। एजीएफ 11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में जीत दर्ज की और अपने इरादे मजबूत किए। इसके बाद दूसरे मुकाबले में जेएलएन और वार्ड 62 के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें वार्ड 62 की टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम की। दिन का तीसरा और सबसे अहम मुकाबला एजीएफ 11 और वार्ड 62 के बीच खेला गया। इस निर्णायक मुकाबले में एजीएफ 11 ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बड़ी संख्या में उपस्थित खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. विजय सैनी मौजूद रहे। साथ ही सीनियर नर्सिंग ऑफिसर कमलेश सैनी सहित कई गणमान्य समाजबंधुओं ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। मैचों में अंपायरिंग की जिम्मेदारी मुकेश चौहान और हनी ने निभाई, जबकि साउंड और टेंट की व्यवस्था नीरज भाटी द्वारा की गई। मुकाबलों की रोचक कमेंट्री राजू बनिस्थिया ने की। आयोजकों ने जानकारी दी कि 26 मार्च को होने वाले मुकाबलों में बाबा रामदेव क्लब ब्यावर का सामना फुलेरा से होगा, जबकि दूसरा मुकाबला वर्णिका स्टोन जोधपुर और करणी माता क्रिकेट क्लब सीकर के बीच खेला जाएगा। सभी खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की गई है।

ईएमसीएल स्टाइल वॉक 2026 : जयपुर में ग्लैमर, क्रिकेट और मनोरंजन का शानदार आगाज

जयपुर, 25 मार्च। इवेंट मैनेजर्स क्रिकेट लीग (ईएमसीएल), संस्करण 9 की भव्य शुरुआत बुधवार को अनंत महल, मानसरोवर में आयोजित स्टाइल वॉक 2026 एवं आधिकारिक टीम घोषणा समारोह के साथ हुई। इस आयोजन का संचालन संस्थापक रवि यादव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें आयोजन समिति के सदस्य - अमित सरीन, आशीष बहेती, राजन वर्मा, लक्ष्य अग्रवाल, अमित गुप्ता, दलजीत सिंह एवं विष्णु गुप्ता के समन्वित प्रयासों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक साकार किया।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दिग्गज तिलकरत्ने दिलशान, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। इस अवसर पर 12 टीमों की आधिकारिक घोषणा की गई, जिनमें 1 टीम हैदराबाद से, 6 टीमें दिल्ली से और 5 टीमें जयपुर से शामिल हैं। इन टीमों में टाइगर जेसी, इवेंट्स युग, इनोसेप्ट स्ट्राइकर्स, मैप्सर वॉरियर्स, आयुष्मान चैलेंजर्स, दिल्ली मैवेरिक्स, एचओसी हरिकेन्स, एयर स्काई हॉक्स, वर्वे स्मैशर्स, एसएस एलेवन, ऑल स्टार्स सीसी और मान्यम रॉयल्स शामिल हैं। सभी टीमों को 4 समूहों में विभाजित किया गया है।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

अभय की शानदार पारी तथा उमेश की घातक गेंदबाजी से एसजे एकेडमी सेमीफाइनल में

जयपुर, 25 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज करोल क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये क्वार्टर फाईनल मैच में अभय शर्मा 86 रन (54 गेंद 9 चौके, 3 छक्के) उमेश मीणा 13 रन पर 5 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत आर.डी. क्रिकेट एकेडमी को 86 रन से हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर एस. जे स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने अभय शर्मा 86 रन, हरीश सैनी 46 रन, राजेन्द्र गुर्जर 17 रन, रिहान अली 14 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 187 रन बनाये।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND
S.No./M.B.Nath/NIT/Const./2026/19095 Date : 19-03-2026
Notice Inviting Bid
Bids for different works Nit No. 60/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to Date 28-03-2026 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.
UBN No. - 1.- DLB2526WSOB39783
Commissioner
Raj.Samwad/C/25/23242 Municipal Board Nathdwara

कार्यालय नगरपालिका, रतननगर (चूरू)
फोन नं- 01562-281224 ईमेल- mun_rnagar@yahoo.in
Date : 19-03-2026
Notice Inviting Bid
Bids for of Supply Tractor & trolly work invited from interested bidders upto 11:30 AM 30-03-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.
UBN is: DLB2526SLRC39563, DLB2526SLRC39565
Executive officer
Raj.Samwad/C/25/23277 Municipal Board, Ratannagar

कार्यालय नगरपालिका, रतननगर (चूरू)
फोन नं- 01562-281224 ईमेल- mun_rnagar@yahoo.in
Date : 19-03-2026
Notice Inviting Bid
Bids for of cleaning work invited from interested bidders upto 11:30 AM 05-04-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.
UBN is: DLB2526SLRC39552, DLB2526SLRC39555, DLB2526SLRC39558, DLB2526SLRC39559
Executive officer
Raj.Samwad/C/25/23278 Municipal Board, Ratannagar

जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.
गांधी नगर रेलवे स्टेशन के पास, जयपुर, ईपीएबीएक्स: 0141-2713666-69, फैक्स: 0141-2711075
e-mail: jaipurdairy@jaipurdairy.com website: http://www.jaipurdairy.com
निविदा सूचना
(1) Nib Code:- CDF2526A1457 - जयपुर दुग्ध संघ परिसर में मल्टीलेयर असेप्टिक पैक UHT घी लैमिनेट, फ्लेवरड मिल्क कैन 200ml, साल्ट फॉर बायलर, CFC फॉर श्रीखंड कप 100gm, टैंकर सील, इत्यादि पैकेजिंग मटेरियल की आपूर्ति हेतु, (2) Nib Code:- CDF2526A1458 - Operation & Maintenance of 1 Kg SMP Packing FFS Machine कार्य हेतु, (3) Nib Code:- CDF2526A1459 - पॉलीथीन स्क्रैप बेचने के कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है जिनकी सम्पूर्ण शर्तें एवं अन्य विस्तृत विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in एवं www.jaipurdairy.com पर भी देखी जा सकती है।
प्रबन्ध संचालक
जीवन में भरे रस - हमारा प्यारा

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/सफाई शाखा/2025/12365 दिनांक :- 18.03.2026
-: ई-निविदा सूचना-2025-26 :-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 30.03.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक DLB2526SLOB39454, DLB2526SLOB39455 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/23287 आयुक्त, नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)
क्रमांक : न.पा.रा./2026/1615 दिनांक : 19.03.2026
ई-निविदा सूचना 2025-26
नगर पालिका रामगंजमंडी में वर्ष 2026-27 हेतु वार्षिक अनुबन्ध पर सक्षम श्रेणी में पंजिकृत व अन्य विभागों के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 19.03.2026 से 08.04.2026 एवं अपलोड करने की दिनांक 19.03.2026 से 08.04.2026 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 09.04.2026 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 10.4.2026 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526B3292	DLB2526SLRC39547
		DLB2526SLRC39549

राज.संवाद/सी/25/23248 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका सावर, जिला-अजमेर (राज.)
E-mail : npsawar@gmail.com Ph. - 01467-294025
क्रमांक/न.पा.सा./स्टोर/2025-26/21178248 दिनांक :- 19.03.2026
ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 16/2025-26
नगर पालिका सावर के रेफरेंस क्रमांक 21178248 दिनांक 19.03.2026 द्वारा निविदा सूचना 16/2025-26 द्वारा सप्लाई कार्य के लिये योग्य संवेदकों/फर्मो से निर्धारित प्रपत्र मे निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा http://sppp.raj.nic.in/ एवं https://eproc.rajasthan.gov.in से देखी जा सकती हैं। सशर्त निविदा मान्य नहीं होगी।

Work Name	Supply, installation, commissioning, and maintenance of IP based CCTV Video Surveillance Systems
Place	Municipal Board Sawar
NIB CODE	Eproc ID : 2026_DLB_547592_1 SPPP ID : DLB2526B3333
No. of Work	01
Total Work Amount	130.00 Lacs
Publishing Date & Time	20.03.2026 प्रातः 09:00 से
Bid Start Date & Time	20.03.2026 प्रातः 09:00 से
Bid Submission End Date & Time	19.04.2026 सांय 06:00 बजे तक
Website for Downloading tender document	https://eproc.rajasthan.gov.in
Tender DD & Documents Submission Start Date & Time	20.04.2026 प्रातः 11:00 बजे से
Tender DD & Documents Submission End Date & Time	20.04.2026 दोपहर 02:00 बजे से
Tender Opening Date & Time	20.04.2026 को सांय 04:00 बजे
Bid Validity Period	90 Days From the Date of Submission.

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/23252 नगर पालिका, सावर

जयपुर जिला क्रिकेट संघ : महिला ए डिवीजन लीग

चंबल स्पोर्ट्स ने राजीव गांधी क्लब को हराया

जयपुर, 25 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में खेले गए मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने राजीव गांधी क्लब को 1 विकेट से हराया। राजीव गांधी क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिस्टी माथुर के 24 रन, श्री चौधरी के 37 रन, ज्योति चौधरी के 17 रन, पारी मेहता के 26 रन, रिंकू टांक के 20 रन, मीनाक्षी के 11 रनो से 50 ओवर में 185 तन बनाकर आउट हुई। चंबल स्पोर्ट्स के लिए अंशील ने 18 पर 3, अर्चना योगी ने 25 पर 3, खुशी जैन ने 45 पर 3 व रितिका भाटी ने 34 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी मे चंबल स्पोर्ट्स ने सीजे भाटी के 51 रन, निशा गुर्जर के 15 रन, अंशील के 43 रनो से 37. 2 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन बना कर मैच जीत लिया। राजीव गांधी क्लब के लिए रिंकू टांक ने 27 पर 3, लावण्या शर्मा ने 25 पर 2, मिस्ती माथुर ने 24 पर 2 व मीनाक्षी व परी मेहता ने एक - एक विकेट लिया।

स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग

निलय अरोड़ा की अर्द्धशतकीय पारी से जीती राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 25 मार्च। नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.4 ओवर में 201 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें नीलय अरोड़ा ने 68 रन व सक्षम ने 34 रनों की पारी खेली। रॉयल क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में उज्जवल चौधरी ने तीन विकेट और वैभव शर्मा व प्रियांशु यादव ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल क्रिकेट एकेडमी 20 ओवर में मात्र 72 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें रणवीर ने 24 रनों का योगदान दिया। राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में अक्षत मेंनारिया व मानवेंद्र ने तीन-तीन विकेट और गगन सोनी व युग झांझरिया ने दो-दो विकेट लिए। राजीव

गांधी क्रिकेट अकादमी ने 129 रन से मुकाबला जीता। **मैन ऑफ द मैच- अक्षत मेंनारिया :** दिन का दूसरा मुकाबला नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। जिसमें जयपुरिया क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 औवर में 199/5 रन बनाए। जिसमें पुलकित ने 100 रन व रचित पटेल ने 54 रनों की पारी खेली। नारायणा क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में दक्ष बागवान ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नारायणा क्रिकेट अकादमी 28.1 ओवर में 200/4 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। जिसमें आदित्य यादव ने 85 रन व शिवम पाल ने 56 रनों का योगदान दिया। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में समक्ष जैन व दिव्यांश ने दो-दो विकेट लिए। नारायणा क्रिकेट अकादमी ने 6 विकेट से मुकाबला जीता।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी तीसरे घरेलू मुकाबले में डायमंड हार्बर एफसी का सामना करने के लिए तैयार

जयपुर, 25 मार्च। राजस्थान यूनाइटेड एफसी अपने सीजन के तीसरे घरेलू मुकाबले में 26 मार्च 2026 को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में डायमंड हार्बर एफसी का सामना करने के लिए तैयार है। मुकाबला शाम 4:00 बजे से खेला जाएगा।

घरेलू दर्शकों के मजबूत समर्थन और बढ़ते आत्मविश्वास के साथ, आरयूएफसी इस मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण अंक हासिल करने की कोशिश करेगा। टीम ने इस मुकाबले के लिए पूरी तैयारी की है और जीत के लिए प्रतिबद्ध है। इस मैच में कई विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल शर्मा (विधायक) उपस्थित रहेंगे, जबकि विशेष अतिथियों के रूप में अमित गोयल और भूपेंद्र सैना भी मौजूद रहेंगे, जिससे इस अवसर का महत्व और बढ़ जाएगा।

चेयरमैन केके टाक का बयान: हम कल के तीसरे घरेलू मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार और उत्साहित हैं। डायमंड हार्बर एफसी एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी है और हम उनके चुनौती का सम्मान करते हैं। साथ ही, हमें अपने प्रदर्शन पर भरोसा है और हम एक मजबूत खेल दिखाने के लिए तैयार हैं। मैं सभी प्रशंसकों से आग्रह करता हूं कि वे आएं, हमारा समर्थन करें और एक यादगार माहौल बनाएं।

मुख्य कोच विक्रांत शर्मा का बयान: टीम पूरी तरह से तैयार और केंद्रित है। घरेलू मैदान पर खेलना हमें अतिरिक्त ऊर्जा देता है और खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रेरित हैं। हम अपने प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारा लक्ष्य स्पष्ट है-खेल पर नियंत्रण बनाना और पूरे तीन अंक हासिल करना। आरयूएफसी अपने सभी प्रशंसकों और राजस्थान यूनाइटेड अल्ट्रास से अपील करता है कि वे स्टेडियम में आकर टीम का उत्साह बढ़ाएं और एक जोशीला माहौल बनाएं।

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17 : अरावली क्लब, एनबी एकेडमी व लक्ष्य एकेडमी जीती, परम सिंह का शतक

जयपुर, 25 मार्च। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर -17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों में अरावली क्लब ने जी आर एकेडमी को 4 विकेट से हराया, लक्ष्य एकेडमी ने डी एस एकेडमी को 12 रन से हराया व एन बी एकेडमी ने कल्याणी एकेडमी को 3 विकेट से हराया। आज प्रात: अरावली ग्राउंड पर जी आर एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इशांत शर्मा के 22 रन, ब्रजेश यादव के 39 रन, यथार्थ भारद्वाज के 21 रन, कविन चड्ढा के 93 रन, गौरव पुनिया के 49 रन व तुषार चेलानी के 23 रनो से 50 ओवर में 8 विकेट पर 272 रन बनाए। अरावली क्लब के लिए समीर ने 39 पर 2, आजाद ने 27

पर 2, अक्षित, शौर्य ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में अरावली क्लब ने दक्ष सेतिया के 74 रन, परम सिंह के 107 रन

व अक्षित के 22 रनो से 48 ओवर में 6 विकेट पर 276 रन बना कर मैच जीत लिया। जी आर एकेडमी के लिए इशांत शर्मा ने 49 पर 2, यथार्थ भारद्वाज व गौरव पुनिया ने एक - एक विकेट लिया दूसरे मैच में लक्ष्य ग्राउंड पर समर प्रताप के 31 रन आदित्य जाखड़ के 55 रन, हैरी तिवारी के 86 रन व प्रियांशु माली के 21 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 262 रन बनाए। डी एस एकेडमी के लिए अनुराग लखन ने 31 पर 3, अक्षय वैष्णव ने 62 पर 2, तनवीर, आदित्य व रोनित ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में डी एस एकेडमी की टीम जतिन सिरोया के 28 रन, नरपत चौधरी के 65 रन, कौशलेंद्र सिंह के 30 रन, तनवीर अहमद के 52 रन व अक्षय वैष्णव के 25 रनो की पारियों के बावजूद, 47.4 ओवर में 250 रनो पर सिमट गई। लक्ष्य एकेडमी के लिए आनंद सिरवी ने 49 पर 4, तेजस जोशी ने 14 पर 2 व अक्षत प्रधान ने 17 पर 2 विकेट लिए। तीसरे मैच में एन बी ग्राउंड पर कल्याणी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अतुल पाठक के 27 रन, रक्षित के 18 रन व समीर ढाका के 18 रनो से 21.5 ओवर में 105 रनो पर सिमट गई। एन बी एकेडमी के लिए रोहन मीणा ने 35 पर 5, लक्षित ने 31 पर 2 व समर्थ ने 35 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में एन बी एकेडमी ने विहान जैन के 42 रन, देवांश सिंह के 21 रन असद के 11 रनो से 26.4 ओवर में 7 विकेट पर 106 रन बनाकर मैच जीत लिया। कल्याणी एकेडमी के लिए समीर ढाका ने 24 पर 4, मोहम्मद अजमल ने 19 पर 2 विकेट लिए।

ईरान ने अमेरिकी विमान वाहक जहाज पर मिसाइल अटैक किया

ईरानी नौसेना कमांडर एडमिरल शाहराम ईरानी ने कहा इस हमले से जहाज को अपना रास्ता बदलने को मजबूर होना पड़ा

इस्तांबुल, 25 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरानी नौसेना ने घोषणा की कि उसकी क्रूज मिसाइलों ने अमेरिकी विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन को निशाना बनाया, जिससे अमेरिकी बेड़े को अपनी जगह बदलने पर मजबूर होना पड़ा। ईरानी नौसेना के कमांडर, रियर एडमिरल शहरम ईरानी ने चेतावनी दी कि अगर यह दुश्मन कैरियर ग्रुप, ईरानी मिसाइल सिस्टम की रेंज में घुसा, तो उस पर ज़ोरदार हमला किया जाएगा।

नौसेना कमांडर ने सेना के ऑपरेशनल कमांड पोस्ट से अब्राहम लिंकन पर गोलीबारी करने का आदेश जारी किया है।

■ अमेरिका की सैंट्रल कमांड ने इस हमले की पुष्टि नहीं की।

प्रेस टीवी ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें कहा गया कि सशस्त्र बलों ने अमेरिकी कैरियर पर मिसाइलें दागीं, जबकि सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने नौसेना के अधिकारियों के हवाले से इस ऑपरेशन का ब्योरा दिया है।

आईआरएनए के अनुसार ईरानी नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल शहरम ईरानी ने कहा कि दुश्मन एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन की गतिविधियों पर लगातार नज़र रखी जा रही है और जैसे ही यह ईरान की मिसाइल प्रणालियों की सीमा में प्रवेश करेगा, इसे फिर निशाना बनाया जाएगा।

एजेंसी ने कहा कि तटीय लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम क्रूज़ मिसाइलें अमेरिकी कैरियर ग्रुप की ओर दागी गईं, जिससे उसे अपनी जगह बदलने पर मजबूर होना पड़ा। फिलहाल, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिका और इजराइल 28 फरवरी से ईरान पर हवाई हमले कर रहे हैं, जिसमें अब तक 1,340 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई भी शामिल हैं।

ईरान ने इजराइल के साथ-साथ जॉर्डन, इराक और खाड़ी देशों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमलों से जवाबी कार्रवाई की है। ये वे देश हैं जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इन हमलों से जान-माल का नुकसान हुआ है और बुनियादी ढ ांचे को क्षित पहुंची है।

आरजीकर रेप पीड़िता की मां को भाजपा ने टिकट दिया

कोलकाता, 25 मार्च। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए 19 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। भाजपा की इस लिस्ट में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या की पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ पानीहाटी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। इसके अलावा, भाजपा ने रिटायर एनएसजी कमांडो दीपंजन चक्रवर्ती को भी टिकट दिया है।

दरअसल आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या की पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वे अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए कमल निशान के तहत चुनावी मैदान में उतरेंगी। ऐसे में बुधवार को भाजपा की तीसरी उम्मीदवार सूची ने अब आधिकारिक तौर पर इस घोषणा पर मुहर लगा दी है।

'अपनी हार को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसंधान कार्यक्रमों को समाप्त करना शामिल है।

इस योजना में यह भी निर्धारित किया गया है कि ईरान पूरे क्षेत्र में इस्लामी उग्रवादी संगठनों को प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन देना बंद करे, क्योंकि लेबनान में हिज़्बुल्लाह से लेकर आईएसआईएस, हूती और कई अन्य संगठनों को ईरान द्वारा फंड और प्रोत्साहन दिया जाता रहा है। इसके जवाब में ईरान ने शांति योजना को खारिज करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति का मज़ाक उड़ाया और कहा कि अमेरिका स्वयं से ही बातचीत कर रहा है। ईरान ने यह भी नकार दिया कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई संपर्क स्थापित हुआ है। ईरान का कहना है कि वह अमेरिका के साथ इस तरह के किसी भी समझौते पर बातचीत नहीं करेगा।

डॉनल्ड ट्रंप एक ओर तो आक्रामक रुख दिखाते नज़र आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ स्थायी शांति समझौते की बात भी कर रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और अन्य बलों को पश्चिम एशिया में तैनाती के लिए आगे बढ़ने का आदेश दिया है। एक नौसैनिक बेड़ा जो पहले जापान में तैनात था, अब ईरान और खाड़ी की ओर बढ़ रहा है।

माना जा रहा है कि डॉनल्ड ट्रंप आगे की रणनीति तय करने के लिए समय ले रहे हैं। इस बीच, युद्ध की तेज़ गति ने कथित तौर पर गोला-बारूद के भंडार का एक बड़ा हिस्सा समाप्त कर दिया है और अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ उत्पादन तेज करने की कोशिश कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका को कुछ प्रमुख हथियारों और उच्च-प्रौद्योगिकी रक्षा उपकरणों के लिए आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति श्रृंखला में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इन आधुनिक रक्षा हथियारों और गोला-बारूद के निर्माण में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर अर्थ मिनरल्स) की आवश्यकता होती है, जिनके लिए अमेरिका काफी हद तक चीन पर निर्भर है।

यह भी रिपोर्ट्स हैं कि अमेरिका के पास अब मुश्किल से कुछ महीनों का ही पर्याप्त भंडार बचा है और वह इसे फिर से भरने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की कमी डॉनल्ड ट्रंप के लिए और भी बड़ी चुनौती बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जल्द ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से शिखर वार्ता करने वाले हैं, जो लंबे समय से लंबित है।

रक्षा के महत्वपूर्ण संसाधनों के लिए चीन पर यह निर्भरता अमेरिका के सौदेबाजी के विकल्पों को भी सीमित कर रही है, और ट्रंप इन निर्भरताओं को कम करने के तरीके खोज रहे हैं। दूसरी ओर, शी जिनपिंग ने अमेरिका को दुर्लभ पृथ्वी सामग्री की आपूर्ति को लेकर अपना रुख और सख्त कर लिया है।

'24, अकबर रोड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। यदि वे इस ज़मीन आवंटन को स्वीकार कर लेते हैं, तो कब्जा लेने की तारीख से तीन साल के भीतर उन्हें पहले आवंटित बंगले या अन्य परिसरों को खाली करना होता है। कांग्रेस ने 2009 में नए भवन का निर्माण शुरू किया था और 2025 में निर्माण कार्य पूरा होने पर नए कांग्रेस मुख्यालय के रूप में "इंदिरा भवन" का उद्घाटन हुआ। भाजपा भी अब दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित अपने नए कार्यालय से काम कर रही है।

इसी पृष्ठभूमि में बदले की राजनीति का मुद्दा भी सामने आता है। भाजपा ने भले ही दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर अपना नया कार्यालय शुरू कर दिया था, लेकिन उसने कुछ समय तक अपने पुराने कार्यालय 11 अशोका रोड से भी काम जारी रखा था। बाद में यह बंगला पार्टी सांसद बैजयंत पांडा को आवंटित कर दिया गया। दूसरी ओर, कांग्रेस ने भी 24 अकबर रोड को अपने नाम आवंटित करने के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसे अनुमति नहीं दी गई। पार्टी नेता सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं, क्योंकि कई ऐसे नेता, जो अब सांसद नहीं हैं, अभी भी लुटियंस दिल्ली के सरकारी बंगलों में रह रहे हैं। इनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी और पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आज़ाद शामिल हैं।

नोटिस को लेकर कांग्रेस नेताओं की भावुक प्रतिक्रिया इस इमारत से जुड़ी पुरानी यादों के कारण भी है। सन् 1977 के चुनाव में हार के बाद, इंदिरा गांधी ने 24 अकबर रोड को पार्टी कार्यालय के रूप में इस्तेमाल करना शुरू किया था। उस समय यह बंगला पार्टी के राज्यसभा सांसद जी वेंकटस्वामी के पास था। इस बंगले ने राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री काल के दौरान कांग्रेस के पुनरुत्थान को भी देखा है।

मुख्यमंत्री बनने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वेणुगोपाल अन्य राज्यों में भी वही प्रयास नहीं कर सकते थे, जो अब केरल में कर रहे हैं? या फिर यह सक्रियता केवल इसलिए है, क्योंकि उनकी नज़र मुख्यमंत्री पद पर है।

केरल कांग्रेस में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री पद को लेकर वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्निथला के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

गुजरात में समान नागरिक संहिता बिल पारित

गांधीनगर, 25 मार्च। गुजरात विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक आज बहुमत से पारित हो गया है। इसके साथ ही, उत्तराखंड के बाद गुजरात यूसीसी लागू

■ गुजरात देश का दूसरा राज्य है जहां समान नागरिक संहिता बिल पारित हुआ, पहला राज्य उत्तराखंड है।

करने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। बिल पारित होने के बाद सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर विधेयक का स्वागत किया और विपक्षी सदस्यों ने सवाल उठाएं। गुरुवार को विधानसभा में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया। जिसके बाद सदन में 7 घंटे में लंबी चर्चा हुई। चर्चा के दौरान हलाला प्रथा, शाह बानो केस, अभिनेता धर्मेंद्र के दूसरे विवाह और श्रद्धा वाकर जैसे मामलों का भी उल्लेख किया गया।

'जुबीन गर्ग की मौत डूबने से हुई'

गुवाहाटी, 25 मार्च। सिंगापुर के कोरोनर कोर्ट ने प्रसिद्ध असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत को लेकर अपना अंतिम फैसला सुनाते हुए कहा है कि उनकी मृत्यु पानी में डूबने के कारण हुई थी। कोर्ट द्वारा प्रस्तुत निष्कर्षों के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह पुष्टि की गई कि मौत का कारण डूबना था। कोरोनर ने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक आकस्मिक घटना थी।

इस फैसले के साथ ही मामले को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है और अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि घटना में किसी तरह की साजिश या आपराधिक पहलू शामिल नहीं था। इस संदर्भ में विस्तृत विवरण के प्रतीक्षा

■ सिंगापुर कोर्ट के इस फैसले के बाद जुबीन की मौत में साजिश को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग सकता है।

की जा रही है। गौरतलब है कि, असम पुलिस की क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित कर दिसंबर, 2025 में गुवाहाटी की एक कोर्ट में गायक की मौत के मामले में एक विस्तरित चार्जशीट दाखिल की थी।

मॉल की बेसमैंट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ ने याचिकाकर्ताओं को नगर निगम के कर निर्धारक और राजस्व अधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया है। अदालत ने कहा है कि 27 मार्च को इस मामले पर सुनवाई की जाए। उल्लेखनीय है कि जयपुर के कई अन्य मॉल संचालकों की ओर से भी इसी मुद्दे पर हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं, जो 27 मार्च को हाईकोर्ट में सूचीबद्ध हैं।

महिमा बिल्डर्स द्वारा दायर मामले में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नगर निगम के कर निर्धारक कैसे और क्या फैसला लेते हैं, क्योंकि उनके निर्णय को न्यायालय में पुन: चुनौती दी जा सकती है।

'भाजपा से फंडिंग का आरोप एकदम निराधार'

■ एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने तृणमूल कांग्रेस के इस आरोप पर यह भी कहा अगर ऐसा है तो मैं 90 प्रतिशत पैसा तृणमूल को दे दूंगा।

■ ओवैसी बंगाल में तृणमूल से अलग हुए हुमायूं कबीर के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।

कोलकाता, 25 मार्च। पश्चिम बंगाल में अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के उस आरोप को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि उनकी पार्टी को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से धन मिल रहा है।

कोलकाता के उत्तरी उपनगर दमदम में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में ओवैसी ने कहा कि यह आरोप पूरी तरह निराधार है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर ऐसा है तो मैं 90 प्रतिशत धन तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को दे दूंगा, पांच प्रतिशत खुद रखूंगा और बाकी पांच प्रतिशत अपने भाई हुमायूं कबीर को दे दूंगा।

इस दौरान हुमायूं कबीर भी मौजूद थे, जिन्होंने हाल ही में, तृणमूल कांग्रेस से निलंबित होने के बाद, अपनी नई राजनीतिक पार्टी आम आदमी उन्नयन पार्टी का गठन किया है।

ओवैसी ने बताया कि उनकी पार्टी और आम आदमी उन्नयन पार्टी के बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे का समझौता हुआ है। दोनों दल राज्य की कई सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, खासकर उन क्षेत्रों में, जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक है। तृणमूल कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या 2016 में भाजपा के केवल तीन विधायकों से बढ़ कर 2021 में 77 विधायक होने में उनकी कोई भूमिका थी। उन्होंने कहा कि क्या यह मैंने किया था? क्या मैं इतना शक्तिशाली हो गया हूं? उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी अपनी वास्तविक राजनीतिक ताकत को ध्यान में रखकर ही चुनाव लड़ रही है।

इस अवसर पर ओवैसी ने तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मुस्लिम समुदाय की भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया कि लगातार चुनाव जीतने के बावजूद राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय का अपेक्षित विकास नहीं हुआ है।

ईरान सिर्फ जेडी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि विटकॉफ, कुश्नर और यहां तक कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो की तुलना में वेंस को संघर्ष खत्म करने के पक्ष में ज्यादा गंभीर माना जा रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908